Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

NB.1.3

राग-बोध

(तृतीय भाग)

LIBRARY
No. ....
Shri Shri Ma Anandamayee Ashram
BANARAS

PRESENTED

लेखक
प्रा. बा. र. देवधर,
प्रिन्सिपल–कला संगीत भारती
बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी
वाराणसी।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प्रकाशक :
श्रीमती चंपावती देवधर
मोदी चेम्बर्स, फ्रेंचब्रिज
बंबई-४

मुद्रक—
विकास प्रिंटिंग वर्क्स
बड़ादेव, गोदौलिया
वाराणसी।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग-बोध

तृतीय भाग

LIBRARY
No. ...
Shri Shri ... Anandamayee Ashram
BANARAS

लेखक
प्रो. बा. र. देवधर,
प्रिंसिपल
कला संगीत भारती
बनारस हिन्दू युनिवर्षिटी
वाराणसी—५

PRESENTED

पुनर्मुद्रण
सन् १९६३ ई०

मूल्य रु० २-५० न पै.

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प्रस्तावना

'राग बोध' पुस्तक माला के तीसरे भाग का यह पुर्न-मुद्रण आज प्रकाशित हो रहा है। इसका उद्देश्य व्यवहार के चालीस पचास रागों की बाकायदा शिक्षा देने का ही रहा है। इसमें गांधर्व महाविद्यालय मंडल के बनाये हुये तीसरे वर्ष के सभी पाठ्य यिषयों का समावेश किया गया है। हां एक राग की कम से कम तीन प्रसिद्ध चीजों के साथ ही एक चीज पर बीस पच्चीस अलाप तानें नमूने के तौर पर दी गई है। इस पुस्तक के लिये करीब करीब सभी पुरानी खानदानी चीजों को चुना गया है।

तीसरे वर्ष से ख्याल गायकी की शुरुआत हो जाती है। आरम्भ में विद्यालयों में निश्चित समय में विद्यालयों को ख्याल गायकी का पूर्ण अभ्यास कष्ट साध्य है। इसी कारण इस पुस्तक में बड़े ख्यालों के कुछ अलाप और तान उदाहरणार्थ दिये गये हैं जिनके अभ्यास से विद्यार्थी अपने बुद्धि का विकास कर सकता है। इसी के आधार पर आगे ख्याल गायकी बढ़ाने का अभ्यास किया जाय तो विद्यार्थियों को अवश्य लाभ होगा।

इस पुस्तक में आई हुई अधिकतर चीजें मुझे मेरे गुरु पुज्यपाद पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर जी से प्राप्त हुई है। मरहूम खाँ साहब फैयाज खाँ की बनाई हुई बहार की एक चीज और खाँ साहब बड़े गुलाम अली खाँ की बनाई हुई शंकरा की चीज इस पुस्तक में सुन्दर रचना के उदाहरण स्वरुप दी गई है। वाराणसी के गायनाचार्य प० शिवप्रसाद त्रिपाठी जी ने दो पुराने धृपद देकर हमें उपकृत किया है।

मुझे आशा है कि इस पुस्तक से विद्यार्थी जगत को अवश्य लाभ होगा।

बा० र० देवधर

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अनुक्रम

विषय		पृष्ठ
शास्त्रीय-विवरण	...	५-१६
राग केदार		
(१) चोरी चोरी भारत हो—धमार	...	१७
(२) जो जो बूँद पड़े—तीनताल	...	२०
(३) सुघर चतुर बैया—एकताल	...	२२
(४) कंगनुवा मोरा—तीनताल	...	२४
(५) 'कंगनुवा मोरा'—गीत के आलाप तान	...	२६--३१
राग अल्हैया बिलावल		
(१) कवन बटरिया—तीनताल	...	३४
(२) मोरि अरज सुनो—तीनताल	...	३५
(३) प्रबल ही शाम अब दुर्बलहि—झपताल	...	३६
(४) गोपियन आज खेले—धमार	...	३८
(५) 'मोरि अरज सुनो' गीत के आलापतान	...	३९ -४६
राग शंकरा		
(१) बारू री मृग दृगन को—झपताप	...	४८
(२) तोंतननन नन तन--तराना—तीनताल	...	५०
(३) एरि सजनी—तीनताल	...	५२
(४) 'एरि सजनी' गीत के आलाप तान	...	५३--५८
राग बहार		
(१) अंबुवा बोली रे डार डार—तीनताल	...	६०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) तु तो बाहु देसवा—तीनताल ... ६१

(३) तनों तनन दिरदिर--तराना—तीनताल ... ६३

(४) बालमुवा माई री—तीनताल ... ६४

(५) 'बालमुवा माई री' गीत के आलाप तान ... ६५--७२

राग तिलंग

(१) कान मुरलि वाले—तीनताल ... ७४

(२) ले चल गोकुल गाम—तीनताल ७५

(३) चलत चाल गोपि ग्वाल—एकताल ... ७६

(४) 'ले चल गोकुल गाम' गीत के आलाप तान ... ७७--८३

राग पिलू

(१) मन की मन में रही—कहरवा ... ८५

(२) पपिहा रे पीकि बोलि न बोल—तीनताल ... ८६

(३) रघुविर तुमको मेरि लाज—तीनताल ८८

(४) कदर प्यारे लागे तुम्से नैन—तीनताल ... ८६

(५) 'रघुविर तुमको मेरिलाज' गीत के तान आलाप ... ६१--६३

राग जौनपुरी

(१) ना दिर दिर दानि--तराना—तीनताल ... ६६

(२) पिया मोरा गइलो बिदेसवा—तीनताल ... ६८

(३) अब पायल बाजन लागी—तीनताल ... ६६

(४) आइ ये जु आई थे मोरे मेहेल—चौताल-धृपद ... १००

(५) 'अब पायल बाजन लागी' गीत के आलापतान ... १०२--१०८

राग माल कौंस

(१) कोयलिया बोले अंबुवा—तीनतान ... ११०

(२) मुख मोर मोर मुसकात जात—तीनताल ... ११२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) सा सुन्दर बदन के—झपताल ... ११३
(४) आद शब्द आदि जोति—धृपद–चौताल ... ११५
(५) 'सा सुन्दर बदन' गीत के आलापतान ... ११७-१२३
ख्याल खायकी—विवरण ... १२४--१२६
राग भूप—बड़ा ख्याल—गायकी
(१) एरिआज भइलजा—एकताल विलंम्बित ... १२८--१३७
राग यमन—बड़ा ख्याल—गायकी
(१) 'सलोनारे बालम मोरा'—ताल--झुमरा—
विलंम्बित ... १३७--१४८
राग भीमपलासी—बड़ा ख्याल--गायकी
(१) अखियाँ मोरि लाग रही—तिलवाड़ा ... १४६--१६२
राग बागेश्री—बड़ा ख्याल--गायकी
(१) मोहे मनावन आये हो—एकताल
बिलंम्बित ... १६३--१७७
राग बिहाग—बड़ा ख्याल–गायकी
(१) डरियो वा मानस सो—एकताल—
बिलंम्बित ... १७८--१८६
राग माल कौंस—बड़ा ख्याल गायकी
(१) कब हो कपि राघो आवेंगे—एकताल
बिलंम्बित ... १६०–२०३
राग भैरव—बड़ा ख्याल–गायकी
(१) बालमुवा मोरे सैंया--एकताल बिलंम्बित ... २०४--२१७
राग हमीर—बड़ा ख्याल–गायकी
(१) चमेली फूली चंपा—एकताल–बिलंम्बित ... २१८--२२८

LIBRARY
No. ....
Shri Shr... ...shram
BANARAS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मध्यमा तृतीय वर्ष

गायन शास्त्र

निम्नलिखित विषयोंका यथोचित ज्ञान।

(स) सात स्वरों में २२ श्रुतियों का आधुनिक पद्धती से विभाजन, वादी स्वर का राग के समय से संबंध, आंदोलन की चौड़ाई उसका नाद के छोटे और बड़ेपन से संबंध, खींचे हुए तार की लम्बाई का नाद के ऊँचे-नीचेपन से संबंध, मेल और राग के विशेष नियम, गणितानुसार उत्तर भारतीय ३२ ठाठों की रचना, संधिप्रकाश राग।

(रे) तानों के प्रकार :—सरल तान, कूट तान, मिश्र तान, सपाट तान, जमजमा, गमक, थिरक तान आदि; आडी, उठाव, चलन तथा नाद, श्रुति स्वर सप्तक आदि शब्दों की अधिक विस्तृत परिभाषाएँ।

(ग) अब तक सीखे हुए सभी रागों का पूर्ण विस्तृत वर्णन। उनका स्वर विस्तार तथा ताने लिखने की क्षमता।

(म) ध्रुपद धमार की दुगुन, चौगुन लिखना। कठिन स्वर समूहों द्वारा, राग पहचानना।

(प) सम प्रकृतिक रागों की तुलना एवं उनके अंतर का ज्ञान।

(ध) अब तक सीखे हुए सभी तालोंका पूर्ण वर्णन, उनकी दुगुन, तिगुन, चौगुन लिखना।

(नी) पं० विष्णू दिगंबर तथा पं० भातखंडेजी की स्वर-लिपियों का पूर्ण ज्ञान।

(सा) पं० विष्णु दिगम्बर, पं० भातखन्डे जी तथा तानसेन की संक्षिप्त जीवनियाँ।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मध्यमा तृतीय वर्ष

गायन—क्रियात्मक

संगीत मध्यमा के पाठ्यक्रम से विलंबित गायकी का प्रारंभ होता है। अतः यह आवश्यक होगा कि विद्यार्थी ताल के अंतर्गत अपनी कल्पना द्वारा साधारण स्वर विस्तार करके मुखडा या सम पकड़ सके।

(स) स्वर ज्ञान में विशेषता। प्रत्येक सप्तक के शुद्ध एवं विकृत स्वरों की समुचित पहचान। पांच स्वरों के समुहों को, जो अब तब सीखे हुए किसी राग से लिए हों एवं मध्यलय में बोले गए हों, पहचानना तथा लिखे हुए स्वरों को पढ़ना।

(रे) तान पूरा मिलाने का साधारण अभ्यास।

(ग) गले से कण, खटके मुरकीयों के निकालने का अभ्यास। विभिन्न रागों में अब तक के सीखे हुए विभिन्न तालों में अलंकार बनाने तथा गाने का अभ्यास।

(म इस वर्ष के लिये आठ नये राग रखे गये हैं। (१) केदार (२) अल्हैयाबिलावल (३) शंकरा (४) बहार (५) तिलंग (६) पिलु (७) जौनपुरी (८) मालकंस।

इन रागों की पढ़ाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा--

(अ) उपरोक्त तथा पहले सभी वर्षों के सभी रागों का स्पष्ट ज्ञान।

(ब) उपरोक्त सभी रागों में छोटा ख्याल।

(क) केदार, शंकरा, मालकंस, बहार, जौनपुरी, अल्हैयाबिलावल तथा भैरव में से किन्हीं दो रागों में दो ध्रुपद तथा दो धमार (हाथ से ताली देकर) दुगुन और चौगुन के साथ।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

PRESENTED

(ड) पिलु तथा तिलंग में धून तथा भजन ।

(ई) अबतक के २४ रागों में से किन्हीं दो रागों के दो तराने ।

विलंबित गायकी :—अब तक के २४ रागों में से— निम्नांकित ८ रागों में प्रत्येक में एक-एक बड़ा ख्याल । उनमें भूपाली तथा यमन के बड़े ख्याल अलाप, तान, बोलतान के साथ पूरी गायकी के लिये तथा शेष राग केवल स्थायी अंतरा तथा प्रारम्भिक अलाप के लिये ।

(१) यमन, (२) भूपाली, (३) भीमपलासी, (४ बागेश्री, (५) बिहाग, (६) मालकंस, (७) भैरव, (८) हमीर ।

इस तरह इस वर्ष ८ छोटे ख्याल, ८ बड़े ख्याल, २ ध्रुपद, २ धमार, २ भजन तथा २ तराने कुल मिलाकर २४ गीत होंगे ।

(प) राग पहचान ने में निपुणता ।

(ध) लय संबंधी विशेष स्पष्ट ज्ञान ।

(नी) ताल :-झुमरा, सूल, तिलवाड़ा, दीपचन्दी तथा पिछले सभी ताल के ठेकों को मात्राओं के द्वारा हाथ से ताल देते हुए दुगुन, तीगुन और चौगुन में कहना ।

(सां) त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, धमार, कहरवा, दादरा इन तालों के ठेके तबले पर बजाना आना चाहिए तथा अब तक के सीखे हुए ताल किस गायन शैली के लिए हैं, जानना चाहिए ।

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

LIBRARY
No.............
Shri Shri Ma Anandamayee Ashram
BANARAS

शास्त्री-निनरसा

सात स्वरों का २२ श्रुतियों में आधुनिक पद्धति से विभाजन

२२ श्रुतियों का विभाजन प्राचीन काल से ही निम्न प्रकार से किया गया है। "सा" की श्रुतियाँ चार, "रे" की तीन, "ग" की दो, "म" की चार, "प" की चार, "ध" की तीन एवं "नी" की दो। कुल श्रुतियों की संख्या २२ होती है जिनमें "सा म प" में चार–चार, इस प्रकार "रेध" में प्रत्येक की तीन तथा "गनी" में दो–दो, श्रुतियों का विभाजन किया गया है। प्राचीन काल में स्वर आखिरी श्रुति में माना गया था। इसलिए चौथी श्रुति में "सा", ७ वीं श्रुति पर "रे", ९ वीं पर "ग", १३ वीं पर "म", १७ वीं पर "प", २० वीं पर "ध" तथा २२ वीं पर "नी" यह स्वरों का क्रम होता है। किन्तु इस प्रकार के गायन से गांधार, ऋषभ के करीब आता है तथा निषाद भी धैवत के पास आ-जाता है। अर्थात् गांधार एवं निषाद कोमल बन जाते हैं। निदान यह स्वर काफी राग की तरह गाये जायेंगे। परन्तु यह "स्वर-सप्तक" वर्तमान कालीन प्रचार में नहीं है। आज जिन शुद्ध स्वरों का प्रचार है उस आधार से गांधार एवं निषाद का उपयोग भिन्न है। अर्थात् आधुनिक याने वर्तमान प्रकार में स्वरों की श्रुति संख्या पुरातन कालीन ही है, किन्तु पहले श्रुति पर स्वर लेने से ही आधुमिक

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सप्तक प्राप्त होता है। यदि पहले श्रुति पर स्वर लिए जाँय तो वे निम्न प्रकार से प्रतीत होंगे "सा" प्रथम श्रुति पर "रे" पाँचवीं पर, "ग" आठवीं पर, "म" दसवीं पर, "प" चौदहवीं पर, "ध" अठारहवीं पर तथा "नी" इक्कीसवीं पर।

प्राचीन :—				सा			रे		ग			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
आधुनिक :—	सा				रे			ग		म		

प्राचीन :—	म				प			ध		नी
	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२
आधुनिक :—		प				ध			नी	

वादी स्वर का राग के समय से संबंध

किसी भी राग के वादी स्वरों से राग का समय निश्चित किया जा सकता है। प्राचीन पंडितों ने दिन को दो भागों में बाँटा है। पहला भाग दिन के १२ बजे से रात्रि के १२ बजे तक होता है जिसे पूर्वार्ध या या पूर्वाङ्ग कहते हैं। दूसरा भाग अर्थात् जो भाग रात्रि १२ से दिन के १२ तक होता है जिसे "उत्तरांग" या "उत्तरार्ध" कहते हैं। जिन रागों का वादी स्वर सप्तक के पूर्वार्ध में होता है वे दिन के १२ बजे से लेकर रात्रि के १२ तक गाये जाते हैं, एवं जिन रागों का वादी स्वर सप्तक के उपरार्ध में होता है वे रात्रि के १२ बजे से दिन के १२ बजे तक गाये जाते हैं। म तथा प यह दोनों स्वर पूर्वाङ्ग एवं उत्तरांग दोनों ही में आ सकते हैं।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आन्दोलन की चौड़ाई और उसका नाद के छोटे और बड़ेपन से संबंध

तार जोर से छेड़े जाने पर उसके आंदोलन की चौड़ाई बढ जाती है। साथ ही साथ आवाज भी बडा हो जाता है। वही तार धीरे से छेड़े जाने पर आंदोलन की चौड़ाई कम होती है, अर्थात् आवाज धीमा होता है। मतलब यह, कि बडे आवाज के लिये अधिक जोर का आघात करना पड़ेगा याने आंदोलन की चौड़ाई बढ़ानी होगी।

खिंचे हुए तार की लम्बाई का नाद के ऊंचे नीचे पन से संबंध

यदि किसी लम्बे तार को एवं उससे छोटे तार को बराबरी का तनाव दिया जाय तो लम्बा तार नीचे के स्वर में आवाज करेंगा। छोटा तार इस लम्बे तार की अपेक्षा बहुत ऊँचे स्वर में बजेगा। लम्बे तथा छोटे तारों को समान रूप से तनाव दिये जाने पर लम्बे तार के आंदोलन छोटे तार से कम होंगे अतः उसका स्वर नीचे का होगा। छोटे तार में अधिक आंदोलन होने की वजह से वह ऊंचे स्वर में बजता है। इसीलिए पुरुषों के तानपूरों में लम्बाई अधिक होती है। स्त्रियों के लिये बनाये जाने वाले तानपूरों में जो कि ऊँचे स्वर में बजते हैं, लम्बाई कम होती है। अर्थात् पुरुषों के तानपूरों की अपेक्षा इनमें कम लम्बाई के तार रहते हैं।

मेल या ठाट

'मेल या ठाट' का अर्थ है—स्वरों की कोमल तीव्रता को लेकर की हुई एक निश्चित स्वर—रचना। इसी स्वर—रचना में वादी--संवादी

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्वर, रागों में रही हुई स्वर संख्या, स्वरों की प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग-अलग प्रकार के परिवर्तन करने पर कई प्रकार के राग निर्मित होते हैं।

उदाहरणार्थ, हम एक ऐसा स्वर-समुदाय लें जिसके पूरे सप्तक में सारे स्वर शुद्ध हैं। यह एक निश्चत प्रकार की स्वर-रचना हुई। इस प्रकार की स्वर-रचना को बिलाबल ठाट कहते हैं। अब यदि इस मेल या ठाट के साथ शुद्ध स्वरों में से सिर्फ सा, रे, म, प, ध, इतने ही पाँच स्वर लेकर 'म' को वादी स्वर बनाया जाय तो वह दुर्गा राग होता है। इसी तरह सिर्फ 'म' को वर्ज्य कर गंधार और निषाद को वादी संवादी माना जाय तो शंकरा राग बन जाता है।

प्रचलित दस मेल या ठाट

इस तरह के प्रचलित मेल या ठाट दस है, जिनके नाम नीचे दिये जाते हैं :—

१. विलाबल मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी
सभी स्वर शुद्ध।

२. कल्याण मेल—सा, रें, ग, मं, प, ध, नी
मध्य तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

३. खमाज मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी
सिषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

४. भैरव मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी
ऋषभ और धैवन कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

५. पूर्वी मेल—सा, रे, ग, मं, प, ध, नी
ऋषभ और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

६. मारवा मेल—सा, रे, ग, मं, प, ध, नी

ऋषभ कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

७. काफी मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी,

गंधार औ निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

८. आसावरी मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी,

गंधार, धैवत और निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

९. भैरवी मेल—सा, रे, ग, म, प, ध, नी

ऋषभ, गंधार धैवत और निषाद कोमल, मध्यम शुद्ध।

१०. तोड़ी मेल—सा, रे ग, मं, प, ध, नी

ऋषभ, गंधार और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध।

मेल या ठाट—संबंधी नियम

१. सप्तक के बारह स्वरों में से ही मेल या ठाट का निर्माण होता है।

२. मेल या ठाट का संपूर्ण होना जरूरी है, यानी उसमें सातों स्वर क्रम से होने चाहिए।

३. मेल या ठाट के लिये आरोह-आवरोह या रंजकता संबंधी कोई आवश्यकता नहीं है।

४. मेल या ठाट को उसमें रही हुई स्वरमाला से निर्माण होने वाले और उपर्युक्त नियम अधिक-से-अधिक मात्रा में पाये जाते हैं, ऐसे किसी एक प्रख्यात राग का नाम दिया जाता है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मेल या ठाट को राग नहीं कहा जा सकता, यह बात अच्छी तरह ध्यान में रखनी चाहिये; इसलिये नीचे बताये हुये राग सम्बन्धी नियम मेल या ठाट के नियमों से अच्छी तरह मिलाकर देख लिये जाँय।

राग—संबंधी नियम

१. राग मेल या ठाटों से निर्मित होता है।

२. राग में कम से कम पाँच स्वर होने चाहिये।

३. राग में आरोह-अवरोह और रंजकता होनी चाहिये।

४. 'म' और 'प' इनमें से एक-न एक स्वर राग में होना जरूरी है।

५. एक ही स्वर के दो प्रकार यानी 'कोमल' तथा शुद्ध या शुद्ध तथा तीव्र एक दूसरे के बाद राग में आमतौर से नहीं आते हैं।

आश्रय राग या जनक राग

जिस प्रसिद्ध राग का नाम किसी मेल या ठाट को दिया जाता है, उसे आश्रय राग या जनक मेल कहते हैं और उस मेल या ठाट से निर्मित होने वाले अन्य रागों को जन्य राग कहते हैं।

गणितानुसार उत्तर भारतीय ३२ ठाटों की रचना

प्रत्येक मेल या ठाट में लगातार सात स्वर होने चाहिये। अर्थात हर ठाठ के स्वर एक दूसरे से भिन्न हों। यह मेल या ठाट के बारे में एक आवश्यक नियम है। गणितानुसार उत्तर हिंदुस्थानी संगीत

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

में एक दूसरे से सर्वथा विलग सिर्फ ३२ ही ठाट हो सकते हैं। उनकी रीति निम्न प्रकार की है :—

सप्तक में पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध दो विभाग होते हैं। प्रथम हम देखें कि पूर्वार्ध में कितने प्रकार बन सकते हैं। अर्थात उत्तरार्ध के "प ध नी सा" स्वर उसमें उसी तरह से रखे जायेंगे।

प्रथम हम पूर्वाङ्ग के सब कोमल शुद्ध स्वरों को एक साथ देखें कि उसमें से उपरोक्त कितने प्रकार हो सकते हैं। फिलहाल हम तीव्र 'म' को अलग रखेंगे एवं केवल शुद्ध मध्यम का ही उपयोग करें।

सा रे रे ग ग म प ध नि सां

१ सा रे ग म प ध नि सां
२ सा रे ग म प ध नि सां
३ सा रे ग म प ध नि सां
४ सा रे ग म प ध नि सां

हमें पूर्वाङ्ग के स्वरों से सिर्फ चार स्वतंत्र प्रकार उपलब्ध होते हैं तथा उन्हें अंकों द्वारा दिखाया गया है। किन्तु यदि पूर्वार्ध के "सा रे ग म" मात्र ज्यों के त्यों रखें और उत्तरार्ध के कोमल शुद्ध स्वर लिये जाँय तो हमें निम्न प्रकार मिलते हैं :—

सा रे ग म प ध ध नी नी सां

१ सा रे ग म प ध नी सां
२ सा रे ग म प ध नी सां
३ सा रे ग म प ध नी सां
४ सा रे ग म प ध नी सां

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

उत्तरार्ध से यही अलग अलग चार प्रकार उत्पन्न हुए हैं। किन्तु इनमें से पूर्वाङ्ग का प्रत्येक प्रकार बारी बारी से उत्तरार्ध के प्रत्येक प्रकार के साथ लिया जाय तो ४×४=१६ प्रकार के ठाट या मेल हमें मिलते हैं। यह १६ प्रकार केवल शुद्ध मध्यम से मिले। किन्तु शुद्ध मध्यम के स्थान पर तीव्र 'म' लेनें से और सोलह प्रकार तयार हो जायेंगे। जैसे :—

	सा	रे॒	रे	ग॒	ग	म॑	प	ध	नी	सां
१	”		रे		ग	म॑	”	”	”	”
२	”	रे॒			ग	म॑	”	”	”	”
३	”		रे	ग॒		म॑	”	”	”	”
४	”	रे॒		ग॒		म॑	”	”	”	”

संधि प्रकाश राग

संधिप्रकाश हमें दिन में दो बार देखने को मिलता है। पौ फटते समय अर्थात उषाकाल और सूर्यास्त के समय। इसी समय गाये जानेवाले राग "संधिप्रकाश राग" कहलाये जाते हैं। संधिप्रकाश रागों में ऋषभ एवं धैवत कोमल तथा गांधार शुद्ध रहते हैं। साधारणतया सवेरे के संधिप्रकाश रागों में मध्यम शुद्ध रहता है। संध्या के संधिप्रकाश रागों में मध्यम तीव्र रहता है। भैरव, कलिंगडा एवं जोगिया सुबह के संधि-प्रकाश राग हैं तथा पूर्वी, पूरिया धनाश्री तथा मारवा संध्या समय के संधिप्रकाश राग होते हैं। संध्या समय के संधिप्रकाश रागों में पूर्वी तथा मारवा ठाट के रागों का अन्तर्भाव है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

तान के प्रकार

जलद लय में रागों का जो विस्तार किया जाता है, उसे तान कहते हैं।

(१) सरल तान :—जिस तान में लय का प्रमाण एक समान हो और वह सीधे आरोहवरोह की हो उसे 'सरल तान' कहते हैं जैसे। सा रे ग म प ध नी सां। सां नी ध प म ग रे सा।

(२) कूट तान :—कूट का वास्तविक अर्थ है पहेली (Puzzle) जिस तान में स्वरों का क्रम सीधा न हो कर उलटा सीधा होता है उसे 'कूट तान' कहते हैं। इसके स्वरों के क्रम का अंदाज लगाना बहुत कठिन है। जैसे :—सारे गरे पम धप नीध मनी धध रेसां। धनी धप गम गरे गरे सा।

(३) मिश्र तान :—इस तान का कुछ भाग सीधा होता है तथा कुछ भाग क्रमहीन। यों कह सकते हैं, कि यही कूट तान एवं सरल तान का मिश्र प्रकार है। जैसे :—ग म प ध नी सां। गं रें नीं सां ध नि म प ध प म ग रे सा।

(४) सपाट तान :—यह सरल तान का ही एक प्रकार है। किन्तु यह कुछ जलद गाई जाती है तथा इसमें किन्हीं स्वरों पर विशेष जोर दिया जाता है।

(५) जमजमां :—यह प्रकार सितार पर बजाया जाता है। किन्तु गायकउसी तरह तान भी गा लेते हैं। इनमें दो-दो स्वर बार बार दोहराना तथा उनका क्रम बदलते रहना, यह मूख्य सूत्र है। इसी को जमजमां तान कहते हैं। जैसे :—सारे सारे। रेग रेग गरे गरे। सारे सा। सारे सा सारे सा रेसा। रेसा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) गमक तान :—स्वरों के कम्पन से गमक तान उत्पन्न होती है ऐसी इसकी व्याख्या पाई जाती है। किन्तु इस शब्द की उचित रूप से व्याख्या अभी तक नहीं बनी है। स्वरों में विशेष जोर लाना, आवाज में कंप उत्पन्न करके उसकी माधुरी बढ़ाना यह इसकी विशेषता है। आजकल ध्रुपद के गायक प्रायः इसका उपयोग करते हैं।

(७) आडी :—इस शब्द के दो अर्थ प्रचलित है। कहीं कहीं "तिगुण" को ही आडी कहते हैं। किन्तु असल में आडी याने ड्योढ़ा। अर्थात् दो मात्राओं में तीन का सामना। लेकिन "तिगुण" में एक मात्रा के लिये तीन समाते हैं।

(८) अच्छिसिका :—शब्द, स्वर एवं ताल इनकी सहायता से तयार की हुई रचना "अच्छिसिका" कही जाती है।

(६) उठाव :—कम से कम रागवाचक स्वरों से जब राग की शुरुवात की जाने पर राग तात्काल पहचाना जा सके तो उसे राग का "उठाव" कहते हैं। कुशल गायक शुरु के दो-तीन स्वरों में ही राग का स्वरूप सामने खड़ा कर देते है जैसे :—नी सा ग म ग, केवल इन्हीं सुरों को अच्छी तरह गाने पर श्रोतागण, तात्काल पहचान सकते हैं, कि यह 'बिहाग' है। इन उपरोक्त स्वर-समुच्चय को राग का उठाव कहते हैं।

(१०) चलन :—प्रत्येक राग के अरोहावरोह में कुछ विशेषता होती है। कुछ सीधे सादे गाये जाते हैं तो अन्य कुछ वक्र गति से। प्रत्येक राग के विशेष नियमों से बद्ध उसके आलाप को उस राग का 'चलन' कहते हैं।

तानसेन

ई० स० १५०० के लगभग की बात है। ग्वालियर से सात मील की दूरी पर स्थित "बेहट" नामक गाँव में मकरंद पांडे नामक एक सदाचारी ब्राह्मण रहते थे। वैसे तो वे सुख वस्तु थे किन्तु उन्हें पुत्र न होने

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

से वे बहुत कष्टी थे। सब उपायों से हारने के बाद वे ग्वालियर के महमंद घौस नामक एक सिद्ध फकीर के दर्शन करने गये। फकीर ने आशीर्वाद दिया कि उन्हें पुत्र होगा। मकरंद पांडे बहुत खुश हुये और उन्होंने भी वचन दिया कि यदि पुत्र हुआ तो वह फकीर के हेतु उन्हें चरणार्पित करेंगे। संयोगवशात इ. स. १५३०-३२ में उन्हें एक पुत्र हुआ। उसका नामकरण 'तन्नामिश्र' हुआ। मकरंदजी के खुशी का क्या ठिकाना, उनके हाथ तो मानो आसमान छू रहे थे। बच्चे के लाड प्यार से उनका आनन्द प्रतिदिन द्विगुणित हो जाता था। तन्नामिश्र की बुद्धि बहुत तेज थी, एवं कुछ चंट भी था। बचपन में ही उसने कई पशुपक्षियों के एवं जानवरों के आवाज की हुबहू नकल करना सीख लिया था। इससे उसे फसल की रक्षा करने में बहुत मदद मिलती थी।

एक दिन मथुरा के सन्त एवं गायक हरिदास स्वामी अपने शिष्यों के साथ यहाँ से दूर गुजरे। इतने ही में उन्होंने शेर की भयानक दहाड़ सुनी। उनके शिष्यों का तो बुरा हाल था। लेकिन स्वामी जी ने सबको धीरज बँधाया और कहा कि इस बस्ती में जंगली जानवरों का होना नितांत असम्भव है। अतः हम लोग भीतर बगीचे में चल कर स्वयं देखें कि वह कौन है जो शेर के आवाज की भी नकल कर सकता है। तन्नामिश्र को देखकर हरिदास स्वामी बहुत प्रसन्न हुये, एवं उन्होंने ठीक ही जान लिया कि यह लड़का अद्वितीय संगीतज्ञ हो सकेगा। उसके पिता को समझा बुझाने के बाद स्वामीजी तन्नामिश्र को साथ में लिये मथुरा की ओर चल पड़े।

तन्नामिश्र ने स्वामीजी की मनोभाव से सेवा की एवं संगीत की पूरीपूरी जानकारी थोड़े ही समय में प्राप्त कर ली। कुशल गायक युवा तन्नामिश्र को देखकर उसके पिता बहुत आनंदित हुए। लेकिन उन्हें महमंद घौस को दिये वचन का स्मरण था। वे तन्नामिश्र को साथ लिये ग्वाल्हेर गये। तन्नामिश्र का गायन सुनकर बुढ़े फकीर बहुत प्रसन्न

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

हुये एवं कुछ प्रसाद देने के हेतू अपने मुँह में चबाते हुए पान का रस तन्नामिश्र के मुँह में डाल दिया। मुसलमान का झूठा खाने के अपराध स्वरूप तन्नामिश्र को जबरन् मुसलमान बनना पड़ा।

तानसेन कई वर्षोंतक ग्वालेर के राजा के साथ रहने के पश्चात् रीवाँ नरेश राजाराम के साथ रीवाँ गया एवं वहाँ का दरबारी गायक बना। धीरे धरे तानसेन का कीर्तिसुगंध हिन्दुस्तान के कोने कोने में फैल गया। यह बात अकबर बादशाह ने भी सुनी। अकबर बहुत रसिक था, अतः उसने रीवाँ नरेश से प्रार्थना की कि उनके दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ का गायन उन्हें सुनने को मिले। रीवाँ नरेश ने बहुत सम्मान के साथ तानसेन को भेजा। जैसा कि अपेक्षित ही था, अकबर बादशाह गायक पर "बहोत खुष हुआ" और रीवां दरबार का गायक दिल्लीपती को भेंट किया गया। इस प्रकार इ. स. १५५६ से तानसेन दिल्ली का दरबारी गायक बना। इसी समय से उसका तानसेन नाम मशहूर हुवा। अकबर ने उसे दरबार में "प्रथम स्थान" दिया। उसकी गणना अकबर के 'नवरत्नों' में होने लगी।

तानसेन जैसा गायक था वैसे ही कवि भी था। उसने कतिपय गीत लिखे जिसका रसास्वाद आज भी बड़े चाव से लिया जाता है। उसने कई नये रागों की भी रचाना की। उनमें से "मिया-मल्हार", "दरबारी-कनडा", "मियाँ की तोड़ी" आदि आज भी प्रधान राग बने हुए हैं। कृष्णलिला पर लिखी उसकी पद्य-रचना अनगिनत है। वैष्णव पंथियों के घरघर में हमें वह सुनाई देती है।

इ. सन १५८५ में उसकी मृत्यू हुई। ग्वालेर में महंमद घौस की कबर के पास ही उसकी भी कबर बनवाई गई। साल में एक दिन वहाँ बड़ा भारी मेला लगता है दूरदूर देशों से गायक वादक वहाँ आते हैं और संगीतस्वरूप तानसेन के कबर के पास बड़े ही भक्तिभाव से गायन वादन करते हैं एवं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग केदार

इस राग में दोनों 'मध्यम' रहते हैं। तीव्र 'मध्यम' प्रायः आरोह में आता है। फिर भी कभी कभी अवरोह में तीव्र और शुद्ध दोनों मध्यम एक के बाद एक गाये जाते हैं जिससे राग में रंजकता आती है। बीच बीच में धैवत के साथ कोमल निषाद भी धनि धप इस ढंग से अवरोह में लिया जाता है। 'गंधार' स्वर इस राग में 'गुप्त' यानी मध्यम स्वर से ढका हुआ रहता है। आरोह में रे, ग, वर्ज्य होते हैं। बाकी सारे स्वर शुद्ध रहते हैं। यह राग संपूर्ण है। वादी शुद्ध 'मध्यम और सम्वादी षड्ज है। गाने का समय रात का पहला पहर।

आरोह अवरोह स्वरूप

साम, मप, पध पप, सां। सां धप, मंपधप, म, रेसा।

पकड़

साम, मप, धपम, रेसा।

आलाप

(१) सा, धप, धपम, मप, पसा, सारे–सा;

(२) सा, रेसा, मरेसा, साधप, पसा, सारे–सा;

(३) सा, रेसा, साम, मरेसा, साम, मप, धपम, रेसा ;

(४) साम, मंधपम, मंपधनिधप, म, पम, रेसा;

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) सा म़, मपधम, म॑पधनी̱धप, धपम, सां, धपम; रेसा;

(६) साममप, म॑पधनी̱धप, म॑पधपम, पसां, रेंसां, नीधप धपम, रेसा ;

(७) पपसां, सांरेंसां, सांमं, मंरेंसां, नीधपम, पमरेसा ;

(८) सासाम, मप, धपधपम, धमपसां, पपसां, रेंसां, सांमं, रेंसां, नीधप, म॑पधनी̱धप, धपम, रेसा ;

(९) सारेसासाम, म॑पधपम, धनी̱धपधपम, रेंसांनीधप, धपम, मं, रेंसां, नीधप, धपम, रेसा ;

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत १ राग केदार. ताल—धमार

चोरी चोरी मारत हो कुम कुम ।
सनमुख हो क्यों न खेलत होरी ॥
देखो कहत हूं गुलाल परत ।
वार वार आंखन मोरी ॥

स्थायी

– – प प
ऽ ऽ चो री
३

ध म – प सां	सां नी	ध प म	– प म –
चो ऽ ऽ री ऽ	मा ऽ	र त हो	ऽ कु म ऽ
×	२	०	३

ग		ग	
रे सा – सा सा	म –	म म प	प प – प
कु म ऽ स न	मु ऽ	ख हो ऽ	क्यों न ऽ खे
×	२	०	३

नी ध सां नी रें	सां –	नी – ध	प – प प
लो ऽ ऽ ऽ ऽ	हो ऽ	ऽ ऽ ऽ	री ऽ चो री
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

प – – सां –	सां –	सां रें सां	सां – सां –
दे ऽ ऽ खो ऽ	क ऽ	ह त ऽ	हूं ऽ गु ऽ
×	२	०	३

सां

ध – नी सां रें	सांनी ध	प. म म	प म रे सा
ला ऽ ऽ ल प	र ऽ त	बा ऽ र	बा ऽ ऽ र
×	२	०	३

सां मं – रें सा	सां –	नी – ध	प – प प
आ ऽ ऽ ख न	मो ऽ	ऽ ऽ ऽ	री ऽ चो री
×	२	०	३

गीत २ राग केदार ताल—तीनताल

जो जो बूँद पड़े जिया लरजे। छतिया मोरी थरथर करे॥
चहुं ओर बादल घन छाये। प्यारा घर नहिं डर मोरे आवे।
प्यारा आवे गले हूं लगावे। छतिया मोरी थर थर करे॥

म (म) – प –	प – ध प	म – रे सा	(नी) सा रे सा –
जो ऽ जो ऽ	बूं ऽ द प	ड़े ऽ जि या	ल र जे ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	सा			म											
सा	सा	म	म	प	–	प	ऽ	मंप	धनी	सां	ध	पमं	प	म	–
छु	ति	या	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ	थऽ	रऽ	ऽ	थ	रऽ	क	रे	ऽ
०				३				×				२			

अंतरा

		प										नी.			
प	प	–	सां	–	सां	सां	–	सां	सां	सां	सां	सां	रें	सां	–
च	हूं	ऽ	ओ	ऽ	र	वा	ऽ	द	ल	घ	न	छा	ऽ	ये	ऽ
०				३				×				२			

नी		नी						सां				मां			
ध	–	ध	–	सां	सां	सां	सां	सां	रें	नी	सां	ध	–	प	–
प्या	ऽ	रा	ऽ	घ	र	न	हिं	ड	र	मो	हे	आ	ऽ	वे	ऽ
०				३				×				२			

												नी			
मं	–	प	–	धनी	सां	ध	प	म	म	रे	सा	सा	रे	सा	–
प्या	ऽ	रा	ऽ	आऽ	ऽ	वे	ऽ	ग	ले	हुं	ल	गा	ऽ	वे	ऽ
०				३				×				२			

	सा			म								ध			
सा	सा	म	म	प	–	प	–	मंप	धनी	सां	ध	पमं	प	म	–
छु	ति	या	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ	थऽ	रऽ	ऽ	थ	रऽ	क	रे	ऽ
०				३				×				२			

————

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत ३ राग केदार ताल–एकताल (मध्यलय)

सुघर चतुर वैयां पकरत हो वलमा। वे तो नवलि नार का जाने हित कि सार गंवार॥ तुम तो महा-ग्यान अति प्रवीण सबविध जानत हो पैछानत हो। वेतो अपने घरकि लाडलडात लाडलि को लिजो मना। कर प्यार सरस गरवा। लाये लाये॥

			सा		म						
सा	सा	म	ग	प	प	मंप	धप	म	–	रे	सा
सु	घ	र	च	तु	र	वैंऽ	ऽऽ	या	ऽ	तु	म
×		०		२		०		३		४	

		सा								सा	
सा	सा	म	ग	प	प	मंप	धप	म	–	नी़	रे
सु	ध	र	च	तु	र	वैंऽ	ऽऽ	यां	ऽ	प	क
×		०		२		०		३		४	

		सा									
सा	सा	म	मग	प	–	मंप	धप	म	–	मं	प
र	त	हो	ऽऽ	ऽ	ऽ	बऽ	ऽऽ	ल्मा	ऽ	वे	तो
×		०		२		०		३		४	

	प		सां								
प	सां	सां	ध	प	प	मंप	धम	म	म	म	मग
न	व	लि	ना	ऽ	र	काऽ	ऽऽ	जा	ने	ही	तऽ
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प मं	धप म	- रे	सा रे	सा -सा	सा सा
की ऽ	ऽऽ सा	ऽ र	गं ऽ	वा ऽर	तु म
×	०	२	०	३	४

अंतरा

म ग	प -	प सां	- सां	- सां	सां सां
तु म	तो ऽ	म हा	ऽ ग्या	ऽ न	अ त
×	०	२	०	३	४

			नी		
रें सां	- स	ध नी	सां रें	सां -	सां सां
प्र वी	ऽ ण	स ब	वि ध	जा ऽ	न त
×	०	२	०	३	४

सां	मं				
ध -	प -	ध नी	ध प	प -	ध प
हो ऽ	पै ऽ	छा ऽ	न त	हो ऽ	वे तो
×	०	२	०	३	४

म म	मग प	प ध	म म	मग प	- ध
अ प	नेऽ घ	र कि	ला ड	लऽ डा	ऽ त
×	०	२	०	३	४

प प	प सां	सां सां	- रें	सां सां	सां रें
ला ड	लि को	लि जो	ऽ म	ना ऽ	क र
	०	२	०	३	४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां	नी	ध	प	प	ध	म	म	मधमंप	–	–	–
प्या	ऽ	र	स	र	स	ग	र	थाऽऽऽ	ऽ	ऽ	–
×		०		२		०		३		४	

म	–	पधमंप	--	–	–	म	–	–	रे	सा	सा
ला	ऽ	येऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ये	तु	म
×		०				०		३			

गीत ४ राग केदार ताल—तीन ताल

कंगनवा मोरा अतहि अमोला मीने करीये ।
राखिलो लुगा अब मैं कैसे घरवा जाउरे ।
जो तूम दे ओरी तो गूण माने ।
ना तो कढैया तोरा नाम रे ॥

मं								मं							
प	ध	प	म	–	म	प	–	प	ध	ध	प	मं	प	प	–
कं	ग	न	वा	ऽ	मो	रा	ऽ	अ	त	हि	अ	मो	ऽ	ला	ऽ
०				३				×				२			

								ग				ग		ग	
प	–	धमं	प	म	–	–	–	मम	–	मप	–	मम	–	रे	–
मी	ऽ	ऽऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	कऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	सा	सा	नी
सा - - सा	ध़ सा - सा	प - म -	सा रे सा -
ये ऽ ऽ र।	खी लो ऽ लु	गा ऽ ऽ ऽ	अ ब मैं ऽ
०	३	×	२

			म
सा - म ग	प ध प -	मप धनी सां धनी	सां ध प -
कै ऽ से ऽ	घ र वा ऽ	जाऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऊ रे ऽ
०	३	×	२

अंतरा

प	- सां - सां
जो	ऽ तू ऽ म
	२

	सां	सां	
सां - - -	- - ध -	सां - - ध	- सां - सां
दे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हो ऽ	री ऽ ऽ तो	ऽ गू ऽ न
०	३	×	२

सां - - -	सांरें नीसां ध -	प - - ध	प म - म
मा ऽ ऽ ऽ	नेऽ ऽऽ हो ऽ	ऽ ऽ ऽ ना	ऽ तो ऽ क
०	३	×	२

प - प -	पप धनी सां -	- ध - मं	- प धनी सां
ढै ऽ या ऽ	तोऽ ऽऽ ऽ ऽ	ऽ रा ऽ ना	ऽ म रेऽ ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग केदार

'कंगनुवा मोरा' इस गीत के आलाप और तानें

(१) कं ग नु वा | ऽ मो रा ऽ | सा – – – | सा रे – सा |
० ३ × २

(२) ,, ,, | सा म – – | रे – सा – |
× २

(३) ,, ,, | म प ध प | म – रे सा—
× २

आगे के दो आलाप खाली से शुरू होते हैं।

(४) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | सा म – प | ध प सां – |
× २ ० ३

नी ध – प | म – रे सा |
× २

(५) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | प – सां – | रें – सां – |
× २ ० ३

सां – ध प | म – रे सा |
× २

(६) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | पध पप सां – | रें – सां – |
× २ ० ३

मं रें – सां | ध प म – |
× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS
LIBRARY
No............
Shri Shri (... २७) ... Ashram
BANARAS

(७) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | सा म – रे | सा – पध पप |
× २ ० ३

सां – ध प | रेंसां धप म – |
× २

(८) अ त हि अ | मो ऽ ला ऽ | साम मप पसां रें | – रें सां – |
× २ ० ३

मं रें – सां | सांनी धप म – |
× २

अंतरे के आलाप

(१) जो | ऽ तूं ऽ म | सां – – – | रें – सां – | पध पप सां,
२ ० ३ ×

(२) जो | ऽ तूं ऽ म | सां रें – सां | मं – रें – | सां – –,
२ ० ३ ×

(३) जो | ऽ तूं ऽ म | पध पप सां – | मं रें – सां | ध प सां,
२ ० ३ ×

स्थाई की बोलतानें

(१) कं ग नु वा | सा सा म म | प प मं प | ध प धमं,प म |
० | कं ग नु वा | मो रा अ त | ही अ मो ऽऽ ला
३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) प प सां सां | – रें सां – | सां सां – ध | पमं धप म – |

कं ग नु वा | ऽ मो रा ऽ | अ त ऽ हि | अऽ मोऽ ला ऽ |

० ३ × २

(३) प प म रे | – सा रे सा | रें सां – ध | मं धप म – |

कं ग नु वा | ऽ मो ऽ रा | अ त ऽ हि | अ मो ऽ ला ऽ |

० ३ × २

(४) म म प प | सां रें सां – | मं रें – सां | सांसां धप मम रेसा |

कं ग नु वा | मो ऽ रा ऽ | अ त ऽ ही | अऽ मोऽ लाऽ ऽऽ |

० ३ × २

(५) सा सा म म | प प ध नी | ध प पप सांसां |

कं ग नु वा | मो रा अ त | ही अ मोऽ ऽऽ |

० ३ ×

धप धप मम रेसा |

ऽऽ ऽऽ लाऽ ऽऽ |

२

(६) प सां रें सां | – धप म – | मंमं –रें –सां रेंसां |

कं ग नु वा | ऽ मोऽ रा ऽ | अऽ ऽत ऽहि अऽ |

० ३ ×

–ध –प मम रेसा |

ऽमो ऽला ऽऽ ऽऽ |

२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) साम –म प धप | म साम मप पसां | –सां रें सां सांमं |
कं ऽ गऽ ऽ नुऽ | वा मोऽ राऽ अऽ | ऽ त ऽ हिऽ अ ऽ |
० ३ ×

मंरें – सांसां धप |
मोऽ ऽ ऽलाऽ ऽऽ |
२

(८) मम रेसा पप मम | रे सा धप पप | पप सांसां रेंरें सांसां |
कंऽ गऽ नुऽ वाऽ | मो रा अऽ तऽ | हीऽ ऽ ऽ ऽऽ अ ऽ |
० ३ ×

धप मंप धप म |
मोऽ ऽऽ ऽऽ ला |
२

स्थाई की तानें

(१) कं ग नु वा | ऽ मो रा ऽ | सारे सारे मम रेसा |
० ३ ×

| मम पप मम रेसा |
२

(२) „ | „ | मप मम रेसा, मम |
×

| पप धप मम रेसा |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) ,, | ,, | मम पप धनी धप |
×

| मंप धप मम रेसा |
२

(४) ,, | ,, | सासा मम पप सांसां |
×

| रेंरें सांनी धप मंप |
२

(५) ,, | ,, | मप पसां सांमं मंरें |
×

| सांनी धप मम रेसा |
२

(६) ,, | मप मम रेसा, मंप | धप मम रेसा, सांरें |
० ३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
२

(७) ,, | मम पप सांसां, रेंरें | सांसां, मंमं रेंसां रेंरें |
० ३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) मम पप धप मम, | धनी धप मंप धप | मम, सांरें सांनी धप |
० ३ ×

| मंप धप मम रेसा |
२

(९) सारे सा सा रेसा पध | प,प धप सांरें सांसां | रेंसां, मंमं रेंसां रेंरें |
० ३ ×

| सांसां धप मम रेसा |
२

(१०) साम गप मंध पप | पप सांसां धप मंप | मंप धनी धप मंप |
० ३ ×

| मंप धप मम रेसा |
२

(११) पध पध मंप मंप | मम रेसा धनी धनी | धप मंप सांरें सांरें |
० ३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग अल्हैया बिलावल

राग अल्हैया बिलावल, बिलावल ठाट से उत्पन्न होता है। इस राग में सभी स्वर शुद्ध होते हैं किन्तु अवरोह में धनी धप इस प्रकार के स्वर वाक्य में कोमल निषाद लेने की प्रथा है। आरोह में मध्यम वर्ज है, और अवरोह में गंधार वक्र है। इसकी जाती सम्पूर्ण है। आरोह में निषाद के बाद धैवत कण स्वरूप से लेकर फिर निषाद गाकर षडज को जाना इस राग की निशानी है जैसे नी ध ध नी सां। इसका वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर गंधार है। अल्हैया बिलावल सुबह का एक महत्वपूर्ण राग है, और इस राग का अच्छी तरह अभ्यास करने के पश्चात् बिलावल अंग के किसी भी प्रकार को समझने में आसानी होती है। इसके गाने का समय दिन का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, गरे, गप, धनी, सां | सां, नीध, प, मग, मरे, सा.

पकड़

सा, गरे, गप, ध, नीसां, नीधप, मग, मरेसा.

आलाप

ध

(१) सा, नीधप, धनी, नी सां, सा रे, सा।

(२) सारे, सा, गरे, गम, रेसा, नी, नी, सा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) सा, गरे, गप, मग, गप, धध, प, मग, मरे, सा ।

(४) सा, गरे, गप, धनीधप, पमग, गपधप, मग, मरेसा ।

(५) गरे, गप, पधध, प, धनी, नीसां, नीधप, मग, मरेसा ।

(६) गरे, गप, धनी, नीसां (ध), सांरें, सां, नी नीसां (ध), सांनीधप, मग, मरे, सा ।

(७) सारेसा, गरेगपमग, मरेसा, सांनीधप, रेंसांनीधप मग, मरेसा ।

(८ गपधनी, नीसां (ध), सांरें, सां, गंमंरेंसा, नीधप, मग, मरेसा ।

(९) गपधनीसां, गंरें, गंपंमंगं, मंरें, सां, नीधप, मग, मरेसा ।

*****

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नं० १ **राग–अल्हैया बिलावल** ताल–तीनताल

कवन बटरिया गैलो माई दे हो बता।
मै घरवा गत माई चुरवा गईलवा।
लेन गई सुध अरे हाटवारे।
इतनी गली मे गैलो का माई॥

ग ग म ध (म)	ध प प –	(प) – म –	ग रे ग म
क व न व	ट रि या ऽ	गै ऽ लो ऽ	ऽ ऽ मा ई
०	३	×	२

ध – प –	म ग प म	ग – म रे	सा – नी –
दे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ हो व	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ – मै ऽ
०	३	×	२

सां सां गं रें	सां नी ध नी	सां सां ध प	(प) ग म ग –
घ र वा ऽ	ग त मा ई	चु र वा ग	ई ल वा ऽ
०	३	×	२

अंतरा.

प	– नी ध नी
ले	ऽ न ऽ ग
	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां - - -	नीसां - - सां	सां - - नी	ध सां - सां
ई ऽ ऽ ऽ	ऽऽऽऽ सु	ध ऽ ऽ अ	रे हा ऽ ट
०	३	×	२

सां

ध - - नी	प - प -	ध पध नी ध	प प ग म
वा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	ऽ ऽऽ ऽ ई	त नी ऽ ग
०	३	×	२

प - प -	ध नी सां -	ध नी सां नी	ध प म ग
ली ऽ मे ऽ	गै ऽ लो ऽ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मा ई
०	३	×	२

नं० २ राग अल्हैया बिलावल तीन ताल

मोरी अरज सुनो गिरिधारी आज। तुम दीन दुनीके सरताज।
आइ हूं अब मैं शरण ते हारि। किरपा करो महाराज॥

म ग
मो रि

रे

म नी ध प	म ग प म	ग - रे सा	- सा म ग
अ र ज सु	नो ऽ गि रि	धा ऽ रि आ	ऽ ज तु म
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प - प प	ध नी सां रें	सांरें सांनी धप धनी	धप मग
दी ऽ न दु	नी के स र	ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ जऽ
०	३	×	२

अंतरा

प - ध नी	सां सां सां -	सांरें गंरें गं मं	गं -रें सां -
आ ऽ इ हुं	अ व मैं ऽ	शऽ रऽ ण ते	हा ऽऽ री ऽ
०	३	×	२

सां रें सां नी	ध प म ग	गप धन सांरें सांनी	धप मग म ग
की र पा क	रो ऽ मा हा	राऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	जऽ ऽऽ मो री
०	३	×	२

नं० २ राग—अल्हैया विलावल ताल—झपताल

प्रवलही श्याम अव दुर्वलहि देख जन झटहिपट झपट करे गज बचायो। गोपही ग्वाल को राख लियो गिरीधर इंद्रको मान छिन में घटायो॥

ध ध	रें सां -	ध नी	प म ग
प्र व	ल ही ऽ	श्या ऽ	म अ व
×	२	०	३

रे ग	प म ग	रे रे	सा सा सा
दु ऽ	र्व ल ही	दे ऽ	ख ज न
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

		नी	नी	नी					
सा	सा	ध	ध	ध	नी	प	ध	नी	सां
झ	ट	ही	प	ट	झ	प	ट	क	रे
×		२			०		३		
गं	·	रें	सां	–	प	प	ध	नी	सां
ग	ज	व	चा	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

अंतरा

प	–	प	ध	नी	सां	–	सां	सां	–
गो	ऽ	प	ही	ऽ	ग्ला	ऽ	ल	को	ऽ
×		२			०		३		
सां	–	गं	·	मं	गं	रें	ध	नी	प
रा	ऽ	ख	लि	यो	गि	रि	ध	ऽ	र
×		२			०		३		
			प		नी				
प	–	ध	ग	प	ध	सां	सां	सां	सां
ई	ऽ	द्र	को	ऽ	मा	ऽ	न	छि	न
×	२	२			०		३		
							नी		
रें	गं	रें	सां	ऽ	प	ऽ	ध	नी	सां
मे	ऽ	घ	टा	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		२			०		३		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नं० ४ **राग अल्हैया बिलावल** ताल–धमार

गोपियन आज खेले मोसे होरी।
नन्द महर घर फाग रचोरी।
डफ बाजत ब्रिज में गावत नाचत कृष्ण मुरारी॥

स्थायी

			रे
ग प नीध नी	सां – धप ग म	प म	ग –रे सा
गो पि यऽ न	आ ऽ जऽ खे ले	मो से	हो ऽऽ री
३	×	२	०
			ग रें
सा ग रे ग प	प धनी सां ध	नी प	ध म ग
नं द ऽ मे हे	र घऽ र फा	ऽ ग	र चो री
३	×	२	०

अंतरा

प प नीध नी	सां – सां रें गं	मं रें	– सां ग
ड फ वाऽ ऽ	ज ऽ त ब्रि ऽ	ऽ ज	ऽ मैं गा
३	×	२	०
प	नी	सां	प म रे
म रे ग प	धनी सां रें सां सां	ध नीप	ध म ग
व त ना ऽ	चऽ ऽ त कृ ऽ	ष्ण ऽऽ	मु रा री
३	×	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग अल्हैया बिलावल

'मोरी अरज सुनो' इस गीत के आलाप व तान ।

	०	३	×	२
(१) मोरी	सा - - -	(ध)नी़ - - ध़	(ध)नी़ - सा -	सा रे - सा
(२) मोरी	सा - - -	रे - सा -	म ग - म	रे - सा -
(३) मोरी	सा रे ग रे	ग - प -	म - ग -	म रे सा -
(४) मोरी	सा - ग रे	ग - प -	ध नी̲ ध प	म - ग -
(५) मोरी	ग - प -	ध नी̲ ध प	म - ग -	म रे - सा

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | ग प ध – | नी सां – – |
० ३ × २

| नी ध – प | ध नी ध प | म – ग – | म रे – सा |
० ३ × २

(७) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | ग रे ग – | प – ध नी |
० ३ × २

| – ध नी – | सां – सां रें | – – सां – | धनी धप म ग |
० ३ × २

(८) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | गरे ग प ध | नी – ध नी |
० ३ × २

| – सां – सां | रें – सां गं | मं रें – सां | सांनी धप म ग |
० ३ × २

(९) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | गप धनी सां – | रें – सां – |
३ × २

| गं पं मं गं | मं रें – सां | ध नी ध प | मग म रे सा |
० ३ × २

अंतरे के आलाप

(१) आ ऽ इ हुं | अ व मै ऽ | सांरें सांनी ध प | धनी – नी सां |
० ३ ×

(२) आ ऽ इ हुँ | अ व मैं ऽ | सां – रें सां | गं मं रें सां |
० ३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) आ ऽ इ हुं | अ व मैं ऽ | सांरें गंमं गं – | मं रें – सां |
० ३ × २

(४) आ ऽ इ हुं | अ व मैं ऽ | सां रें – सां | गं मं रें सां |
० ३ × २

(५) सांरें सांनी ध प | म ग म रे | ग प ध – | नी सां – – |
० ३ × २

स्थायी की बोलतानें

(१) गिरि | धा ऽ रि आ ऽ ज, ग रे सा – ग रे | ग प म ग |
× २ मो ऽ री ऽ अ र ज ऽ सु नो
० ३

| – – म रे | सा – मो रि | अ र ज
| ऽ ऽ आ ऽ | ज ऽ | ०
× २

(२) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग रे | ग प ध नी ध प म ग |
× | २ मो ऽ | री ऽ अ र ज ऽ सु ऽ |
० ३

| म रे पम ग रे सा, मोरि | अ र ज
| ऽ नो आऽ ऽ | ऽ ज | ०
× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग रे | सा ग प म | ग म रे, म |
| × | २ मो ऽ | रि अ र ज | ऽ सु नो गि |
० ३

| प धनी सां – | धप मग मो रि | अ र ज
| रि धाऽ ऽ ऽ | रीऽ ऽऽ | ०
× २

नी ध
(४) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, ग प | ध नी – नी |
| × | २ मो रि | अ र ऽ ज |
०

| सां सां सांरें गं | –रें सां सांसां धप |
| सु नो गिऽ ऽ | ऽऽ री धाऽ ऽऽ |
३ ×

| मग मरे, मोरि | अ र ज
| रीऽ ऽऽ | ०
२

ध
(५) गिरि धा ऽ रि आ | ऽ ज, धग मरे | गप धनी धप धनी |
× | २ मोऽ ऽऽ | रीऽ अर जऽ सुऽ |
०

| सांसां गंरें सां रेंगं | मंगं मंरें सां सांनी |
| ऽनो गिऽ री धाऽ | ऽऽ ऽऽ री आऽ |
३ ×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| धप मग मो री | अरज
| ऽऽ जऽ | ०
२

(६) मग मरे –सा गरे | गप धनी,सां सांगं रें सां |
मो अर ऽज सुनो | गिरि धाऽऽ रिआ ऽ ज |
० ३

धनी रेंनी सांध प | पम पग मरे मग | अरज
दीन दुनि केस र | ताऽ ऽऽ ऽज मोरी | ०
× २

(७) पप धनी सांरें सां | सांरें गंपं मंगं रेंसां |
मोरि अर जसु नो | गिरि धाऽ रितू ऽम |
० ३

सांरें नीसां धप धनी | धप मग मरे मग | अरज
दीन दुनि केऽ सर | ताऽ ऽऽ ऽज मोरि | ०
× २

अस्थायी की तानें

(१) अ र ज सु | नो ऽ गि रि | सारे गप मग मरे |
० ३ ×

| सारे सासा, मो री |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ,, ,, | ,, ,, | सारे गप धनी धप |
ㅤ० ㅤㅤㅤㅤ ३ ㅤㅤㅤㅤ ×

| मग रेसा, मो री |
ㅤ२

(३) ,, ,, | ,, ,, | गप धनी सांनी धप |
ㅤ० ㅤㅤㅤㅤ ३ ㅤㅤㅤㅤ ×

| मग रेसा, मो री |
ㅤ२

(४) अ र ज सु | नो ऽ, गरे गप | धनी सांरें सांनी धप |
ㅤ० ㅤㅤㅤㅤ ३ ㅤㅤㅤㅤ ×

| मग रेसा, मो री |
ㅤ२

(५) अ र ज सु | नो ऽ, सांरें सांनी | धप धनी धप मग |
ㅤ० ㅤㅤㅤㅤ ३ ㅤㅤㅤㅤ ×

| पम गरे, मो री |
ㅤ२

(६) गिरि | धा ऽरि आ | ऽज, गरे गप | नीध नीसां गंगं मंरें |
ㅤㅤ × ㅤㅤㅤ २ ㅤㅤㅤㅤ ०

सांरें सांसां सांनी धप | धनी धप मग मरे | सारे सासा, मोरी |
३ ㅤㅤㅤㅤ × ㅤㅤㅤㅤ २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गग रेसा |
×　　　　　　　　　२

| पप मग रेसा धनी | धप मग रेसा सांरें |
०　　　　　　　　३

| सांनी धप धनी धप | मग रेसा, मो री |
×　　　　　　　　२

(८) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गप ग,प |
×　　　　　　　　२

| धप धनी धप मग | धनी ध,नी सांनी सांरें |
०　　　　　　　　३

| सांनी धप, धनी धप | मग रेसा, मो री |
×　　　　　　　　२

(९) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, गम ग,ध |
×　　　　　　　　२

| नीध पम गरे सां,ध | नीध सांरें सांनी धप |
०　　　　　　　　३

| गंमं गंरें सां,रें सांनी | धप मग, मो री |
×　　　　　　　　३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(१०) गिरि | धा ऽ रि आ | ऽ ज, सारे गप |
× २

| गप धनी धनी सांरें | गंरें सांनी ध,ध पम |
० ३

| ग,ग रेसा धनी धप | मग रेसा, मो री |
× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

LIBRARY
No.............
Shri Shri ... Anandamayee Ashram
BANARAS

राग शंकरा

यह राग बिलावल ठाट से उत्पन्न होता है। इसमें 'मध्यम' वर्ज्य है। आरोह में 'रिषभ' वर्ज और धैवत वक्र है यानी 'प नी ध सां नी' इस तरह गाया जाता है। सब स्वर शुद्ध हैं। वादी 'गंधार' और संवादी 'निषाद' है। यह राग 'उत्तरांग प्रधान' है यानी सप्तक के उत्तरार्ध में विशेष रूप में शोभा देता है। गाने का समय रात्रि का दूसरा प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

रे
सा, गप, नीध, सांनी, प, गप, ग, रेसा।

पकड़

रे
सा, गप, नीध, सांनी, पग, प, ग, रेसा।

आलाप

(१) सा, प़, नी़ध़ सानी़ साग, रेसा।

रे रे
(२) सा, गप, ग, रेसा, पग, प ग, रेसा।

रे
(३) सा गप, नीप, गपनी, ध सांनी, प गप, ग, रेसा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे
(४) पग, नीध सांनी, पग, सागपग, नीप, ग, प ग, रेसा।

(५) पग सा, सारेसा, पग, नीप ग, गपनी, धसां,
रे
सांरेंसां नीप, गप, ग, रेसा।
रे
(६) प, नीसाग, रेसा, सागपनी, पग, प ग, रेसा,

गपनीसां गं, रेंसां, नीप, गप, ग, रेसा।

(७) गपनी, धसां, पनी ध सांनी रेंसां, गं, रेंसां, नीसां
रे
रेंसांनी, पग, प ग, रेसा।

(८) ऽारेसासा, पग, पधपप, ग, नीध सांनी रेंसां, नी, पग,
रें
पधपप, ग, प ग, रेसा
रे
(९) गपनीसांगं, रेंसां, पंगं, पं गं, रेंसां, नीसां रें सांनी,
रे रे
सांनीप, गपनी, पग, पधपप, ग, प ग, रेसा.

नं० १ राग शंकरा ताल–झपताल

वारु री मृग दृगन को तेरे नैनन पर भव पे कमान
वान वारु पलकन पे। शोभा देत भाल विंदि जुगनु
हजार वारु विजरी वार डारु दशंन झलकन पे॥

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी

			प नीध नी
			वा ऽऽ रु

सां –	नी(ध) नी प	प नी	ध सां नी
री ऽ	मृ ग ह	ग नं	को ऽ ऽ
×	२	०	३

प ग	प ग गरे	सा रे	सा सा सा
ते रे	नै न नऽ	प ऽ	र भ व
×	२	०	३

(प)ग प	(प)ग प प	प नीध	नी सां –
पे ऽ	क मा न	वा ऽऽ	न वा ऽ
×	२	०	३

गं नी	सां नीध नी	प धग
रु प	ल कऽ न	पे ऽऽ
×	२	०

अंतरा

प प	नी सां सां	सां सां	(नि)ध सां नी
शो भा	दे ऽ त	भा ल	बि ऽ न्दि
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ग ग	प		
पप नी	प ग प	ग गरे	सा सा सा
जुग नु	ह जा र	वा ऽऽ	रु वि ज
×	२	०	३

प			
ग प	ग - प	प नीध	नी सां सां
री ऽ	घा ऽ र	डा ऽऽ	रु द स
×	२	०	३

गं नी	सां नीध नी	प धग
न भ	ल कऽ न	पे ऽऽ
×	२	०

—*—

नं० २ राग शंकरा तराना (मध्यलय)

तों तननन ननतन देरे ना तारेदानी तनतदानी उदानित तदरेदानी तादानि। तन देरे नादीं तननन देरे ना तदारे दानी तननदानी तुदनित तदरे दानी तादानी तों ॥

स्थायी

		नी
सा -	सा सां सां सां	नी सां नी नी
तों ऽ	त न न न	न न त न
	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS
PRESENTED

			प प
प प प नी	ध सां नेः –	सां – नी प	– प ग ग
दे रे ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ता ऽ रे दा	ऽ नि त न
×	२	०	३

प रे ग	प प		रे
ग ग प –	– – ग ग	प प ध प	गंप ग – सा
त दा नी ऽ	ऽ ऽ उ द	नि त त दा	रेंऽ दा ऽ नि
×	२	०	३

रे रे रे	
ग ग प ग	– रे सा –
ता ऽ ऽ दा	ऽ नि तों ऽ
×	२

अंतरा

प प सां सां	सां – सां –	सां सां सां सां	सां सां सां –
त न दे रे	ना ऽ दीं ऽ	त न न न	दे रे ना ऽ
×	२	०	३

	गं प	गं रें	
गं रें गं –	पं – गं –	पं – गं –	सां – सां –
ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ	दा ऽ नी ऽ
×	२	०	३

	प प		
नी सां नी प	– प ग ग	प प नी सां	नी प – प
त न त दा	ऽ नि तु द	नि त त दा	रे दा ऽ नि
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे	रे		रे					
ग	ग	प	ग	|	–	रे	सा	– |
ता	ऽ	ऽ	दा	|	ऽ	नि	तों	ऽ |
×					२			

नं० ३ **राग शंकरा** तीनताल (मध्यलय)

एरि सजनी काहु सोतन बिरमाये। अजहु न आये सब रंग पिया मोरा जिया घबराये।

स्थायी

						प		रे							
			सां |	नी	प	ग	प |	ग	–	–	– |	सा	–	ग	– |
			प |	रि	स	ऽ	ज |	नी	ऽ	ऽ	ऽ |	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ |
				३				×				२			
					प		रे								
प	–	–	सां |	नी	प	ग	प |	ग	–	–	– |	सा	–	–	– |
ऽ	ऽ	ऽ	ए |	रि	स	ऽ	ज |	नी	ऽ	ऽ	ऽ |	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ |
०				३				×				२			
		प													
सा	–	प	ग |	प	प	नी	सां |	पप	नीसां	गंरें	सांसां |	पप	नीसां	पप	गग |
का	ऽ	हु	सो |	त	न	वि	र |	माऽ	ऽऽ	ऽऽ	येऽ |	मोऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ |
०				३				×				२			
पप	गरे	सा |													
ऽऽ	पिऽ	या |													
०															

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

ग प(प) सां -	सां सां - सां	सांरें सां नी प	नी ध सां नी
अ ज हूं ऽ	न आ ऽ ये	सऽ व रं ग	पी ऽ ऽ या
०	३	×	२
सा सा प ग	प प नी सां	पप नीसां गंरें सांसां	पप नीसां पप गग
उ न बि न	घ ब रा ये	मोऽ ऽऽ ऽऽ राऽ	बीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२
पप गरे सा			
ऽऽ ऽऽ या			
०			

'एरि सजनी' इस गीत पर आलाप तान

(१) ए	रि स ऽ ज	सा - नी -	प ग - प	ग -रे सा
३		×	२	०
(२) ए	रि स ऽ ज	सा ग प -	नी - प -	ग -रे सा
३		×	२	०
(३) ए	रि स ऽ ज	ग प नी ध	सां - नी -	प ग प
३		×	२	०
(४) ए	रि स ऽ ज	नी ध सां नी	प ग - प	ग -रे सा
३		×	२	०
(५) ए	रि स ऽ ज	गं -रें सां	नी ध सां नी	प ग प
३		×	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) ग प नी – | ध सां – – | नीसां रेंसां नी – | प ग – प |
० ३ × २

ग –रे सा, ए | रि स ऽ ज | नी
० ३ ×

(७) गप नीसां गं –रें | सां – – – | नी ध सां नी | प – ग प |
० ३ × २

ग –रे सा, ए | रि स ऽ ज | नी
० ×

(८) सा ग प – | प नीध सांनी । गं –रें सां – | नी ध सां नी |
० ३ × २

प ग प, ए | रि स ऽज | नी
० ३ ×

(९) ग प नी सां | गं –रें सां, पं | गं –रें सां – | सांरें सांसां पध पप |
३ × २

गप गरे सा, ए | रि स ऽ ज | नी
० ३ ×

अंतरे के आलाप

(१) अ ज हूं ऽ | न आ ऽ ये | सां – – – | नी ध सां नी |
० ३ × २

(२) अ ज हूं ऽ | न आ ऽ ये | सां गं – पं | गं –रें सां – |
० ३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) सां – नी ध | सां नी – प | ग प नी ध | सां नी रें सां |
० ३ × २

(४) सांरें सांसां गं –रें | सां – पं गं | –रें सां नीध सां | नी पध पप सां |
० ३ × २

(५) प ग –रे सा | नीध सांनी प ग | प ग –रे सा | साग गप पनी नीसां |
० ३ × २

स्थायी की बोलतानें

(१) प | रि स ऽ ज | नी – – – | सा प ग प | सा ग प
प रि स ज | नी ऽ ऽ
३ × २ ०

(२) प | रि स ऽ ज | नी – – – | नी प ग सा | साग प –
प रि स ज | नीऽ ऽ ऽ
३ × २ ०

(३) प | रि स ऽ ज | नी – – – | गप ग,प सां– | पध पप गप,
पऽ ऽरी ऽ ऽ | सऽ जऽ नीऽ
३ × २ ०

(४) प | रि स ऽ ज सा प ग प | नी सां नी –सां | – नी प
का हूँ ऽ सो | त न वि ऽर | ऽ मा ये
३ × २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) प—रि स ऽ ज पध पप नीसां नी –सां ग प | ग –रे सा
३ काऽ हूँऽ सोऽ त ऽ न वि र | मा ऽऽ ये
× २ ०

(६) सा प ग प | ग सा पध पप | – । प नी | सांरें सांनी प ग |
प रि स ज | नीऽ काऽ हूँऽ | ऽ स्रो त न | विऽ रऽ माऽ |
० ३ × २

प साग प, प | रि स ऽ ज | नी
ये आऽ ऽ | ३ | ×
०

(७) सा ग प ग | –रे सा प नी | धसां नी –ध प | गप पनी धसां –नी |
प रि स ज | ऽऽ नी का हु | सोऽ त ऽऽ न | विऽ रऽ माऽ येऽ |
० ३ × २

पप गरे सा, प | रि स ऽ ज |
विर माऽ ये | ३ |
०

स्थायी की तानें

(१) ज | नी – – – | गरे सासा गग रेसा | पप गरे सासा
× २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ज | नी - - - | पप गरे सासा, नीनी | धप गरे सासा

× २ ०

(३) ज | नी - - - | गप नीसां नीध पप | गप गरे सासा

× २ ०

(४) ज | नी - - - | गप नीसां गंरें सांनी | धप पग रेसा

× २ ०

(५) ए | री स ऽ ज | गप नीसां गंरें सांनी | रेंसां, नीध पध पप |

३ × २

| गप गरे सासा

०

(६) ए | री स ऽ ज | नीसां नीध पप गप | गरे सासा, गंरें सांनी |

३ × २

| धप पग रेसा

०

(७) ए | री स ऽ ज | सारे सासा, पध पप | नीनी धसां नीध पप |

३ × २

| गप गरे सा

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) ज | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | सासा गग पप गप |
× २ ० ३

| गरे सासा, गग पप | नीनी नीसां नीध पप | गप गरे सासा
× २ ०

(९) ज | नी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | गप नीसां गंरें सांनी |
× २ ० ३

| धप, गप नीसां नीध | पप गर गरे सासा | गप नीध सां
× २ ०

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बहार

'बहार' एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय राग है। यह काफी ठाट से उत्पन्न होता है। इस राग में 'ग' कोमल और निषाद दोनों यानी शुद्ध और कोमल लगते हैं। आरोह में 'रे' व 'प' वर्ज और अवरोह में 'ध' वर्ज है। गंधार अवरोह में वक्र यानी 'म गम रेसा' इस तरह लिया जाता है। वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज् है। यह राग रात्री के दूसरे प्रहर में गाया जाता है किन्तु बसंत ऋतु में किसी भी समय गाया जा सकता है। इस राग के गीतों में अधिकतर बसंत ऋतु का ही वर्णन रहता है।

आरोह अवरोह स्वरूप

नी

नी सा, गम, पगम, ध, नीसां | सां, नीप, मप, गम, रे, सा.

पकड़

साम, पगम, नीध नीसां.

आलाप

(१) सा, नीसा, नीध नीसा, म. पगम, रेसा।

(२) सा, म, पगम, नीध, नीप, मपगम, रे, सा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) ग, गम, रे, सा, मपगम, रे, सा, नीप, मपगम, रेसा ।

(४) साम, पगम, नीधनीसां, नीप, मपगम, रेसा ।

(५) साम, पगम, गमधनीसां, रें, सां नीसां नीप, मपगम, रेसा ।

(६) गम, रेसा, पगमरेसा, नीपमपगमरेसा, धनीसां, नीपमप, गमरेसा ।

(७) धनीसां, नीप, मप, गमरे, सा, म, पगम, नीधनीसां ।

(८) गमधनीसां, रें, सां, गंमं, रें, सां, रेंनीसां नी, प, मप, गम, रेसा ।

(९) साममपगम, रेसा, गममध, धनीनीसां, रेंसांनीसां, गंमंपं, गंमंरेंसां, नीप, मपगमरेसा ।

नं० १ राग वहार तीनताल—मध्यलय

अंबुवा बोली रे डार डार, सरसों फूली बन बन वहार ।
प्रेम पिया सों गरवा ले आई एक से एक नवेलि नार ॥

स्थायी

								म	
ध	नी	सां	—	नी	प	मप	नीप	ग	म
अं	बु	वा	ऽ	बो	ऽ	लिऽ	ऽऽ	रे	ऽ
		०				३			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

						म		प							
नी	ध	नी	सां	नी	सां	ग	म	नी	ध	नी	सां	सां	–	नी	सां
डा	ऽ	र	डा	ऽ	र	स	र	सों	ऽ	फू	ऽ	ली	ऽ	ब	न
×				३				०				३			

सां				सां	
रें	रें	सां	सां	नी	सां
व	न	व	हा	ऽ	र
×				३	

अंतरा

म	नी	ध	नी	सां	–	सां	–
प्रे	ऽ	म	पि	या	ऽ	सो	ऽ
०				३			

												मं			
नी	सां	रें	सां	नीसां	रेंसां	नी	ध	ध	नी	सां	रें	गं	मं	रें	सां
ग	र	वा	ले	आऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ए	ऽ	क	से	ए	ऽ	क	न
×				२				०				३			

नी	ध	नी	सां	नी	सां
वे	ऽ	लि	ना	ऽ	र
×				२	

नं० २ राग बहार तीनताल—मध्यलय

तुतो वाहुदेस वा जा जहाँ मोरा कंथू लिनो लुभा ।
चलो सखी मिल होरी खेलो गारी दूँगी ना डरोगी
डफ बजा ॥

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी

म म

नी | नी प - प | म - - म | पप मग म - |

तु | तो वा ऽ हु | दे ऽ ऽ स | वाऽ ऽऽ ऽ - |

३ × २

नी - ध ध | नी सां - नी | रेंनी सां नी - | ध - - नी |

जा ऽ ऽ ज | हाँ मो ऽ रा | कंऽ ऽ थू - | ऽ ऽ - लि |

० ३ × २

रें रें

सां - - नी | रें - - सां | गंगं रेंसां रेंसां | ध - नी - |

नो ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ लु | भा ऽ ऽ ऽ |

० ३ × २

धनी सांरें नीसां

ऽऽ ऽऽ ऽऽ

०

अंतरा

म नी ध नी सां - सां सां | नी - सां नी | रेंनी सां नी ध |

च लो ऽ स | खी ऽ मि ल | हो ऽ रि ऽ | खे ऽ ऽ लो ऽ |

× २ ० ३

मं

नी सां गं मं | रें - सां - | - नी सां नी | रेंनी सां नी ध |

गा ऽ री ऽ | दूँ ऽ गी ऽ | ऽ ना ऽ ड | हूँऽ ऽ गी ऽ |

× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	सां		
- सां रें सां	ध - नी -	धनी सांरें नीसां	
ऽ ड फ व	जा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ	
×	२	०	

नं० ३ राग वहार तीनताल–मध्यलय

तनों तनन दिरदिर तों तदरे दानी तारदानी ।
तन तदानी तारे दानी । ना दिर दिर तूं दिर दिर ॥
दिर, दिर दिर तन देरेना, तन तदारे तदियन रे ।

स्थायी

रे सा - रे	नी सा ग म	नी ध नी प	म प ग म
ता नों ऽ त	न न दिर दिर	तों ऽ ऽ त	द रे दा नी
०	३	×	२
म नी ध नी	सां सां नीनी पम	ग म - प	ग म रे सा
ता ऽ र् दा	ऽ नि तऽ नऽ	त दा ऽ नी	ता रे दा नी
०	३	×	२

अंतरा

म नी ध नीं	सां नी सां सां	रें गं रें सां	नी सां नी ध
ना दिर दिर तूं	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर त न	दे रे ना ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ग॒ं मं रें रें	सां नी सां रें	नी सां ध नी॒	म प ग॒ म
त न दे रे	ना त न त	दा रे त दि	य न रे ऽ
०	३	×	२

नं० ४ **राग बहार** तीनताल—मध्यलय

वालमुवा माइरी वरन वरन की कलियाँ खिलियाँ
लेहे रानी वन वेलरियाँ सखि अजहूँ नहि आये।
हौं विरहन वोरानी जो जो लेहेरानी हरियाँ डरियाँ
ऋतु वसंत में अजिजउ दिन पिया सोतन के घर भूल रहे॥

प	म म	प	ध
सां – नी॒ प	ग॒ ग॒ म प	सां – – –	नी॒ ध नी सां
वा ऽ ल मु	वा ऽ मा ई	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

		म म म	
सां रें सां रें	नी सां नी॒ प	ग॒ ग॒ ग॒ म	रे रे सा –
व र न व	र न की ऽ	क लि याँ ऽ	खि लि याँ ऽ
०	३	×	२

सा सा म –	म – म म	म – नी॒ प	ग॒ – म –
ले हे रा ऽ	नी ऽ व न	वे ऽ ल रि	या ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

म नी		सां	
ग॒ म ध नी	सां – सां सां	नी सां नीसां रेंसां	नी॒ ध धनी सां
स खि अ ज	हूँ ऽ न हि	आ ऽ ऽऽ ऽऽ	ये ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

म नी		सां	
ग म ध नी	सां नी सां -	नी - सां -	सां - सां -
हौं ऽ वि र	ह न वो ऽ	रा ऽ नीं ऽ	जो ऽ जो ऽ
०	३	×	२

सां			
न नी सां -	सां - सां सां	नीसां रें रें सां	नी ध नी प
ले हे रा ऽ	नी ऽ ह रि	याऽ ऽ ड रि	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

	म		
म मं म प	- प ग म	म नी ध नी	सां नी सां सां
ऋ तु व सं	ऽ त में ऽ	अ जि ज उ	दि न पि या
०	३	×	२

सां सा			
नी सां मं मं	रें - सां सां	ध नी सां रें	नी सां धनी सां
सो ऽ त न	के ऽ घ र	भू ऽ ल र	हे ऽ ऽऽ ऽ
०	३	×	२

राग वहार

"बालमुवा माइ री" इस गीत पर आलाप तान

स्थायी के आलाप

(१) बा ऽ म मु	वा ऽ मा इ	सा - - -	नी ध नी सा
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ,, ,, | ,, ,, | सा म – प | ग म रे सा |

० ३ × २

(३) सा म – – | प – ग म | नी प म प | ग म रे सा |

० ३ × २

(४) वा ऽ मा ई | री ऽ ऽ ऽ | ग ग म रे | – सा प ग |

३ × २ ०

म रे – सा | नी प म प | ग म रे सा | वा ऽ ल मु |

३ × २ ०

(५) वा ऽ मा ई | री ऽ ऽ ऽ | ग म ध नी | सां – – – |

३ × २ ०

रें – सां – | नी ध नी प | म प ग म | वा ऽ ल मु |

३ × २ ०

(६) वा ऽ मा ई | गम धनी सां – | रें – सां – | नी सां गं मं |

३ × २ ०

रें सां धनी सां | – नीप मप ग | म रे सा – | वा ऽ ल मु |

३ × २ ०

(७) वा ऽ मा ई | ग ग म रे | – सा नीप मप | ग ग म रे |

३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

– सा रनी सां । धनी सां नीप मप | ग म धनी सां | बा ऽ ल मु |
३ × २ ०

(८) वा ऽ मा ई | साम मप ग म | धनी सां – – । नीसां रें सांरें गं |
३ × २ ०

रेंसां नी ध, सांमं । गंमं रें सां नीनी । पम प मग म | वा ऽ ल मु |
३ × २ ०

(९) वा ऽ मा ई | सांनी नी प – | मप ग म रेंसां | सांनी नी प – |
३ × २ ०

गंमं रेंसां रें सांनी | सां नीप म पग । म रेसा रे सा । बा ऽ ल मु |
३ × २ ०

अंतरे के आलाप

(१) हौं ऽ बि र | ह न वो ऽ | सां – – – | नी ध नी सां |
० ३ × २

(२) हौं ऽ वि र | ह न वो ऽ | सां – – – | रें – सां – |
० ३ × २

नी सां गं मं । – रें सां – । रें सां नो सां । ध –नी धनी सां |
० ३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) हो ऽ बि र | ह न बो ऽ | नीनी पम प ग | – म रे – |
० ३ × २

सा, नी सा म | – प ग म | नी –ध नी सां | गंमं रें – सां |
० ३ × २

स्थायी की बोलतानें

(१) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | सा म म प | ग म गम रेसा |
० ३
बा ऽ ल मु | वा ऽ माऽ ईऽ
× २

(२) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | नी प मप ग | म मनी ध नीसां |
० ३
वा ल मुऽ वा | ऽ माऽ ऽ ईऽ
× २

(३) वा ऽ ल मु | वा ऽ मा इ | सां नीध नीप मप | गम प,ग मरे सा |
० ३
वा लऽ मुऽ वाऽ | माऽ ऽऽ ऽइ री
× २

(४) गम नी ध नी | सां – नीसां रेंध | धनी सांनी प – |
वा ल ऽ मु | वा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | मा ऽ ऽ ऽ इ ऽ |
० ३ ×

| मप –म ग म |
| ऽ ऽ ऽ ऽ री ऽ |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

PRESENTED

(५)

सारे सासा म म	मप –म गम म	गम धनी सां –	
वाऽ ऽ ऽ ऽ ल	मऽ ऽ ऽ ऽऽ वा	माऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	
०	३	×	
		नी –ध नी सां	
		ई ऽऽ री ऽ	
		२	

(६)

नीनी पम प मग	म रेसा रे सा	नी –ध नी सा	
वा ऽ ऽ ऽ ऽ लऽ	ऽ मुऽ ऽ वा	मा ऽ ऽ इ री	
०	३	×	
सा म – म	म प – प	ग म म नी	
व र ऽ न	व र ऽ न	की ऽ क लि	
२	०	३	
	ध नी सां सां	धनी ध,नी सांनी सां	
	ग्राँ खि लि याँ	ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	
	×	२	

(७)

मम रेसा मम पप	मग मम रेसा नीनी	पम पम गम म	
वाऽ ऽ ऽ लऽ मुऽ	वाऽ ऽ ऽ ऽ ऽ माऽ	ऽ ऽ ऽऽ इऽ री	
०	३	×	
मनी –ध नीसां सां	धनी सांमं गंमं रेंसां		
वऽ ऽऽ र ऽ न	व ऽ ऽ ऽ रऽ नऽ		
२	०		

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| धनी सांरें नीसां नीध | नीप मप मग मरे |
| कीऽ ऽऽ कऽ लीऽ | ऽऽ याँऽ खिऽ लिऽ |
३ ×

| सा गम धनी सां |
| याँ ऽऽ ऽऽ ऽ |
२

स्थायी की तानें

(१) मु | वा ऽ मा इ | नीसा रेसा नीसा गम | रेसा पप गम रेसा |
३ × २

(२) मु | वा ऽ मा इ | नीसा गम पप गम | नीनी पम गम रेसा |
३ × २

(३) मु | वा ऽ मा ई | नीसा गम धनी सांसां | नीप म (गम रेसा |
३ × २

(४) मु | वा ऽ मा ई | गम धनी सांरें सांसां | नीप मप गम रेसा |
३ × २

(५) मु | वा ऽ मा ई | धनी सांमं गंमं रेंसां | नीनी पम गम रेसा |
३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) वा ऽ ल मु | नीसा गम पम गम | नीनी पम धनी सांसां |
० ३ ×
| नीप मप गम रेसा |
२

(७) वा ऽ ल मु | नीसा गम पम गम | धनी सांनी धनी सांरें |
० ३ ×
| नीसां नीप मप गम |
२

(८) वा ऽ ल मु | गम धनी सांनी धनी | सांमं गंमं रेंसां नीसां |
० ३ ×
| नीप पम गम रेसा |
२

(९) वा ऽ ल मु | गम रेसा मप गम | रेसा नीनी पम गम |
० ३ ×
| रेसा गम धनी सां |
२

(१०) वा ऽ ल मु | नीसां नीप मप गम | रेसा गंमं रेंसां नीसां |
० ३ ×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| नीप मप गम रेसा |
२

(११) सासा रेरे सासा गम | रेसा पप मग मम |
० ३

| रेसा नीनी पम पप | म ग मम रेसा नीसा |
× २

(१२) गम गम रेसा मप | मग गम गम रेसा |
० ३

| नीसां नीसां नीप मप | मप गम गम रेसा |
× २

(१३) मग पम नीप मप | गम रेसा मग पम |
० ३

| नीध सानी रेंसां नीसां | नीप मप गम रेसा |
× २

(१४) साम मग मनी नीध | नीसां सांनी सांरें रेंसां |
० ३

| नीसां धनी नीप मप | पम गम मरे सासा |
× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग-तिलङ्ग

यह राग खमाज ठाट से उत्पन्न हुआ है। इसमें ऋषभ और धैवत स्वर वर्ज्य है, पर आजकल अवरोह में ऋषभ स्वर लेने की ओर अधिक झुकाव होता चला रहा है, विशेष कर तार सप्तक में यह किया जाता है। 'नी' दोनों लगते हैं, आरोह में शुद्ध और अवरोह में कोमल। इस राग में बड़ा ख्याल गाने की प्रथा नहीं हैं। इसका वादी गंधार है और संवादी निषाद है। गाने का समय रात का दूसरा पहर है।

आरोह-ऩी सा, ग म प नी सां।

अवरोह- सां नी प, मग, सा।

पकड़

गमपनी, सां नी प, गमग, सा.

आलाप.

(१) ऩी, सा, ऩी प़ ऩी सा ग सा.

(२) ऩी सा, ग म ग, गमप, गमग, सा.

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) नी़ सा, गमप, नीप, गमप, प, गमग, सा.

(४) गमप, नीप, नीसां, नीप, गमप, गमग, सा.

(५) गमपनी, सां, गं, सां, नीप मप नीसां, पनीप, गमग, सा.

(६) नी़सागम, पनीसां, गंसां, गंमंगं, सां, नीप, गमग, सा.

(७) सागमप, सामग, मप, नीप, सानी नीप, गमपनीसां गंसां, नीप, गमग, सा.

गीत नं० १ राग तिलंग तीनताल (मध्यलय)

कान मुरलिवाले नंदकेलाल, वासरि वजाइ मन हरलीनो जात।
टेर सुनादे मोहनिमूरत, कदर पियाके अरजले मन॥

	प		प
सां - नी रेंसां	नी प ग म	ग - ग म	प ग म ग
का ऽ न मुऽ	र लि वा ऽ	ले ऽ नं द	के ला ऽ ल
०	३	×	२

		रें	
सा सा ग म	प प नी सां	गं सां सां नी	सां नी म प
वा स री व	जा इ म न	ह र ली ऽ	नो जा ऽ त
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

ग म प नी	सां – सां –	नी/प नी सां रें	नी सां नीप
टे ऽ र सु	ना ऽ दे ऽ	मो ऽ ह नी	मु ऽ र त
०	३	×	२

प/सां गं गं मं	गं – सां –	प नी सां (सां)	– नी म प
क द र पि	या ऽ के ऽ	अ र ज ले	ऽ मा ऽ न
०	३	×	२

गीत नं० २ राग तिलंग तीनताल (मध्यलय)

लेचल गोकुल गाम शाम कन्हैया ॥

विंद्रावनकी कुंजगलिनमो कित छुप हैं शाम कन्‍ैया रे।

ग म प सां	नीप – नी ग म	ग – – –	गम पम ग सा
ले ऽ च ल	गोऽ ऽऽ कु ल	गा ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ म
०	३	×	२

ग म प नी	सां – सां रें	नी सां प नी	पम प म ग
शा ऽ म क	न्है ऽ या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ रे ऽ
०	३	×	२

अंतरा

ग म प नी	सां सां सां –	प नी सां रें	सांनी सां नी प
विं ऽ द्रा ऽ	व न की ऽ	कुं ऽ ज ज	लिऽ न मो ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा	म	ग	म	प	–	प	नी	सां	रें	सांनी	सां	प	नी	पम	गम
कि	त	छु	प	है	ऽ	शा	ऽ	म	क	न्हैऽ	ऽ	या	ऽ	रेऽ	ऽऽ
०				३				×				२			

गीत नं० ३ राग तिलंग ताल एकताल (मध्यलय)

चलत चाल गोपि ग्वाल गज गामिनी डुलत डुलत।
वृंदावन में सुहात गोकुल मथुरा को भात।
ऐसी वह ब्रिजवासिनी जमुना जल भरन जात।

						नी					
प	सां	नी	सां	–	सां	प	नी	म	प	ग	म
च	ल	त	चा	ऽ	ल	गो	ऽ	पि	ग्वा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

ग	सा	गम	प	ग	म	प	नी	सां	नी	प	म
ग	ज	गाऽ	ऽ	मि	नि	डु	ल	त	डु	ल	त
×		०		२		०		३		४	

अंतरा

ग	–	म	–	पनी	प	नी	सां	नी	सां	–	सां
वृं	ऽ	दा	ऽ	वऽ	न	मे	ऽ	सु	हा	ऽ	त।
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प नी	सां सां	गं मं	गं सां	रेंसां नी	प प
गो ऽ	कु ल	म थु	रा ऽ	कोऽ भा	ऽ त
×	०	२	०	३	४

नी प	नीसां रें	रें रें	सां नी	सांरें सांनी	प प
ऐ ऽ	सीऽ ऽ	व ह	व्रि ज	वाऽ ऽऽ	सि नि
×	०	२	०	३	४

ग म	प नी	सां सां	पनी सांनी	प म	ग म
ज मु	ना ऽ	ज ल	भऽ रऽ	न जा	ऽ त
×	०	२	०	३	४

राग तिलंग

"ले चल गोकुल गाम" गीत के तान आलाप

स्थायी के आलाप

(१) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | सा – – – | नी प नी सा |
० ३ × २

(२) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नी सा ग – | – सा – – |
० ३ × २

(३) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नी सा गम प | ग म ग सा |
० ३ × २

(४) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | नी सा ग म | प नी – – |
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| प – म ग | म ग – सा |
×   ३

(५) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | नी सा ग म | प नी सां – |
×   २   ०   ३

| गं – सां – | नी पम ग म |
×   २

(६) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | गम पनी सां गं | – सां नी प |
×   २   ०   ३

| – म ग सा | गम पम ग सा |
×   ०

(७) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | ग म ग सा | नीप मप ग म |
×   २   ०   ३

ग – गं सां | नीप म गम ग |
×   २

(८) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ म | गम पनी पम गम | पनी सां – गंमं |
×   २   ०   ३

पंमं गं सां नीप | म प गम ग |
×   २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरे के आलाप

(१) विं द रा ऽ | व न की ऽ | सां – – – | नीप मप ग म |
ॱ ३ × २

(२) विं द रा ऽ | व न की ऽ | सां गं – सां | पनी पम ग म |
ॱ ३ × २

(३) कूं ऽ ज ग | लि ऽ न मो | गम पनी सां – | गं मं गं सां |
× २ ३

| नीसां –नी प – | म प गम ग |
× २

(४) कूं ऽ ज ग | लि ऽ न मो | गम पनी मप नी | – सां – नीसां |
× २ ॱ ३

| गं – सां – | नीप मप नी सां |
× २

स्थाई की बोलताने

(१) ले ऽ च ल | ग म प म | ग म प नी | पनी सांरें नीसां नीप |
ॱ

| ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | गाऽ ऽऽ ऽऽ मऽ
३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ले ऽ च ल | गम पग प म | ग सा नी सा | गम पनी मप गम |
०

| लेऽ ऽच ऽ ल | गो ऽ कु ल | गाऽ ऽऽ ऽऽ मऽ |
३ × २

(३) ले ऽ च ल | गम पनी पम गम | पनी सां पनी सांरें |
०

| लेऽ ऽऽ चऽ लऽ | ऽऽ ऽ गोऽ ऽऽ |
३ ×

| नीसां पनी सांनी प |

| कुल गाऽ ऽऽ म |
२

(४) गा ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ म | गसा नीसा गम पनी |
× २

| ले ऽ च ल गोऽ कुल |
०

| पसां नीप गम | गम पनी सां रेंनी | सांनी पम गम गसा |
| गाऽ ऽऽ मऽ | शाऽ ऽऽ म कऽ | न्हैऽ ऽऽ याऽ ऽऽ |
३ × २

(५) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम गम पनी |
० ३

| लेऽ चल गोऽ कुल |
×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

पनी सांरें नीसां नीप | गम पसां नीप गम | गम पसां नीप गम |
गाऽ मक न्हैंऽ याऽ | लेऽ चल गोऽ कुल | लेऽ चल गोऽ कुल |
२ ० ३

(९) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीनी नीनी पनी सांरें |
० ३
| लेऽ चल गोऽ कुल |
×

नीसां नीप मप मग | गम पसां गम पसां | गम पसां नीप गम |
गा ऽ मक न्हैंऽ याऽ | लेऽ चल लेऽ चल | लेऽ चल गोऽ कुल |
२ ० ३

स्थायी की तानें

(१) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पम गसा |
० ३ ×
| पनी पम गम गसा |
२

(२) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांनी |
० ३ ×
| पनी पम गम गसा |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांरें |
ο ३ ×

| सांनी पम गम गसा |
२

(४) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | नीसा गम पनी सांगं |
ο ३ ×

| मंगं सांनी पम गम |
२

(५) ले ऽ च ल | गो ऽ कु ल | गम पम मप नीप |
ο ३ ×

| पनी नांसी पम गम |
२

(६) ले ऽ च ल | गम गसा पप मग | सासा नीनी पम गम |
ο ३ ×

| गसा गम पनी सां |
२

(७) ले ऽ च ल | नीसा गम पम गम | पनी सांनी पनी सांरें |
ο ३ ×

| सांनी पम गम गसा |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) नीसा गसा नीप नीसा | गम पनी पनी मप | मप गम गसा गम |
० ३ ×

| पनी सांनी पम गम |
२

(९) गन पनी पनी सांगं | सांगं मंपं गंमं गंसां | मंगं सांनी पम सांनी |
० ३ ×

| पम गम पम गसा |
२

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग पीलू

पीलू राग काफी ठाट का एक संमिश्र राग माना जाता है, जो एक धुन की तरह होने से हलका माना जाता है। इस राग में विशेषतर ठुमरी, दादरे, टप्पे, जैसे गीत पाये जाते हैं। इस राग में सप्तक के बारह स्वरों का प्रयोग बड़ी खूबसुरती से किया जाता है। मगर आम तौरपर इस राग में जो स्वर आते हैं, वे यों हैं। दोनों गांधार दोनों ऋषभ, कोमल धैवत, निषाद व मध्यम शुद्ध, और पंचम। इसमें आरोह में शुद्ध स्वर लिये जाते हैं, और अवरोह में कोमल लिये जाते हैं। वादी गांधार व संवादी निषाद है।

यह राग दो प्रकार से गाया जाता है। (१) और रागों की तरह मध्य षड्ज को 'सा' मानकर (२) मध्यम को 'सा' मानकर। इनमें दूसरे प्रकार के गीत ज्यादातर पाये जाते हैं। इस पुस्तक के सभी गीत दूसरे प्रकार के ही हैं।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, नीधप, धम, पधनी सा; नीसागरेसा, नीसागमप, गमधप, गरेसा।

पकड़

नीसागमप, गमधप, गरेसानी, धपधनी, सा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आलाप

(१) नीसाग, रेसा, नीधप, मपधनी, सा।

(२) नीसाग, मगरेसा, नीसानीधपधनी, सा।

(३) पधनीसा गरेसा, साग, मग, पमग रेसा, धपधनी, सा।

(४) नीसाग, मग, मपधप, ग, रेसानी, सागरेगसारेनीसा, धपधनी, सा।

(५) नीसागमप, गमप, गमपनीधप, मपधप, मधप, गरेसानी, सागरेग, सानीधपधनी, सा।

गीत नं० १ — राग पीलू — ताल–केहरवा

मनकी मनमें रही ना आये घनश्याम।
देखोरी मोरा बालासा जोवना, बीत गये सारी रैन ॥

स्थायी

गम	धप	-ग	गसा	-नी	सा	-	-	गम	धप	-ग	गसा	-नी
मन	कीऽ	ऽम	नमे	ऽर	ही	ऽ	ऽ	मन	कीऽ	ऽम	नमे	ऽर
	×		०		×		०		×		०	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा -प	-प पध	ग प	मग, गम	धप -ग	गसा -नी
ही ऽना	ऽये धन	शा ऽ	मऽ, मन	कीऽ ऽम	नमे ऽर
×	०	×	०	×	०

सा - -
ही ऽ ऽ
×

अंतरा

ऽसा गम	प प	गम धप	ग नीसा	प पप	-प पध
ऽदे खोरि	मो रा	बाऽ लासा	जो वना	रै नबी	ऽत गई
×	०	×	०	×	०

ग प	मग गम	धप -ग	गसा -नी	सा -	-
सा ऽ	रीऽ मन	कीऽ ऽम	नमें ऽर	ही ऽ	ऽ
×	०	×	०	×	०

गीत नं० २ राग पीलू ताल—तीनताल

पपीहा रे पीकी बोलि न बोल। सुन पावे कोई बिरहाकि माती, देगी पंख मरोर॥

स्थायी

				रे
				प
ग - रे ग	सा - ग म	ग - सा नी	सा - सा रे	
पी ऽ हा ऽ	रे ऽ पी की	बो ऽ लि न	बो ऽ ल प	
२	०	३	×	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ग सा – रे	नी सा ग म	ग – सा नी	सा – सा सा
पी हा ऽ ऽ	रे ऽ पी की	बो ऽ लि न	बो ऽ ल प
२	०	३	×

ग गम धप ग	–रे सारे ग म	ग – सा नी	सा – सा
पी हाऽ ऽऽ रे	ऽऽ ऽऽ पी की	बो ऽ लि न	बो ऽ ल
२	०	३	×

अंतरा

सा सा ग म	प – ध प	ग म ध प
सु न पा ऽ	वे ऽ को ई	वि र हा कि
०	३	×

ग –रे नी सा	प – प –	पध नी ध प	ग प म ग
मा ऽऽ ती ऽ	दे ऽ गी ऽ	पंऽ ऽ ख म	रो ऽ र प
२	०	३	×

ग – रे ग	सा – ग म	ग – सा नी	सा – सा
पी ऽ हा ऽ	रे ऽ पी की	बो ऽ लि न	बो ऽ ल
२	०	३	×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत ३, राग पिलू ताल तीनताल (मध्यलय)

भजन

रघुविर तुमको मेरि लाज ।
सदा सदा मैं शरण तिहारो तुम बड़े गरीब निवाज ॥
पतित उधारन विरद तिहारो श्रवण न सुनी आवाज ॥
हौं तो पतित पुरातन कहिये, पार उतारो जहाज ॥
अघ खंडन दुःख भंजन जनके, यही तिहारो काज ॥
तुलसीदास पर किरपा करिये, भक्ति दान देहु आज ॥

स्थायी

		सा													
नी़	सा	ग॒	रे	प	प	–	ग॒	–रे	सा	–	नी़	सा	–	–	सा
र	घु	वि	र	तु	म	ऽ	को	ऽऽ	मे	ऽ	रि	ला	ऽ	ऽ	ज
२				०				३				×			
–	ध़॒	प़	ध़॒	नी़	–	सा	–	सा	ग॒	रे	ग॒	सा	रे	नी़	सा
ऽ	स	दा	स	दा	ऽ	मै	ऽ	श	र	ण	ति	हा	ऽ	रो	ऽ
२				०				३				×			
–	–	ग	ग	ग	ग	–	सा	ग	म	ध॒	प	ग॒	रे	ग॒	रे
ऽ	ऽ	तु	म	ब	ड़े	ऽ	ग	री	ऽ	ब	नि	वा	ऽ	ऽ	ज
२				०				३				×			
सा	रे	नी़	सा	प	प	–	ग॒	–रे	सा	–	नी़	सा	–	–	सा
र	घु	वी	र	तु	म	ऽ	को	ऽऽ	मे	ऽ	रि	ला	ऽ	ऽ	ज
२				०				३				×			

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

	नी़ सा ग म	प – प प	ग म ध प
	प ति त उ	धा ऽ र न	श र ण ति
	०	३	×
ग –रे नी़ सा	ग ग ग ग	ग ग – ग	म – – म
हा ऽऽ रो ऽ	श्र व ण न	सु नी ऽ आ	वा ऽ ऽ ज
२	०	३	×
रे ग सा रे	ध प – ग	–रे सा – नी़	सा – – सा
र घु वि र	तु म ऽ को	ऽऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

———

गीत ४ — राग पिलू — तीनताल (मध्यलय)

कदर प्यारे लागे तुम्से नैन ।
जबसे गये मोरि सुधबुन लीनी ।
बिन देखे नहि चैन ।

			ग
			क
ग ग ग –	(रे) नी़ सा – ग	रे नी़ सा नी़	सा – सा ग
द र प्या ऽ	रे ऽ ऽ ला	गे तु ऽ म्से	नै ऽ न क
२	०	३	×

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे रे
म म ग गरे | नी़ सा – ग | रे नी़ सा नी़ | सा – सा प |
द र प्या ऽऽ | रे ऽ ऽ ला | गे तु ऽ म्से: | नै ऽ न क |
२ ० ३ ×

ध म रे रे
म प ग – | नी़ सा – ग | रे नी़ सा नी़ | सा – सा प. |
द र प्या ऽ | रे ऽ ऽ ला | गे तु ऽ म्से | नै ऽ न क |
२ ० ३ ×

ध़ नी़ – सा | ग नी़ सा ग | रे नी़ सा नी़ | सा – नी़ सा |
द र ऽ प्या | ऽ रे ऽ ला | गे तु ऽ म्से | नै ऽ न क |
२ ० ३ ×

अंतरा

म नी
ऽ नी़सा ग म | प - ध प ग म ध प | ग – नी़ सा |
ऽ ज ब से ऽ | ये ऽ मो रि सु ध हु न | ली ऽ नी ऽ |
० ३ × २

म म
ऽ नी़सा ग –म गमपध नी ध प | – गम ध प | – ग नी़ सा
ऽ ज ब से ऽग | येऽऽऽ ऽ मो री | ऽ सुध हु न | ऽ ली नी ऽ
० ३ × २

प प प – सांसां नीध पध गम | म – ग ग | ग ग – गरे |
वि न्ह दे ऽ खे ऽ ऽऽ ऽऽ नहि | चै ऽ न क | द र ऽ प्या |
० ३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

PRESENTED

राग पीलू

"रघुविर तुमको" गीत के तान आलाप

स्थायी के आलाप

(१) सा – – नी | – ध – प | ध नी – सा | –, मे ऽ रि | ला – – ज |
× २ ३ ×

(२) नी सा ग – | – – रे ग | सा – – नी | सा, मे ऽ रि | ला – – ज |
× २ ० ३ ×

(३) नी सा ग म | म ग – – | रे ग रे सा | नी, मे ऽ रि | ला – – ज |
× २ ० ३ ×

(४) नी सा ग – | म ग – – | प म ग – | रे सा – नी | तू म ऽ को |
० ३ × २ ०

(५) नी सा ग म | प – – – | ग म ध प | ग – रे सा | तू म ऽ को |
० ३ × २ ०

अंतरे के आलाप

(१) सा ग म प | ग – रे सा | प ति त उ | धा ऽ र न |
× २ ० ३

(२) ग म ध प | ग – रे सा नी | प ति त उ | धा ऽ र न |
× २ ० ३

(३) नीसा गम प – | – ध प – | नी ध म प | ग – रे सा | प ति त उ |
० ३ × २ ०

(४) गम पनी – ध | प – म ध | प ग रे नी | सा ग रे सा | प ति त उ |
० ३ × २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी की बोलतानें

(१)

ध

प ध म प	ध नी नी –	– सा – नी	सा ग रे ग
र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

(२)

नी सा ग म	रे ग सा रे	– ग – म	ग रे ग सा
र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

(३)

ग ग ग ग	रे ग सा रे	– गम ध प	ग रे ग सा
र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ मेऽ ऽ रिं	ला ऽ ऽ ज
२	०	३	×

(४)

नी सा ग म	प प प –	ऽ मप ध प	ग प म ग	– ग रे ग	सा रे नी सा	तू म – को
र घु वि र	तु म को ऽ	ऽ मेऽ ऽ रि	ला ऽ ऽ ज	ऽ मे ऽ रि	ला ऽ ऽ ज	
२	०	३	×	×	२	०

स्थायी की तानें

(१)

सानी सारे गरे सानी	धप मप धनी सा	तू म ऽ को
×	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) नीसा गरे सानी धप | पध मप धनी सा | तू म ऽ को |
× २ ०

(३) सानी धप मप नीध | सानी रेसा गरे सानी | तू म ऽ को |
× २ ०

(४) नीसा गम पम गरे | सानी साग रेग सारे | तू म ऽ को |
× २ ०

(५) नीसा गम पध मप | गम धप मग रेसा | तू म ऽ को |
× २ ०

(६) नीसा ग,सा गम गम | प,म पध प,म गम | प,ग मरे ग,सा रेनी |
० ३ ×

सा,ध पध नीनी सा | तू म ऽ को |
२ ०

(७) नीसा गम साग मप | गम पध पध मप मप गम गम रेग |
० ३ ×

ग,सा रेरे नीसा सा | तू म ऽ को |
२ ०

(८) रेग रेसा नीसा पध | पम गरे सानी सा नीनी धप धप मग |
० ३ ×

मग रेसा नीसा गम | तू म ऽ को |
२ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग जौनपुरी

यह राग आसावरी ठाट से उत्पन्न होता है। इसके आरोह में गंधार वर्ज है और अवरोह संपूर्ण है। इसका वादी स्वर धैवत और संवादी गंधार है। इस राग में गंधार, धैवत व निषाद कोमल प्रयोग किये जाते हैं।

जौनपुरी और आसावरी में अधिक समानता होने के कारण संगीत जगत में ये दोनों राग भ्रम डाल देते हैं। इसलिये कई विद्वानों का मत है कि आसावरी कोमल ऋषभ से ही गायी जाय। किन्तु इन दोनों रागों को पृथक करने के लिये, जौनपुरी में सारेमपनीधप और मप ग – रे – म – प, ये दो स्वर वाक्य बार बार प्रयोग में लाना चाहिये। जौनपुरी के आरोह में निषाद स्पष्ट रूप से आता है किन्तु आसावरी के आरोह में निषाद वर्ज है। आसावरी गाते समय सारेमप धधप यह स्वर वाक्य लेने से धैवत अपनी कोमल अवस्था ठीक लेगा। जौनपुरी में सारे मप नीधप करते समय धैवत अपनी कोमल अवस्था थोड़ी चढ़ी रखेगा। इतने ही नियम का पालन करने पर जौनपुरी, शुद्ध ऋषभ की आसावरी से पृथक रहेगी। इस राग का गान समय दिन का द्वितीय प्रहर है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आरोह अवरोह स्वरुप

सा, रेम, प, ध, नी सां | सां, नीधप, मग, रेसा

पकड़

सारेमप, नीधप, मप, ग, रेसा

आलाप.

(१) सारेमप, ग, सा रे, म प, ग, रेसा.

(२) सारेमप, नीधप, मपधप, ग, रे, सा.

(३) सारेमप, नीधप, मपग, रे, मप, ग, रे, सा.

(४) सा, रेनीधप, मपधनीसा, रेमग, रे, सा.

(५) मपधनीसा, धनीसा, रे, सा रेमपनीधप, मपग, रे, सा,

(६) सारेमप, धसां, रें, सां, नीधप, मपनीधप, धमप, ग, रे, सा

(७) सारेमपध, सां, रेंगं, रें, सां, रेंनीधप, मपनीधप, पग, रे,सा

(८) मगरेसा, मपनीधप, ग, रे, सा, रेंनीधप, मपग, रे, सा.

(९) सारेमपध, सां, रेंमंपंगं, रें, सां, सांनीधप, मपधनीसां रेंनीधप, मप, ग, रेसा.

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत नं० १ राग जौनपुरी तराना तीनताल (मध्यलय)

ना दिर दिर दानी तदानी दीं तननन देरेना तन देरेना
तन देरेना दानी उदन दीं तनन नित्रों तों तनन देरेना ॥
ना दिर दिर दिर तुंदिर दिर दिर दिर दिर तन देरेना,
नादिर दिर दिर तुंदिर दिर दिर दिर दिर तन देरेना,
तन देरेना तन देरेना तन देरेना ॥

स्थायी

			म म
प सांसां नीनी सां	नी ध म प	नी – ध प	ग ग सा रे
ना दिर दिर दा	नी त दा नी	दीं ऽ त न	न न दे ऽ
०	३	×	२
म – प –	– – ध म	प नी ध –	प – ध प
रे ऽ ना ऽ	ऽ ऽ त न	दे रे ना ऽ	ऽ ऽ त न
०	३	×	२
म प ग –	सारे – सा –	सा सा सा सारे	म म प प
दे रे ना ऽ	दाऽ ऽ नी ऽ	उ द न नींऽ	ऽ त न न
०	३	×	२
नी नी			
ध ध – सां	– सां सां रें	सांरें गं रें सां	नी ध प म
नि त्रों ऽ तों	ऽ त न न	देऽ ऽ रे ऽ	ना ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

म मम मम मम	प पप धध धध	धध धध सां सां
ना दिर दिर दिर	तुं दिर दिर दिर	दिर दिर त न
०	३	×

सां सां सां –	ध धध धध धध	सां सांसां रेंरें रेंरें
दे रे ना ऽ	ना दिर दिर दिर	तुं दिर दिर दिर
२	०	३

रेंरें गंगं रें सां	नीसां रेंसां ध प	पं – मंगं –
दिर दिर त न	देऽ रेऽ ना ऽ	त ऽ नऽ ऽ
×	२	०

रें – सां –	सां रें मं –	गं – रें –	सां नी नी सां
दे ऽ रे ऽ	ना ऽ त ऽ	न ऽ दे ऽ	रें ऽ ना ऽ
३	×	२	०

रें – सां –	नी – ध –	प – ध म
त ऽ न ऽ	दे ऽ रे ऽ	ना ऽ ऽ ऽ
३	×	२

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत नं० २ | राग जौनपुरी | तीनताल (मध्यलय)

पिया मोरा गइलो बिदेसवा ।
कैसे करूँ सजनी कल नहिं परे पल छिनवा ॥
हमरे पितम को जो कोइ लावे,
मोतियन कि थाल भर भर देऊं,
और पेहेनाऊं करको कंगनवा ॥

स्थायी

		म	सा सा
प म प सां	ध प ध म	पध मप ग —	रे — रे रे
पि या मो रा	ग इ लो वि	देऽ सऽ वा ऽ	ऽ ऽ कै से
०	३	×	२
रे	सा		
प — ग —	रे — सा —	नी सा रे —	नी ध प —
क ऽ रू ऽ	स ऽ ज ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म म म म	प प म प	रें — सां रें	नी ध प म
क ल न हि	प रे प ल	छी ऽ न ऽ	वा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

अंतरा

	नी	सां	
म म म म	प प ध —	नी — सां नी	सां — सां —
ह म रे पि	त म को ऽ	जो ऽ को इ	ला ऽ वे ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी नी नी नी ध

ध ध ध ध	सां सां – रें	सांरें गं रें सां	नीसां रेंसां ध पं
मो ति य न	कि था ऽ ल	भऽ र भ र	दे ऽ ऽ ऽ ऊ ऽ
०	३	×	२

प गं – रेंसां	रें – सां –	सां नी सां प	ध प ध म
औ र ऽ पे ह	ना ऽ ऊ ऽ	क र को कं	ग न वा ऽ
०	३	×	२

गीत नं० ३ **जौनपुरी** तीनताल (मध्यलय)

अब पायल बाजन लागी रे कैसे कर आऊ तुमरे पास।
सास ननंद मोरि जनम कि वैरन सब रंग पिया
हूं तोरी दास ॥

स्थायी

ध म	पध नीसां नी सां	नीध – प ध
अ व	पाऽ ऽऽ य ल	बाऽ ऽ ज न
	०	३

म प धम प	ग – रे –	म ग रे सा	रे म प –
ला ऽ गिऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	कै से क र	आ ऽ ऊ ऽ
×	२	०	३

ध सां सां सांरें	– नी
तु म रे पाऽ	ऽ स
×	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

						नी	नी
प	–	ध	म	प	प	ध	ध
सा	ऽ	स	न	नं	द	मो	री
०				३			

सां	सां							नी	नी						
नी	नी	सां	सां	सां	–	सां	सां	ध	ध	सां	सां	सां	रें	सांरें	गं
ज	न	म	कि	वै	ऽ	र	न	स	व	रं	ग	पि	या	हूँऽ	ऽ
×				२				०				३			

रें	सां	सां	सांरें	–	नी
तो	ऽ	रि	दाऽ	ऽ	स
×				२	

———

गीत ४ राग जौनपुरी ध्रुपद—चौताल

आई ये जु आई ये मोरे मेहल ।
तन मन नौछावर कर हौं जोई रीं रीं तोही सहल ॥

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी

	प
	नी
	आ

		म सा	रे				नी				
ध	प	ग	रे	म	प	-	ध	सां	सां	-	रें
ऽ	ई	ये	जु	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ	मो
३		४		×		०		२		०	

				म	म		सा				
-	नी	ध	प	प	ग	-	रे	ग	सा	-	नी
ऽ	रे	ऽ	ऽ	मे	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ	आ
३		४		×		०		२		०	

अंतरा

			नी								
म	प	-	ध	-	नी	सां	सां	-	नी	सां	सां
त	न	ऽ	म	ऽ	न	घ	न	ऽ	ऽ	ऽ	नौ
×		०		२		०		३		४	

नी				मं							
ध	सां	-	रें	गं	-	रें	सां	रें	सां	ध	प
छा	ऽ	ऽ	व	र	ऽ	क	र	ऽ	हौं	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प	(प) गं	–	रैं	सां	सां	(सां) रैं	नी	सां	ध	–	प
जो	ई	ऽ	रीं	ऽ	रीं	सो	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

(म) प	ग	–	रे	ग	सा	–
स	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ
×		०		२		०

'अब पायल बाजन लागि रे' इस गीत पर, आलाप तान

स्थायी के आलाप.

(१) पा ऽ ऽ ऽ य ल । बा ऽ ज न । ग – – रे । – – सा – । पायल
० ३ × २ ०

(२) पा ऽ ऽ ऽ य ल । बा ऽ जन । सा रे मप । ग – रे सा । पायल
० ३ × २ ०

(३) बा ऽ ज न | सा रे म प | नी ध प – | धम प ग रे | पायल
३ × २ २ ०

(४) अब | रे म प – | धम प ग – | – रे म प | ग रे – सा | पायल
० ३ × २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) अब | म प ध - | सां - - - | रें - नी ध |
० ३ ×

| प - धम प | पा य ल
२ ०

(६) अब | मप धनी सां - | रें - सां - | रें नी ध प |
० ३ ×

| मप ग रे सा | पा य ल
२ ०

(७) अब | सारे मप नी 'ध | मप धनी सां - | गं रें नीध प |
० ३ ×

| धम प रे म | पा य ल
२ ०

(८) अब | मप ध सां - | रें मं गं - | रें - सां - |
० ३ ×

| रेंनी सां नीध प | पा य ल
२ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) अब | मप धनी सां – | रेंमं पंमं गं – | रें – सां – |
° ३ ×

| रें नी ध प | पा य ल
२ °

अंतरे पर आलाप

(१) सा ऽ स न | नं द मो रि सां – – – | नी ध सां – |
° ३ × २

(२) सा ऽ स न | नं द मो रि | सां रें – सां | रें नी ध प |
° ३ × २

(३) सा ऽ स न | मप धनी सां – | रें – सां – | रें गं रें सां |
° ३ × २

(४) सा ऽ स न | मप ध सां – | रेंमं गं रें सां | मप धनी सां – |
° ३ × २

(५) सां रें मं – | गं – रें सां | रें नी ध प | मप ध सां – |
° ३ × २

(६) सांरें –नी ध प | धम प रेम प | मप ध नी सां |
° ३ ×

| रेंनी सां नीध सां |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थाई पर बोलताने

(१) पा ऽ ऽऽ यल | ध - प प | धम प रे म | प -
० | वा ऽ ज न | लाऽ ऽ गी ऽ | रे ऽ
                 ३   ×   २

(२) पा ऽ ऽऽ यल   ध म प प | ग रे मग रेसा | रे म
०   वा ऽ ज न | ला ऽ गीऽ ऽऽ | रे ऽ
                   ३   ×   २

(३) अ व | मप नी ध प | रेम -रे म प धम धप नीध ध | म प
         | पाऽ ऽ य ल | वाऽ ऽऽ ज न लाऽ ऽऽ ऽऽ गी | रे ऽ
           ०   ३   ×   २

(४) अ व मप ध सां सां | सांरें -नी रें सां रें नी ध प | रेम प
         | पाऽ ऽ य ल | वाऽ ऽऽ ज न लाऽ गी ऽ | रेऽ ऽ
           ०   ३   ×   २

(५) अ व | मप नीध -प धम | -प रे म मप | मप धप धनी सां |
         | पाऽ ऽय ऽल वाऽ | ऽऽ ज न लाऽ | ऽगी ऽऽ रेऽ ऽ |
           ०   ३   ×

| सांनी धप
| लागि रेऽ
   २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) अ व | धम सांनी सांध –प | मप गरे मम प |
| अव पाऽ ऽय ऽल | वाऽ जन लागि रे |
० ३

| पगं रेंसां रेंनी नीसां | रेंनी धप
| कैसे कर आऊ तुम | रे पा ऽस
× २

(७) अ व | मप धनी सां नीसां | रेंमं गंरें सांरें नीसां |
| अव पाऽ ऽ यल | वाऽ जऽ नला ऽगि |
० ३

| पगं रेंसां रेंनी नीध | धध मम
| कैसे कर आऊ तुम | रे पा ऽस
× २

(८) अ व | मरे पम धप सांनी | रेंसां मंगं रेंसां नीसां |
| अव पाऽ यल वाऽ | जन लागि रेऽ कैसे |
० ३

गंरें नीध पम मप | धनी सांसां
कर आऽ ऊऽ तुम | रे पा ऽस
× २

स्थायी की तानें

(१) वाऽ ज न | सारे मप नीध पम | गरे सा
३ × २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) वाऽ ज न | मप धनी सांनी धप | मग रेसा
३ × २

(३) वाऽ ज न | सारे मग रेसा नीध | पम गरे
३ × २

(४) वाऽ ज न | मप धनी सांरें सांनी | धप मप
३ × २

(५) वा ज न | धनी सांरें गंरें सांनी | धप मग
३ × २

(६) पा ऽ ऽऽ यल | सारे मप धप मग | रेसा रेम पनी धप |
० ३ ×
| मग रेसा
२

(७) पा ऽ ऽऽ यल | मप धनी सांरें सांनी | धप मप नीध पम |
० ३ ×
| गरे सा
२

(८) अ ब | मप धनी सांरें सांरें | नीसां नीसां नीध पध |
० ३
पध मप मग रेसा | रेम पध
× २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(९) अ ब | सारे मप रेम पध | मप धसां धसां रेंगं |
०   ३

| रेंसां नीसां नीध पम | गरे सा |
×   २

(१०) अब | मग रेसा रेम पनी | धप धप धनी सांरें |
०   ३

| मंगं रेंसां नीध पम | गरे सा |
×   २

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग-मालकंस

यह राग भैरवी ठाठ से उत्पन्न होता है। इस राग में ऋषभ और पंचम ये दोनों स्वर वर्ज्य हैं। अतः यह ओडव जाति का राग है। इसमें गंधार, निषाद और धैवत ये तीन स्वर कोमल और मध्यम शुद्ध प्रयोग किये जाते हैं। इस राग की प्रकृति गंभीर है। वादी 'मध्यम' और संवादी 'षड्ज' है। इस राग का विस्तार तीनों सप्तकों में अच्छी तरह किया जा सकता है। यह बहुत प्रख्यात राग है, जिसका ज्ञान बहुतेरों में पाया जाता है। गाने का समय रात का तीसरा प्रहर है।

आरोह—नीसा, गम, धनी सां.

अवरोह—सां, नीधम, गसा.

पकड़

मधनी, धम, गसा.

आलाप.

(१) सा, धनीसा, नीसा, मग, मग सा.

(२) नीसा, धनीध, सा, गसा, धनीसाम, गसा.

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) सा, मग, मधमग, नीधमग, मगसा.

(४) साम, गमधमग, मधनीधमग, धम, गम, गसा.

(५) सागमध, धमगसा, मधनी, धसां, गंसां, नीधमगसा.

(६) सामगमध, नीसां, गंसां, नीगंसां, धनीसां, नीधमग, मगसा.

(७) नीसा, गम, धनीसां, नीसां, धनीसां, मंगंसां, नीधम, गमगसा.

(८) सागमधनीसां, नीधमग, धम, नीधसां, मंगसां, नीधमग, मगसा.

गीत नं० १ राग मालकंस ताल–तीनताल

कोयलीया बोले अंबुवा डार पर। ऋतु बसंत की देत संदेसवा
नयो कलियन पर गूंजत भवरा। उनके संग करत रंगरलीया
यहि बसंत की देत संदेसवा ॥

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां नी	नी सां	नी	
सां ग सां सां	ध म ध नी	सा – – ध	नी ध म म
को य लि या	बो ले अं बु	वा ऽ ऽ डा	ऽ र प र
०	३	×	२

म म म		म म	
ग ग ग मध	नीसां नी सां –	ग – म ध	म ग सा –
ऋ तु ब संऽ	ऽ ऽ त कीऽ	दे ऽ त सं	दे स वा ऽ
०	३	×	२

अंतरा

म म म म	नी		सां
ग ग ग ग	म म ध नी	सां – सां सां	नी सां सां –
न यो क लि	थ न प र	गूं ऽ ज त	भ व रा ऽ
०	३	×	२

	नी	नी	
नी नी नी –	सां – सां सां	ध म ध नी	ध म म –
उ न के ऽ	सं ऽ ग क	र त रं ग	र ली या ऽ
०	३	×	२

म म म		म म	
ग ग ग मध	नीसां नी सां –	ग – म ध	म ग सा –
य हि व संऽ	ऽऽ त कीऽ	दे ऽ त सं	दे स वा ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गीत नं० २ | राग मालकंस | ताल–तीनताल

मुख मोर मोर मुसकात जात। अत छबिलि नार कर कर सिंगार॥ काहुकि अखियाँ रसिली मन भाई। या विध सुंदरवा उखलाई। चली जात सब सखियाँ साथ॥

म
ग सा
मु ख

म	सा		म म
ग म ग सा	– सा ध नी	सा – म म	– म ग ग
मो ऽ र मो	ऽ र मु स	का ऽ त जा	ऽ त अ त
०	३	×	२

नी सां		सां	
म ध नी सां	– सां सां सां	ध नी ध म	– म
छ वी ली ना	ऽ र क र	क र सिं गा	ऽ र
०	३	×	२

अंतरा

म म म			नी
ग ग ग ग	म म ध नी	सां – सां सां	गंनी सां सां –
का हु कि अ	खि या र सि	ली ऽ म न	भाऽ ऽ ई ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	नी		
नी – नी नी	सां – सां सां	ध म ध नी	ध म म –
या ऽ वि ध	सुं ऽ द र	वा ऽ उ ख	ला ऽ ई ऽ
०	३	×	२

मं मं		नी	
गं गं मं गं	सां सां सां सां	ध नी ध म	– म
च ली ऽ जा	ऽ त स य	स खि या सा	ऽ थ
०	३	×	२

गीत नं० ३ राग मालकंस ताल–झपताल

सा सून्दर वदन के मन्दन दीपन।
मन रंजन काहे जात छिपेरे॥
निकसी के सुन्दरता के लाजत।
इब्राहीम मुख चन्द्र चकेरे॥

			नी नी
नीसा गम	धनी सां,धनी सां	सां स.	ध ध म
सा ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽऽ सूं	द र	व द न
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

म	नी	नी	
नी –	ध सां –	ध म	गम गसा सा
के ऽ	ऽ मं ऽ	द्‌ न	दीऽ पऽ न
×	२	०	३

	मं		
ध नी	सां गं सांगं	मंगं, मं गसां	नीसां–नी ध म
म न	रं ऽ ऽऽ	जऽऽ नऽ	काऽऽऽ हे
×	२	०	३

ध	नी		
नी ध	सां – सां	नीसां–नी धनी–ध	मध–म गम–ग सा
जा ऽ	त ऽ छि	पेऽऽऽ ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ रे
×	२	०	३

अंतरा

म	नी	नी	
ग म	ध नी ध	सां –	नीसां सां सां
नी क	सी ऽ के	सूं ऽ	ऽऽ द र
×	२	०	३

नी			
सां नी	सां ध म	ध नी	ध म –
ता ऽ	के ऽ ऽ	ला ऽ	ज त ऽ
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा								
नी	सां	मंगं	सांग	मं	गं	सां	सां ध	म
इ	आ	ऽऽ	हीऽ	ऽ	म	ऽ	मु ख	ऽ
×		२			०		३	

ध		नी								
नी	ध	सां	–	गं	नीसां–नी	धनी–ध	मध–म	गम–ग	सा
चं	ऽ	द्र	ऽ	च	केऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	रे
×		२			०		३		

नं० ४ **रागमाल कौंस** ध्रुपद–चारताल

आदि शब्द आदि ज्योति, आदि रूप आदि शक्ति
पूरण परमानन्द महासुख कारिणी।
निरविकार निरगुण ज्यों सगुण त्योंहि
गुणातीत जयति जय निरूपमा अनेक रूप धारिणी॥

सा	नी	गसा	नी	नीध	नी
आ	ऽ	दिऽ	श	ऽऽ	ब्द
०		३		४	

सा	म	म	म	–	म	म	ग	म	म	ध	ध
आ	ऽ	दि	ज्यो	ऽ	ति	आ	ऽ	दि	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मग	म	मग	सा	–	सा	सा	सां	–	सां	–	सां
आ	ऽ	दिऽ	श	ऽ	क्ति	पू	ऽ	ऽ	र	ऽ	ण
×		०		२		०		३		४	

नी	ध	नी	ध	–	म	म	ग	म	म	ध	ध
प	र	मा	न	ऽ	न्द	म	हा	ऽ	सू	ऽ	ख
×		०		२		०		३		४	

मग	म	ग	सा	–	–
काऽ	ऽ	रि	णी	ऽ	ऽ
×		०		२	

अंतरा

म	ग	म	ध	–	नी
नि	र	वि	का	ऽ	र
०		३		४	

सां	सां	सां	सां	सां	–	सां	मं	मं	गं	मं	सां
नि	र	गु	ण	ज्यों	ऽ	स	गु	ण	त्यों	ऽ	हि
×		०		२		०		३		४	

नी	ध	नी	ध	म	म	सा	सां	सां	सां	सां	सां
गु	ण	ऽ	ती	ऽ	त	ज	य	ति	ज	य	नि
×		०		२		०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी	ध	नी	ध	म	म	म	ग	म	म	ध	ध
रू	ऽ	प	मा	ऽ	अ	ने	ऽ	क	रू	ऽ	प
×		०		२		०		३		४	

ग	म	ग	सा	–	–
धा	ऽ	रि	णी	ऽ	ऽ
×		०		२	

राग–मालकंस

'सा सुंदर वदन' गीत के आलाप और तानें

स्थायी के आलाप

सारे आलाप सम से शुरू होते हैं। अतः हर एक आलाप के बाद फिर से 'सा सुंदर वदन' इतना गीत का हिस्सा गाया जाये।

(१) सा – | – – – | नी ध | नी सा – |
× २ ० ३

(२) ध नी | सा – – | ग – | साग मग सा |
२

(३) ध नी | सा म – | ग – | म ग सा |
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) म – | – ग – | साग म | गसा नी सा |

× २ ० ३

(५) साग मध | – नी ध | म ग | मध मग सा |

× २ ० ३

(६) गम धनी | सां – – | ध नी | ध म – |

× २ ० ३

ग म | – ग – | सा ग | मग नी सा |

× २ ० ३

(७) साम गम | ध – नी | सां – | – गं सां |

× २ ० ३

सां – | नीध नी –ध | म – | मग मग –सा |

× २ ० ३

(८) मध नीसां | धनी सां – | धनी सां | गंमं गं सां |

× २ ० ३

ध नी | ध म – | ग साग | मग – सा |

× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) साग मध | – नी सां | – धनी | –ध नी सां |
× २ ० ३

सांगं मं | –गं सां नीध | –ध म | मग –ग सा |
× २ ० ३

अंतरे के आलाप

(१) सां – | – ध नी | ध म | नी ध सां |
× २ ० ३

(२) धनी सांगं | – सां – | मध –नी | धनी –ध नीसां |
× २ ० ३

(३) सां – | धनीसांगं मंगं,सां– | मध नीसां | –नी –ध सां |
× २ ० ३

स्थायी की बोलताने

(१) धनी साम | –म –म धग | –ग गसा | नी गग सासा |
साऽ ऽसू | ऽद ऽर बद | ऽन केऽ | मौं ऽद ऽन |
× २ ० ३

(२) मग सा | धध गम गसा | नीध मग | गम –ग सासा |
साऽ ऽ | सूंऽ ऽऽ दर | बद नऽ | केमौं ऽद ऽन |
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३)

सागु मध	-नी धम मध	नीध सांनी	नीध मग सा
साऽ ऽऽ	ऽसूं दर वद	नऽ ऽके	मौंऽ दऽ न
×	२	०	३

(४)

मग धम	नीध सां सांसां	-सां धम	नीध --,मग मग,सा-
साऽ सूंऽ	दऽ र वद	ऽन केऽ	मौंऽ ऽऽदऽ ऽऽनऽ
×	२	०	३

(५)

गसा मंग	गसा सा धनी	-नी -नी	सांनी धम गसा
साऽ सूंऽ	दऽ र वद	ऽन ऽके	मऽ दऽ नऽ
×	२	०	३

(६)

मध नीसां	गसां सांनी,नी- धम	मनीधनी सांसां	गमगध मधमग सा
साऽ ऽऽ	सूंद रऽवऽ दन	केऽऽमं ऽद	नऽऽदि ऽऽपऽ न
×	२	०	३

(७)

धनीसांगं मंगंसांनी	धनीध,नी सांनी,गम ग,धमग	सा नीसागम	धनीसां- नीसागम धनी,सां-
साऽऽऽ ऽऽसूंऽ	दऽऽर ऽऽवऽ ऽदऽऽ	न साऽऽऽ	ऽऽऽऽ साऽऽऽ ऽऽऽऽ
×	२	०	३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) म–नीध सां | – – – | धम नीधसां– | – – सां |
साऽऽऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ | सूंऽ द ऽ ऽऽ | ऽ ऽ र |
× २ ० ३

नीग सां | ध म – | मधनीसां नी,धनीध |
वद न | के ऽ ऽ | आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |
× २ ०

| मधम,ग मगसानी सा |
| ऽ ऽऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ |
३

स्थायी की तानें

(१) साऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ,ऽ सुं | द र | गमधनी सांनीधम गमगसा |
× २ ० ३

(२) ,, | ,, | ,, | धनीसांगं मंगंसांनी धमगसा |
३

(३) साऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ,ऽ ऽ नीसागम | धमगम धनीसांना |
× २ ०

धनीसांनी धनीधम गमगसा |
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) „ | „ „ नीसागम | धनीसांगं मंगंसांनी |
२ ०

धनीसांनी धनीधम गमगसा |
३

(५) „ | „ „ सागमम | गमधध मधनीनी |
२ ०

धनीसांसां धनीधम गमगसा |
३

(६) गमधनी धमगम | गसा,गम धनीसांनी धमगम |
× २

गसा,गम | धनीसांगं | मंगंसांनी धनीधम गमगसा |
० ३

(७) सागमग गमधम | मधनीध धनीसांनी मधनीध |
× २

धनीसांनी गमधम | मधनीध सागमग गमगसा |
० २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) सागमध मधमग | गमधनी धनीधम मधनीसां |
×   2

नीसांनीध धनीसांगं | सांगंसांनी धनीधम गमगस |
०   ३

(९) धनीसाग मधमध | मगसानी सागमध नीधमग |
×   २

सा-नीसां नीसां,धनी | धनी,मध मध,गम गमगसा |
०   ३

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ख्याल गायकी

अ० भा० गांधर्व महा विद्यालय के पाठ्य क्रमानुसार ख्याल गायकी तीसरे वर्ष से शुरू होती है। वैसे देखा जाय तो मुक्त या स्वतंत्र गायकी की शुरुवात प्रथम वर्ष से ही होनी चाहिये। किन्तु जब विद्यार्थियों को थोड़े ही समय में निश्चित किये गये रागों पर अभ्यास करके परीक्षा देना पड़ता है तब उपरोक्त उद्देश्य को सामने रख कर ही शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये प्रथम दो वर्षों में ८-८ रागों में छोटे ख्याल और उनमें बँधे हुये आलाप, बोलतान और तान आदि सिखाना पड़ता है। दूसरे वर्ष तक राग ज्ञान, ताल ज्ञान व गले का चलन इत्यादि का विकास हो जाने पर बड़े ख्याल को सिखाने में आसानी होती है। बड़े ख्याल की गायकी मुक्त या स्वतंत्र होनी चाहिये तथा कल्पनायुक्त होनी चाहिये। किन्तु यह प्रारम्भ में कठिन सा प्रतीत होता है। इस लिए इस पुस्तक में दिये हुये बड़े ख्याल पर उदाहरण स्वरूप कुछ बँधे हुये आलाप, बोलतान, तान दिये जा रहे हैं। किन्तु विद्यार्थी यह न समझ बैठें कि ख्याल गायकी केवल इतनी ही है। पुस्तक में दिये हुये आलाप, बोलतान, तान केवल मार्ग दर्शन की दृष्टि से दिये गये हैं।

बड़ा ख्याल

ख्याल गायकी के अन्तर्गत दो प्रकार के ख्याल होते हैं जिन्हें छोटा ख्याल तथाबड़ा ख्याल कहते हैं। छोटा ख्याल मध्य तथा द्रुत लय में गाया जाता है। इसकी गति सहज समझ में आ सकती है और इसकी ताल, गीत के साथ विद्यार्थी आसानी से दे सकते हैं। सामान्य

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रूप से त्रिताल, झपताल, एकताल इन तालों में छोटे ख्याल गाये जाते हैं। बड़ा ख्याल बहुत धीमे यानी विलंबित लय में गाया जाता है और यह प्रायः तिलवाड़ा, झूमरा, एकताल और आड़ा चौताल तालों में गाया जाता है। बड़े ख्याल की गायकी स्वतंत्र एवं स्वकल्पना युक्त होती है। इसमें राग का स्वरूप उसके नियमानुसार, क्रमशः एक एक स्वर लेकर विलंबित आलाप द्वारा विकसित किया जाता है। आलाप करते समय इस बात का प्रतिबंध नहीं रहता कि अमुक स्वर इतनी ही मात्रा में आना चाहिये, किन्तु निश्चित काल तक आलाप करके चीज का मुखड़ा कुशलता से पकड़ कर सम पर आना चाहिये। आलाप क्रमशः मध्य सप्तक के षड्ज से तार सप्तक तक गाकर अंतरा शुरू करना चाहिये। अंतरे पर आलाप चारी करने के बाद पूरा अंतरा गाकर तत्पश्चात स्थाई का 'बोल अंग' से विकास करना चाहिये। बोल आलाप, उसके बाद लयकारी युक्त बोलतान और अंत में तान और उसके विविध प्रकार द्वारा बड़ा ख्याल गाये जाने की परंपरा है।

सर्व प्रथम पुस्तक में लिखे हुये ख्याल गीत के पूर्ण शब्दों को बिना ताल व सुर के, विद्यार्थियों को याद करवा देना चाहिये। तत्पश्चात शब्द स्वर रचना के साथ सिखाना चाहिये। और सबसे अंत में बन्दिश ताल में बिठा लेनी चाहिये। मेरा अनुभव है कि इस तरह सिखलाये हुये ख्याल विद्यार्थी जल्दी सीखता है और जल्दी भूलता नहीं।

प्रत्येक राग के शुरुवात में कुछ मुक्त आलाप दिये गये हैं। उसमें राग का पूरा स्वरूप और राग का खास वातावरण प्रतीत हो ऐसी दृष्टि से मुक्त आलाप की रचना की गयी है। विद्यार्थियों से वे आलाप अच्छी तरह रटवा लेना चाहिये, और रटे हुये आलाप के अनुरूप स्वबुद्धि से आलाप विद्यार्थियों से करवाने का प्रोत्साहन उनको देना चाहिये। पुस्तक में दिये हुये बोलतान सिखाने के पश्चात उसी उदाहरण पर

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि से अलग बोलतान बनाने का प्रयत्न करवाना चाहिये। वैसे ही पुस्तक में दी हुई तानों के समान दूसरी तानें बनाकर विद्यार्थियों को गवाना चाहिये। इस तरह से बड़ा ख्याल सिखाया जाय तो ख्याल गायकी जल्दी समझ में आयेगी।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग भूप

यह राग कल्याण ठाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में म और नी यह दोनों स्वर वर्जित है। वादी स्वर गांधार और संवानी धैवत है। इसका गान समय रात का पहला प्रहर और इसकी जाति औड़व-औड़व है।

आरोह—सा, रे, ग, प, ध सां।

अवरोह—सां, ध, प, ग, रे, सा।

मुक्त आलाप—सा, ध़प़, ध़सा, सारे, ध़सा, साध़प़, सारेसा। सारेग, रेग, सारेसाग, गरेसा ध़प़, ध़सारेग, सारेगरेसा। सारेग, साध़सा रेग, सारेसाग, ध़साध़रेग, पग, पग, रेसा। सारेग, रेगप, ग, गपध, पग, रेगरेगपध, गधप, ग, रेगरेसा। सारेग, पध, धप गरे, ग, प, ध, सागरे, गप, धगधप, गरेसा। सारेगप, ध, सां, सांधप, पधसां, सांध, पग, रेगपध, पग, रेग, रेसा। सारेगप, धसां, सांरें, सांरेंगं, गंरेंसां, ध गंरेंसां, धसांरें, सांध, पग, गपध, पग रेग, रेसा। सारे गप धसां, सांरेंगं, पंगं, रेंगरेंसां, सांध, पधप सांध, धपग, रेगपध, पग, गरे, रेसा, ध़सा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मुक्त ताने—सारेगप गरेसा, सारे गपधपगरेसा, सारेगप धसां, धपगरेसा, सारे गपध सांरेंसां धपगरेसा। सारेगप धसां रेंगंरेंसां धप गरेसा, सारे गपध सांरें गंपं गंरेंसां धपगरेसा।

सारे गपगरे गपधप गरेसा। सारे गप गरे, गपधप, धसांधप गरेसा। सारेगरे, गपधपगरे गपधसां धसांरें गंरेंसां धपगरेसा। सागरेपगधपसांधरेंसांगंरेंसांधप, रेंसांधपगरे, धपगरेसा।

सारेगप, गपधसां धसारेंगं, गंरेंसांध, सांधपग, पगरेसा। सारेगप धप धपगरे, गपध सांरेंसांरें सां धप, धसांरेंगंरेंग सांरेंसांरें धसांधसां धप, गपधपधप गपगप रेगरेग सारेसा। सारेगरे, गपधप, धसारेंसां, सांरेंगंरें, धसांरेंसां, पधसांध, गपधप, रेगपग, सारेगरे साधृसा।

गीत नं० १ राग भूप ख्याल, ताल एकताल (विलम्बित)

परि आज भइलवा सुखवा मोरे, सुन सुन पिया कि बात।
मोरे मन बस गई, सावरे कि सुरतीया, देखवे को मन ललचात॥

स्थायी

रे ग	रे	साधृ	सारे
प	ऽ	री ऽ	ऽ ऽ
३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

	प	प	प	पप	रे						
(प)	ग	ग	ग	गग	ग	रे	गरे	(प)	ग	रे	सा
आ	ऽ	ज	भ	इल	वा	ऽ	सुख	वा	मो	ऽ	रे
×		०		२		०		३		४	

						ग	
सारे	गरे	साध़	प़	पग	धप	ग	रेसा
सुन	सुन	पीऽ	या	कोऽ	ऽऽ	वा	ऽत
×		०		२		०	

अंतरा

प	सां		
गप	धसां	सांसां	-रें
मोरे	मन	बस	ऽग
३		४	

		सां	सां								
सां	-	धध	सांरें	सांसां	(सां)	मप	गरे	सारेगप	धप	-ग	रे
ई	ऽ	साव	रेकी	सुर	ती	याऽ	ऽऽ	देऽ ऽऽ	ऽखो	वे	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सा	सागं	रेंसां	सांध	सांधधप	सांध	पग	रेसा
को	मल	लल	चाऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत
×		०		२		०	

६

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी पर आलाप

(१) ऽ ऽ | सा - | साध़ -प़ | ध़ सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(२) ऽ ऽ | सा - | सारे - | साध़ -सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(३) ऽ ऽ | सारे -ग | -प ग | -रे -सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(४) ऽ ऽ | सारे ग | प -ध | पग रेसा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(५) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सा रे | ग प | - ग | पध - |
X ० २ ० ३ ४

प ग | गप ध | -प ग | रे सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(६) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सारे ग | प ध | - सां | - - |
X ० २ ० ३ ४

सां - | ध -प | ग पग | -रे -सा | प ऽ | रीऽ ऽ |
X ० २ ० ३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सारे गप | ध – | सां – | सां रें |
X ० २ ० ३ ४

– सां | सांध सां | धप –ग | –रे –सा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

(८) ऽ ऽ | ऽ ऽ | सारे गप | ध सां | – सां | रें – |
X ० २ ० ३ ४

गं – | रेंसां रेंसां | धप धप | ग रेसा | प ऽ | रीऽ ऽऽ |
X ० २ ० ३ ४

अंतरे पर आलाप

(१) ऽ ऽ | सां – | धप ग | पध सां | मोरे मन ई–
X ० २ ० ३

(२) ऽ ऽ | सांरें –सां | ध सां | गप धसां | मोरे मन ई–
X ० २ ० ३

(३) ऽ ऽ | सां – | सांरें – | सां धप | गप ध | सां –
X ० २ ० ३ ४

सां रें | गं – | रेंसां धप | गप ध | मोरे मन ई–
X ० २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) ऽ ऽ | सां - | रें गं | - गंरें | सांध -सां | सांरें गंसां |

× ० २ ० ३ ४

पध सां | धसां रें | गंपं गंरें | -सां धसां | मोरे मन ई-

× ० २ ० ३

स्थायी की बोलतानें

(१) ऽ ऽ | सा -ध | -सा -सा | साध -रे | सा सारेग- | एऽ रीऽऽऽ |

| ए ऽरी | ऽआ ऽज | भई ऽल | वा ऽऽऽऽ | |

× ० २ ० ३ ४

(२) ऽ ऽ | सारे -ग -प -प | गपध- -प | गरे -सा | एऽ रीऽऽऽ |

| एऽ ऽरी ऽआ ऽज | भऽऽऽ ऽइ | ऽल ऽवा | |

× ० २ ० ३ ४

(३) ऽ ऽ | गपध- सां | - धप | -ग गपधप | गरे सा | एऽ रीऽऽऽ |

| एऽऽऽ री | ऽ आऽ | ऽज भऽऽऽ | इल वा | |

× ० २ ० ३ ४

(४) ऽ ऽ | सारेगप धसां | सां सांध | रेंसां सांधपग |

| एऽऽऽ ऽऽ | री आऽ | ऽज भऽऽऽ |

× ० २ ०

रेग-रे सा | एऽ रीऽऽऽ |

इऽऽल वा | |

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) ऽ ऽ | गरेपग धपसांध | रेंसांगंरें सां |
| एऽरीऽ आऽ जऽ | भऽइल वा |
× ० २

रेंसांध,सां धप,धप | ग,गरेसा सांसांधपगरेसा- | एऽ रीऽऽऽ |
सुखवा मो ऽरे सुऽ | न सुऽन एऽरी ऽऽऽऽऽ |
० ३ ४

(६) ऽ ऽ | गंरेंरें,ग रेरेगप | धसांसां-- गंरेंरें,गं |
| एऽरिआ ऽजभई | ल ऽ वाऽ सुखवामो |
× ० २

सांसां,सांध धपधप | गपग,ध पगरेसा | एऽ रीऽ;ऽ |
ऽ रे सु ऽ नऽसुन | पियाऽकि ऽबाऽत |
× ३ ४

(७ ऽ ऽ | गरेसा,प गरे,सांध | प,सांधरें सांगंरेंसां |
| ए ऽ ऽरी ऽ ऽआ ऽ | ऽ ज ऽभ ऽ इ ल वा |
० २

सांगंगंरेंरें--- गंरेंसां- | सांसांधप,धधपग पपगरे,गगरेसा |
सुऽखऽवा ऽ ऽ ऽ मोऽ रे ऽ | सु ऽनऽ सुऽनऽ पियाऽकिबाऽऽत |
० ३

एऽ रीऽऽऽ |
४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) ऽ ऽ | सांसांधपगरेगप धसां-- सांरेंगं-रें--- गंरेंसां- |
| एऽरीऽआऽऽऽ जऽऽऽ मऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ इलवाऽ |
× ० २

गंरेंसांरें सांधसांध | पधपग गपधधपगरेसा | एऽ रीऽऽऽ |
सुऽनसु ऽन पिया | किवाऽत आऽऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ |
० ३ ४

स्थायी की तानें

(१) ऽ ऽ | सारेगगरेसा,सारे गपपगरेसा,सारे | गपधधपपगरे
× ० २

सा-सारेगपधसां | सांधपपगरेसा- सारेगपधसांरेंरें |
०

सांसांधपगरे,गंगं रेंसांसांधपगरेसा | एऽ रीऽऽऽ |
३ ४

(२) ऽ ऽ | सारेगगरेसा,गग रेसा,सारेगपपग | रेसा,पपगरेसा-
× ० २

सारेगपधधपप | गरेसा-धधपप गरेसा-सांरेगंप |
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

धसांसांधपपगरे सांसांधपगरेसा- | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(३) ऽ ऽ | सारेगपधधपप गरे,गपधधपप | गरे,गपधसांसांध

× ० २

पपगरे,सांसांधप | गरेसा-सारेगप धसांरेंगंरेंसांध |

०

रेंरें साधप,सांसां धपगरे,गरेसासा | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(४) ऽ ऽ | सारेगरेगगगप धपगरेगपधप | धसांधसांरेंसांधप

× ० २

धसांरेंसांरेंगंसांरें | गंरेंसांध,पधसांध पग,रेगपगरेसा |

०

गंगंरेंसांधप,रेंरें सांसांधपगरेसा- | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(५) ऽ ऽ | सारेगपग,रेगर धर,गरधसांध,प | धसांरेंसां,धसांरेंगं

× ० २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रेंसांधपगरेसा– | पगधपगरे,सांध रेंसांध,रेंसांगरें |

०

सांध,रेंसांधपगरे सांधपगगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(६) ऽ ऽ | सारेगरे,सारेगर गरे,गपधपगरे | सा–,सारेगरेगप

× ० २

धपगरे, गपधसां | धपगरेसा–,सारे गरेगपधपगरे |

०

गपधसां,धसां रेंगंरेंसांधपगरे | एऽ रीऽऽऽ |

३ ४

(७) ऽ ऽ | सारेसागरेसा,रेग रेपगरे,गपगध | पग,पधपसांधप

× ०

गपगधपग,रेग | रेपगरे,सारेसाग रेसा, सारेगप,गप |

धसां,धसांरेंगंरेंसां रेंसांधपगरेसा– | एऽ रीऽऽऽ |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) ऽ ऽ | गपगपगरेसासा पधपधगपगप | गरेसा:सा,धसांधसां

×

पधपधगपगप | गरेसासा,गपपग रेसा, धसांसांधपप |

गरेसा, रेंगंगंरें सांसांधपगरेसा– | पऽ रीऽऽऽ |

राग यमन

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसमें मध्यम तीव्र और बाकी के सब स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है। इस राग का गान समय रात्री का प्रथम प्रहर है। इस राग में जब शुद्ध मध्यम का अल्प प्रयोग किया जाता है तब इसे 'यमन कल्याण' राग कहते हैं। इसकी जाती संपूर्ण है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आरोह—ऩी रे ग मं ध नी सां।

अवरोह—सां नी ध प मं ग रे सा।

मुक्त आलाप :—ऩीरे, सा, ऩीध़ऩी, ध़प़, मं़ध़ऩी, सा | ऩीरे, ऩीध़, ऩी, सा, ऩीरेग, रेग, गरेऩीध़ऩीरेग, रे, सा | ऩीरेग, रेग, रेगमं, ग, गमं, गरे ग, ऩीरे, ध़ऩीरे, सा | ऩीरेगमं, ग, गमंप, मंप,पमंग, रेग, रेमंग, ग, रेसा | ऩीरेगमंप, गमंगप, गमंध, प, धमंप, मं, ग, रेग, ऩीरे, सा | ऩीरेगमंप, गमंध, प, गमंधनी, नीधप धमं, पग, मंरेग, रेमंग, मंधप, पमंग, गरे, रेसा | ऩीरेगमंप, गमंधनी, धनी सां, सांनीधप, मंधनीसांनी, नीधप, धपमंपमंग, रेग, रेमंग, गरे, ऩीरे, सा | ऩीरेगमं धनीसां, नीरें, सां, नीरेंगं, गंरें, सां, नी, धप, मंधनीरेंगं, मंगं, गंरें, सां, नीधप, मंधनीमंध, प, पमंग, गरे, ऩीरे, सा |

मुक्त तानें :—ऩीरेगगरेसा, ऩीरेगमंमंगरेसा, ऩीरेगमंधपमंगरेसा, ऩीरेगमंधनीनीधपमंगरेसा, ऩीरेगमंधनीसांनीधपमंगरेसा, ऩीरेगमंधनीरें सांनीधपमंगरेसा, ऩीरेगमंधनीरेंगंरेंसांनीधपमंगरेसा |

ऩीरेगग,रेगगरेसाऩीध़ऩीरेगमंगरेसा | ऩीरेगग, रेगमंमं, गमंगरे साऩी ध़ऩीरेगमंधपमंगरेसा | ऩीरेगग, रेगमंमं, गमंधधपमंगमंधनीनीधपमं, गमंधपमंगरेसा | ऩीरेगग, रेगमंमं, गमंधध, मंधनीनीधपमंगमंधनीसां

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नीधपमं, गमंधपमंगरेसा | नी़रेगग, रेगमंमं, गमंधध, मंधनीनी, धनीरेंरें

सांनीधपमं, गमंधनीरेंगंगंरेंसांनी, धनीरेंसांनीधपमं, गमंधपमंगरेसा |

नी़रेगरे, गमंधप, मंगरेसानी़रेगरेगमंधप, मंधनीधपमगरेसा | नी़रेगरे,

गमंधप, मंधनीध; धनीरेंसांनीधपमंगरेसा | नी़रेगरे, गमंधप, मंधनीध,

धनीरेंसां, नीरेंगंरेंसांनीधपमंगरेसा |

मंमंगरेसासा, नीनीधपमंगरेसा, गंगंरेंसांनीधपमंगरेसा | नी़रेनी़गरेगं

गधमंनीधसांनीरेंनीगंगंरेंसांनी, धनीनीधपमं, गधधपमंगरेसा |

———

ख्याल | राग यमन | ताल–झूमरा

सलोना रे बालम मोरा अत सूंदर नभीनो घात।
सोहा चोला अतरंग भीना आज सोहाग कि रात॥

स्थायी

-ध़ नी़रे ग |
ऽस लोना रे |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मं
प - मंप | ग -म गग-रे नी | गग-रे सा - |
ऽ ऽ ऽऽ | बा ऽऽ ऽऽऽऽ ऽ | लऽऽऽ म ऽ |
× २ ०

| नीसानीधनी- -ध प नीध |
| मोऽऽऽऽऽऽ ऽऽ रा अत |
३

सा सा सा | सा सारेनीसा नीसा नीध |
सूं द र | न भीऽऽऽ ऽऽ नोऽ |
× २

| सा नीरे -नी | गग-रे सा,ध नीरे ग |
| धा ऽऽ ऽऽ | ऽऽऽऽ तस लोना रे |
० ३

अंतरा

मंग प प-मंध प |
सोऽ हा चोऽऽऽ ला |
३

मं ध
पधपप मंप ग | मंध नी सां - | नी -ध प |
अऽऽऽ ऽऽ त | रंग भी ऽ ऽ | नोऽऽ ऽ |
× २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

| पधपमं मंप ग -म |
| आऽऽऽ ऽऽ ज ऽऽ |
३

ग रे रेग,मं- | -मं प - मंप | मंग-म गग-रे नी |
सो ऽ हाऽ ऽऽ | ऽग की ऽ ऽऽ | राऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽ |
× २ ०

गग-रे सा,ध नीरे ग |
ऽऽऽऽ त स लोना रे |
३

स्थायी पर आलाप

(१) ऽ ऽ ऽ । सा - नी, - । धप - नीध । नी सा,म लोना रे ।
× २ ० ३

(२) ऽ ऽ ऽ । सा - नीरे - । सा धनी रे । नीध सा,स लोना रे ।
× २ ० ३

(३) ऽ ऽ ऽ । नीरे ग - मं । ग रेग -रे । सा -,स लोना रे ।
× २ ० ३

(४) ऽ ऽ ऽ । नीरे गमं -ग मं । प पमं ग । -रे सा,स लोना रे ।
× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) ऽ नीरे गमं | प – मंध –प | मंध नी धप |

× २ ०

| मंगरे– सा,स लोना रे |

३

(६) ऽ नीरेगमं धनी–ध | नी सां नीधनी– –सां |

× २

नी धप मगरे– | –सा –स लोना रे |

० ३

(७) ऽ गमंधनी सां | नीरें सां नीरें गं | –रें सां नीधनी– |

× २ ०

धपमंग रेसा,स लोना रे |

३

(८) ऽ गमंधनी सां | नीरें गं मंगं –रें | सां नीधपमं गरे |

× २ ०

गरे सा,स लोना रे |

३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) ऽ गमंधग मंधनीमं | धनीसां– – मंगंरेंगं –रेंसां—
×   २

धनीरेंगं नीरेंधनी मंनीधप | मंगरेसा –स लोना रे |
०   ३

स्थायी पर बोलतानें

(१) ऽ ऽ ऽ | धनी सा सा नीध नीध प धनी | रे सा,स लोना रे |
× | सलो ना रे वाऽ | ऽ ल म मो ऽ | ऽ रा |
२ ० ३

(२) ऽ ऽ ऽ | धनी रेग ग मंग | –ग –ग गरे | सा –,स लोना रे |
× | सलो नाऽ रे वाऽ | ऽल ऽम मोऽ | रा ऽ |
२ ० ३

(३) ऽ ऽ ऽ | गमं ग–रेसा सा गमंप– | –प –प धमंगरे |
× | सलो नाऽऽऽ रे वाऽऽऽ | ऽल ऽम मोऽऽऽ |
२ ०

गरे सा,स लोना रे |
ऽऽ रा |
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) ऽऽऽ | मंमंगरे गमंप- -प -प | गमंध- ध-पमं मंग -- |
× | सऽऽऽ ऽऽऽ- ऽलो ऽना | रे ऽऽऽ वाऽलऽ मऽऽऽ |
२ ०

गरेसा- सा,स लोना रे
मोऽऽऽ रा
३

(५) ऽऽऽ गमंधनी नीसां सां धनी -- | --नीध पप धपमंग |
× सऽऽऽ लोना रे वाऽऽऽ | ऽऽल ऽ ऽम मोऽऽऽ |
२ ०

| रेगपरे -सा,स- लोना रे |
| ऽऽऽऽ ऽरा |
३

(६) ऽऽऽ | गमंधनी सांनीसां- सां धनीरेंसां |
× | स ऽऽऽ लोऽनाऽ रे वाऽऽऽ |
२

नीधप -- मंधनीध नीसां,नीध पमं,रेग रेसा,स- लोना रे |
लऽमऽ मोऽऽरा ऽऽश्र ऽ | तऽसूंऽ दर |
०

(७) ऽऽऽ | धपमंग,मंधनीसां सांसांसां- रेंसांनीधनी-रें- गंरेंसां- |
× | सऽऽऽ ऽऽऽ ऽऽ लोनारेऽ बाऽऽऽऽ ऽऽऽ ऽऽ ऽज्ञमऽ |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गरेंसां– नीरेंगरें,धनीसांनी नीनीधपमंगरेसा |
मोराऽऽ अऽऽऽ तऽ ऽ ऽ सूंऽदऽरऽ ऽ ऽ |

नीरेनीरेगरेगमं धपमंमंगरेसा– धनी रेग |
नऽऽ मीऽऽनोऽ ऽऽधाऽऽऽतऽ सलो नारे |

(८) ऽ ऽ ऽ | मंमंगरेसासा–– गमंधनीसांनीधनी धपमंग,मंमंगरे
× | सऽलोऽना ऽऽऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ बा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽलऽ ऽऽ
२

सा - - -, मंमंगध | धमंनीनीधरेंरेंनी गंगंगंरेंसांनीधप
म ऽ ऽ ऽ मोऽऽरा | ऽ ऽ अ ऽ ऽ तऽ ऽ सूंऽ; ऽ द ऽ ऽ ऽ
०

मंगरेसानी–रे– | ग-मं-ध- - - धमंधनीसांरेंगंरें
र ऽ ऽ ऽ नऽभीऽ | नोऽधाऽऽ ऽऽऽ त ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ
३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ सलोनारे |

स्थायी पर तानें

(१) ऽ ऽ ऽ | नीरेगरेसासानीरे गमंमंगरेसानी गमंपमंगरेसा–
× २
१०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नीरेगमंधनीनीध | पमंगरेसा- --ऽ नीरेंगमंधनीसांनी
०

धपमंगरेसानीरे | गमंधनीरेंगरेंसां नीधपमंगमंधनी
३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |
सलोनारे

(२) ऽ ऽ ऽ | नीरेगरेनीरेगमं गरेनीरेगमंपमं गरेसा-नीरेगमं |
×
२
धपमंगरेनीरेग | मंधनीधपमंगरे नीरेगमंधनीरेंसां
०
नीधपमंगरेसा- | नीसांनीसांधनीधनी धपमंपगमं
३
गमं रेगरेगरेसा ध नी रेग |
, सलोनारे

(३) ऽ ऽ ऽ | नीरेगमंपमंगरे गमंधपमंगरेसा नीरेगमंपमंगरे
×
२
गमंधपमंधनीसां | नीधपमंगरेसा- नीरेगमंपमंगमं
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

धनीसांनीधनीरेंगं | रेंसांनीधपमंगरे सा---धमंधनी

३

सांनीधपमंगरेसा धनीरेग |

सलोनारे

(४) ऽऽऽ | गगरेसामंमंगरे सासाधधपमंगरे सानीनीधपमंगरे
×

२

सागंगंगंरेंसांनीध | पमंगरेसा--- मंमंगधधमंनीनी

०

धरेंरेंनीगंगंरेंसां | नीधरेंरेंसांनीधप नीनीधपमंगधध

३

पमंगरेगरेसा- धनीरेग |

सलोनारे

(५) ऽऽऽ | नीरेगरेरेगमंग गमंपमंगरेसासा नीरेगरेरेगमंग
×

२

गमंधपमंधनीध | नीधपमंगरेसा- नीरेगरेरेगमंग

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमंधपमंधनीध | धनीसांनीनीरेंगंरें नीरेंसांनीधपमंध

२
पमंगरेगरेसा– ध़नी़रेग |

सलोनारे

(६) ऽ ऽ ऽ | नी़रेगगरेगमंमं गमंधधमंधनीनी धपधपमंगरेसा
×

२
नी़रेगगरेगमंमं | गमंधधमंधनीनी धनीरेंरेंनीरेंगंगं

०
नीरेंगंरेंसांनीधप | धपमंगरेसा– – मंमंमंगरेसानीनी

३
नीधपमंरेसा– धनी़रेग |

सलोनारे

(७) ऽ ऽ ऽ | नी़रेगमंगमंधनी धपमंगरेसा– – नी़रेगमंगमंधनी
×

२
धनीसांरेंसांनीधप | मंगरेसानी़रेगमं गमंधनीधनीरेंगं

०
रेंसांनीधपमंगरे | सानी़रेगमंधनीध नीसांरेंसांरेंसांनीध

३
नीधपमंगरेसा– ध़नी़रेग |

सलोनारे

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) ऽ ऽ ऽ | नी़रेनी़गरेमंगप मंधपमंगरेसा- नी़रेनी़गरेमंगप
× २

मंधमंनीधपमंग | रेसा - - नी़रेनी़ग रेमंगपमंधमंनी
०

धसांनीरेंनीगंगंरें | सांनीधपमंगरेसा धमंधनीसांनीगंरें
३

सांनीधपमंगरेसा ध़ नी़ रेग |
सलोनारे

राग भीमपलासी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न होता है। इस राग में गंधार और निषाद कोमल लगते हैं, बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। आरोह में रिषभ और धैवत वर्जित है। जाति ओड़व-संपूर्ण है। इसका गान समय दिन का तीसरा प्रहर माना गया है।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

आरोह—नी सा ग म प नी सां ।

अवरोह—सां नी ध प मं ग रे सा ।

मुक्त आलाप :— सा नीधप, मपनी–सां । नीसाग–रे–सा ।

नीसागम, पगम, ग–रे–सा । नीसा, प नी सा, प नी सागरेसा, गम,

मपगम, ग–रेसा । नी सागम प, मप, गम, ध प ग प ग म, ग–रे-सा ।

नी सा ग म प, म प नी – ध – प, ध प म, प ग म, ग–रे–सा ।

नी सा ग म प नी–सां–, ग म प नी–सां, रें–सां–, नीसां–गं–रें–सां–,

नी–सां–, नी ध प, म प ध ध प म प – ग म, म प ग – रे – सा ।

नी सा ग म प नी – सां –, नी सां गं – रें – सां, नी सां गं मं,

पं गं मं, गं - रें - सां, नी - सां - , रें सां नी - ध - प, म प ग म,

ग - रे - सा । सा म ग प म प, ग म, म ध प नी - ध - प, म प ग म,

प नी सां, नी ध प, ग म ग – रे – सा ।

मुक्त ताने :— नी सा ग ग रे सा, नी सा ग म ग रे सा,

नी सा ग म प म ग रे सा, नी सा ग म प नी ध प म ग रे सा,

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी सा ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा, नी सा ग म प नी सां गं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग ग रे सा, ग ग रे सा, नी सा ग म म ग रे सा। नी सा ग म प प म ग रे सा, प प म ग रे सा, नी सा ग म प ध ध प म ग रे सा, ध ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी नी ध प म ग रे सा, नी नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, सां सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प नी सां गं रें सां नी ध म ग रे सा, गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

नी सा ग म प म, ग म प नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी ध प, म प नी सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी ध प, म प नी सां। नी प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा। नी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, ध नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ख्याल — राग भीमपलासी — ताल तिलवाड़ा

अखियाँ मोरि लाग रही पिया के मिलने की आस।
रंगीले पिया परदेस बिलम रहे,
याही जिया बिच फास॥

स्थायी

सा
मप़ नी | सा रेरेसानी सा--नी साम
अखि यां | ऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ मोरि
३

म म सा नी
म - ग साग | मप ग - रेसा | रे - सा - | सा नी ध़ -
लाऽ ऽ ऽऽ ऽऽऽऽ गर ही ऽऽऽ पि या के ऽ
× २ ० ३

प़ प
| -नी साम - मप | -म ग म प | नी ध - प
ऽ ऽ मिल ने ऽऽ कीऽऽऽऽ ऽऽऽऽप क आ ऽऽ
× २ ० ३
म

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

पध -प म मप | -म ग साग मप | ग रेसा
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ, सऽ
× २

अंतरा

म
म प | धधपम प - - म ग म
रं गी | ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ले ऽ
३

सां सां सां सां
प नी -प नी | सां - नीनी सां | गं रें सां - |
पिया ऽप र ऽ ऽ दे ऽ बि ल म ऽ
× २ ०

सां सां
| पनी सां - - नी ध प |
ऽऽ ऽऽऽऽ रहे

म सां सां प
म प ग म | - म प नी | - प नी सां - | सां नी ध प
या ऽ ही ऽ | ऽ जि या ऽ | ऽ बि च ऽ ऽ | फा ऽ ऽ ऽ
× २ ० ३

पध -प म मप | -म ग साग मप | ग रेसा
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ सऽ
× २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी पर आलाप

(१) ऽ ऽ सा – | नी ध – प | मप नी – सा |

× २ ०

नीप नीसा नी साम |

अखि याऽ ऽ मोरी

३

(२) ऽ ऽ सा – | नी सा पनी सा | – ग रे सा |

× २ ०

अखि याऽ ऽ मोरि |

३

(३) ऽ ऽ नी सा | ग म – साग | म ग रे सा |

× २ ०

अखि याऽ ऽ मोरि |

३

(४) ऽ ऽ नीसा ग | म – प ग | म ग रे सा | अखिया ई–

× २ ० ३

(५) ऽ ऽ नीसा गम | प – पध –प | मप ग रे सा | अखियां ई–

× २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) ऽ ऽ नीसा गम | पनी – ध प | मप गम ग रेसा |

× २ ०

अखियां ई–

३

(७) ऽ ऽ नीसागम पनी - - | सां – नीसां नीधप– |

× २

मप गम ग रेसा | अखिया ई

० ३

(८) ऽ ऽ नीसागम पनीसां– | गं रेंसां नीधप– धप |

× २

मपग– मग रेसा | अखियां ई

० ३

स्थायी पर बोलतानें

(१) ऽ ऽ पनी सा | – नीसा ग रेसा | ग मग –रे –सा |

× अखिया ऽ ऽऽ ऽ मोरि ला ऽग ऽर ऽहि

२ ०

नीप नीसा नी साम |

अखि या ऽ मोरि

३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ऽ ऽ सा॒ग मप – म–पध ध प | धमधप गम –ग रेसा |
अखि याऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मो री | लाऽ ऽऽ गऽ ऽऽ रहि |
× २ ०

अखियां ई
३

(३) ऽ ऽ नीसागम प | मप नी धप ध–पम |
× अखियाऽ ऽ मोऽ ऽ रीऽ लाऽऽऽ
२

प–मग सागमप गम गरेसा– | अखि याऽऽ मोरि |
३
गऽ ऽ ऽ र ऽ ऽ ऽ ऽऽ हीऽ ऽऽ
०

(४) ऽ ऽ गमपनी सां | –नीसांरें– सां सांनीधप |
× अखियांऽ ऽ ऽ मो ऽ ऽ ऽ री ला ऽ ऽ ऽ
२

गम पमसांनी धप,गम गरेसा– | अखि याऽ ऽ मोरि |
गऽ र ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ हीऽ ऽ ऽ
० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) ऽ ऽ मधधप -धपप | मपधप गम गमपनी सां-नीसां |

× अखियांऽ ऽमोऽरि लाऽगर हीऽ पियाकिऽ ऽ ऽ मिल
२

मंगंरेंसां सांनीधप गमगम पमधप |

नेऽऽऽ कीऽऽऽ आऽऽऽ ऽऽऽऽ
०

मगरेसा पनी सानी साम |

साऽऽऽ अखि यां ऽ मोरि
३

(६) ऽ ऽ गमपनी सांगं - - | -रें -सां रेंरेंसांनी सांनी-ध |

× अखियाऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽमो ऽरि लाऽऽऽऽगऽर
२

प गमपनी सां - - - नीसांमंगं रेंसांनीधपमपनी

ही पियाकीऽ ऽऽऽऽआऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽसऽ
०

सांनीधपमगरेसा अखि याऽ मोरि |

ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽऽ
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(१) ऽ ऽ धधपमगमपनी सां | सां गं-रेंसां रेंरेंसांनीपनीसांनी

X अऽऽऽऽखिऽऽऽ ऽ यां मोऽऽरि लाऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
२

-ध-प | पध-पमप-- म ध ध प म प ग म

ऽगऽर | ही ऽऽऽऽऽऽऽ अखियां ऽ मो रि ला ऽ
०

-प-सांनीधप- ध प ध म प ग म म | प प मगरेसा --

ऽ ग ऽ र ही ऽ ऽ पियाकि भि ल ने ऽ ऽ किआऽस ऽ ऽ ऽ ऽ
३

सारे नीसा साम |

अखि यां ऽ मोरि

स्थायी पर तानें

(१) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागगरेसानीसा गमपपमगरेसा

X
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नीसागमपनीधप मगरेसा - - - - | नीसागमपनीस नी

०

धपमगरेसानीसा गमपनीसांगंरें सांनीधपमगरेसा |

नीनीधपमगरेसा सारे नीसा साम |

३ अखि यांऽ मोरि

(२) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागगरेसागग रेसानीसागमपप

× २

मगरेसापपमग रेसा - - नीसागम | पनीधपमगरेसा

०

नीनीधपमगरेसा नीसागमपनीसांगं रेंसांनागंगंरेंसांनी |

धपमगरेसा - - अखि याऽ मोरि |

३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागमपमगम पपमगरेसानीसा
×   २

गमपनीधपमप नीनीधपमगरेसा | नीसागमधनीसांनी
०

धपनीसांनीधपम गरेसा-नीसागम पनीसांगंरेंसांनीगं |

गंरेंसांनीधपमग रेसा--सा- रेनी सा-साम |
३   आऽ खियां ऽ ऽमोरि

(४) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागमगमगरे सा-नीसागमपम
×   २

पमगमगमगरे सा-नीसागमपध | पधमपमपगम
०

गमगरेसा-नीसा गमपनीसांनीसांनी धप,पधपधमपमप |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमगमगरेसा- अखि याऽ मोरि ।

२

(५) ऽ ऽ ऽ ऽ । नीसामगरेसा,साग पमगग,गमनीध

×

२

पध,पनीसांनीधप नीसांमंगंरेंसां,नीसां ।

गंरें,पनीसांनी,मप नीध,गमधप,साग पमगरेसासा - -

०

नीसागमपम,गम । पनीसांनी,पनीसांरें सांनीधपमगरेसा

३

सारेनीसा सानीसाम ।

अखियाऽ ऽ ऽ मोरि

(६) ऽ ऽ ऽ ऽ । नीसागमगम,साग मपमपगमगम

×

२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गरेसा-नीसागम गम,सागमगमप | गमपनीपनीधप

०

मपमपगमगम गरेसासा - - - - नीसागमपनीसांरें |

सांरेंनीसांनीसांनीध पमगमगरेसा- सारेनी- सा-साम |

३ अखियाऽ ऽ ऽ मोरि

(७) ऽ ऽ ऽ ऽ | नीसागरे,सागपम गमधप,सागपम

× २

गमधप,मपनीध गमधप,सागपम | नीसामगरेसा- -

०

नीसामग,सागपम गमधप,मपनीध पनीसांनी,नीसांगरें |

पनीसांनी,मपनीध गमपमगरेसा- सारेनी- सानीसाम |

३ अखियाऽ मोरि ऽ ऽ

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बागेसरी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'ग' और 'नी' में दो स्वर कोमल लगते हैं। कोई 'प' स्वर बिलकुल वर्जित मानते हैं तो कोई अवरोह में लगाते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। वादी 'म' और संवादी 'सां' है। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर है।

आरोहावरोह।

ग म ध नी सां | सां नी ध म ग रे सा |

मुक्त आलाप :—सा, नी ध नी सा, नी ध, म ध नी सा | नी सा, ध नी सा, ध नी सा ग रे सा | नी सा ग म, ग रे, ग म, सा ग म, ग – रे – सा – | नी सा ग म, ग – ग म, ग म ध, ध म, ग रे ग म, ग रे सा | सा ग म, ग म ध, ध नी – ध –, म ध नी ध, म ध, म प ध म ग रे सा | ग म ध, ध नी ध, नी सां, ध नी ध सां, सां नी ध, म ध नी ध, ध म, ग म, ग, रे, सा | सा ग म, ग म नी ध, म नी ध सां, सां रें, सां, नी ध नी सां, नी सां रें, सां सां नी ध, ध म, म ग,

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे, सा | सा ग म ध नी सां, नी ध नी सां, सां रें, सां, गं रें नी ध, म ध नी ध, सां नी ध, म प ध, म ग रे सा | म ग रे सा, नी ध म ग रे सा, रें सा नी ध म ध नी ध म ग रे सा, मं गं रें सां, गं रें सां, रें सां नी ध, म प ध, म ग रे सा | सा म ग ध म नी ध सां, सां मं गं रें सां, गं रें सां, रें सां नी ध, म प ध म ग रे सा |

मुक्त तानें :—नी सा ग म ग रे सा, नी सा ग म ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां रे सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां गं रें सां नी ध म ग रे सा, नी सा ग म ध नी सां गं मं गं रें सां नी ध म ग रे सा |

ध नी सा म ग रे सा नी, ध नी सा ग म ध म ग, म ग रे सा नी, ध नी सा ग म ध नी ध म ग, म ध म ग रे सा नी, ध नी सा ग म ध नी सां नी ध, म ध नी ध म ग, म ध म ग रे सा नी, ध नी सा ग म ध नी सां रें सां नी ध, नी सां नी ध म ध म ग रे सा |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, सां नी ध, नी ध म, ध म ग,

म ग रे सा | सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, ग म ध, म ध नी,

ध नी सां, नी सां रें, ध नी सां, म ध नी, ग म ध, रे ग म ग रे सा |

सा ग म, ग म ध, म ध नी, ध नी सां, नी सां रें, सां गं मं, नी सां रें,

ध नी सां, म ध नी, ग म ध, रे ग म ग रे सा |

सा ग म ध, म ध नी सां, नी ध म ग रे सा, सा ग म ध, म ध नी सां,

नी सां गं मं गं रें सां नी ध म ग रे सा |

म म ग रे सा, नी नी ध म ग रे सा, रें रें सां नी ध म ग रे सा,

मं मं गं रें सा नी ध म ग रे सा |

ग म ग म ग रे सा, ध नी ध नी ध म, म ध म ध ग म ग म ग रे सा,

नी सां नी सां नी ध, म ध म ध ग म ग म ग रे सा |

सा म ग ध म नी ध सां म नी ग ध रे ग म ग रे सा |

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust Funding by MoE-IKS

६

ख्याल राग बागेश्री ताल–एकताल (बिलंम्बित)

मोहे मनावन आये हो, सगरी रतिया किन
सौतन बिरमाये।

ते तो रंगीले छवि दिखलाये, लालन के मन ललचाये॥

ध			प
सां	नी	धनी	धध
मो	ऽ	ऽऽ	हेम
३		४	

ध			ध		प			ग			
सां	–	नी	नी	ध	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
ना	ऽ	ऽ	ध	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	हो	ऽ
×		०		२		०		३		४	

सा				ध				सा		सा	
रे	सा	नी	ध	सा	सा	सा	–	नी	सा	मं	ग
स	ग	री	ऽ	र	ती	या	ऽ	कि	न	सौ	ऽ
×		०		२		०		३		४	

		ध				ग	
म	ध	नी	ध	म	ग	मग	रेसा
त	न	बी	र	मा	ऽ	ऽऽ	येऽ
×		०		२		०	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

म		ध	सा		
ग	म	नीध	नी		
ते	ऽ	तोऽ	रं		
३		४			

						सां		सां		ध	
सां	–	सां	नीसां	रें	गं	रें	सां	नी	सां	नी	ध
गी	ऽ	ले	ऽ ऽ	छु	व	दी	ख	ला	ऽ	ये	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म			नी			सां		सां			
ग	म	ध	नी	सां	मंगं	रें	सां	रें	सां	नी	ध
ला	ऽ	ल	न	के	ऽ ऽ	म	न	ल	ल	चा	ऽ
×		०		२		०		३		४	

म	ध	नी	ध	म	ग	मग	रेसा
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	वेऽ
×		०		२		०	

स्थायी पर आलाप

(१) ना ऽ | सा – | नी ध | नी –ध | सा – | मोऽ ऽऽहेम |

× ० २ ० ३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) ना ऽ | ध़ नी | सा – | ग – | रे सा | मोऽ ऽऽहेम |

× ० २ ० ३ ४

(३) ना ऽ | सा ग म | – ग | रे सानी | ध़नी सा | मोऽ ऽऽहेम |

× ० २ ० ३ ४

(४) ना ऽ | सा ग म | ध – | नीध –म | गरे सा | मोऽ ऽऽहेम |

× ० २ ० ३ ४

(५) ना ऽ | साग मध | – नी | ध मग | मग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |

× ० २ ० ३ ४

(६) ना ऽ | गमधनी सां | – रेंसां | नीसां-नी ध,-नीध |

× ० २ ०

मगरे– –सा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(७) ना ऽ | गमधनी सां | गंमंगं– रेंसां | रेंसांनी– ध–नीध |

× ० २ ०

| मगमग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) ना ऽ | मधनीसां धनीसां- | रेंसां मंगंरे- |
X ० २

-सां नी - - ध | मगमग रेसा | मोऽ ऽऽहेम |
० ३ ४

स्थायी पर बोलतानें

(१) ना ऽ | नीसा धनी | साम मम | मप धप,ग- |
मोऽ हेम नाऽवन आऽ येऽहोऽ
X ० २ ०

-रे -सा | मोऽ ऽऽहेम |
ऽऽ ऽऽ
३ ४

(२) ना ऽ | धनी साम | गरे गम | धनी ध-मग |
X मोऽ हेऽ मनाऽऽ वऽ नऽआऽ
० २ ०

मगरे- -सा | मोऽ ऽऽहेम |
ऽ ऽयेऽ ऽहो
३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) ना ऽ | गम ध | -नी ध | धनीसां- नीध |
X मोऽ हे ऽम ना वऽऽऽ नऽ
० २ ०

धधमग मगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |
आऽऽऽ येऽहोऽ
३ ४

(४) ना ऽ | गम-ग मध ध | धनी-ध नीसां-- |
मोऽऽऽ हेऽऽऽ मऽऽऽ नाऽऽऽ
० २

सांसां सांनीरें- | सांनीसां- नीध | मोऽ ऽऽहेम |
वन आऽऽऽ येऽऽऽ होऽ
० ३ ४

(५) ना ऽ | गमधनी धनीसां- | सांसां नीधनीसां |
X मोऽऽऽ हेऽऽऽ मना ऽऽ वऽ
० २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां-सांनी रेंसां | सांनीसांध धमनीध | मोऽ ऽऽहेम |
न ऽ आ ऽ ऽ ऽ ये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ हो
० ३ ४

(६) ना ऽ | धनीधम गमधनी | सां-सांनी धनीरें- |
× मोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ हे ऽ म ऽ ऽ ऽ नाऽ
० २

सां-रेंसां नीध | गमधनीसांरेंसांनी धमगमगरेसा- |
ऽ ऽ व ऽ न ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ येऽऽऽहो ऽ
० ३

मोऽ ऽऽहेम |
४

(७) ना ऽ | गमनीध ध-म-धनीसां- | नीधनीसां मंगंरेंसांनी-सां- |
× मोहेमना वऽनऽआऽऽऽ येहोसग ऽऽरीऽ रऽतिऽ
० २

नी-ध-धनीसां- नीसांरें-सांनीसां- |
याऽ ऽ ऽक्रीऽ ऽ ऽ न ऽ ऽ ऽसो ऽ ऽ ऽ

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी-ध-मगमध नीसांनीधमगरेंसा | मोऽ ऽऽहेम

तऽनऽविरमाऽ ऽऽयेऽऽऽऽऽ ४
३

(८) ना ऽ | ममगरेसा - - - धधपधनीधमग |

× मोऽऽऽहेऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽमऽ
०

ममगरेसा- - - गमगमधमधनी |

नाऽऽऽऽऽऽ वऽऽनऽऽआऽ
२

धनीसांनीधनीसां- मंमंगंरेंसांनीधम |

ऽयेऽऽहोऽऽऽ सऽगऽरीऽऽऽ
०

मधनीसांनीधगम गरेसागमधनीसां | मोऽ ऽऽहेम

रतियाऽकिनसौऽ तऽनविरमाऽये | ४
३

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

स्थायी पर तानें

(१) ना ऽ | नीसागमगरेसा- नीसागमधमग |

× ० २

रेसा,नीसागमधनी धमगरेसानीसाग |

२

मधनीसांनीधमग रेसा - - गमधनी |

०

सांरेंसांनीधनीसांगं रेंसांनीधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(२) ना ऽ | नीसागमगमगरे सानीसागमधमध |

× ०

मगरेसा,नीसागम धनीधनीधमगरे |

२

सा- - - नीसागम धनीसांनीसांनीधम |

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

धनीसांरेंसांरेंसांनी धमधधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(३) ना ऽ | सागममगमधध मगरेसागमधध |

× ०

मधनीनीधमगम धधमगरेसा – – |

२

गमधधमधनीनी धनीसांसांनीसांरेंसां |

०

नीधमधनीनीधम गमधधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

३ ४

(४) ना ऽ | सागमगगमधम गमगरेसागमग |

× ०

गमधममधनीध गमधमगसगरे |

२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सागमगगमधम मधनीधधनीसांनी |

०

मधनीधगमधम मधमधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

४

३

(५) ना ऽ | गमगमगरेसा- धनीधनीधमगम |

×

०

गरेसा - नीसांनीसां धनीधनीमधगम |

२

गरेसा - सांरेंसांरें नीसांधनीधनीमध |

०

गमगमगरेसा - नीसांनीधमगरेसा | मोऽ ऽऽहेम |

४

३

(६) ना ऽ | गमधनीसां - - - नीसांमंगंरेंसांनीसां |

×

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रेंरेंसांनीधनीधम गमधधमगरेसा |

◡———◡ ◡——— ,

२

नीसांमंगंधनीरेंसां मधनीधगमधम |

◡———◡ ◡———◡

०

गमगरेसागमध गमधनीमधनीसां | मोऽ ऽऽहेम |

◡———◡ ◡———◡ ४

३

(७) नाऽ | धनीसागमगनीसा गमधमगमधनी |

× ◡———◡ ◡———◡

०

सांनीमधनीसांरेंसां धनीसांगंमंगंनीसां |

◡———◡ ◡———◡

२

रेंसांधनीसांनीमध नीधगमधमगम |

◡———◡ ◡———◡

०

गरेसा-मममनी नीनीधमगरेसा- | मोऽ ऽऽहेम

◡———◡ ◡———◡ ४

३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) न। ऽ | सामगधमनीमध गमगरेसा- - - |

×

०

सामगधमनीधसां धनीमधगमगरे |

२

सासामगधमनीध सांनीरेंसांमंगंमंसां |

०

रेंनीसांधनीमधग मगरेसामधनीसां | मोऽ ऽऽहेम |

४

३

———

१२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग बिहाग

यह राग विलावल थाट से निकलता है। इस राग में दोनों मध्यम लगते हैं। आरोह में 'रे' व 'ध' वर्जित है, बाकी सब शुद्ध स्वर हैं। जाति ओड़व संपूर्ण है। वादी स्वर 'गांधार' और संवादी 'निषाद' है। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर है।

आरोहावरोह

ऩी सा ग म प नी सां | सां नी ध प म॑ ग, म ग रे सा |

मुक्त आलाप—सा ऩी ध़ प़, ऩी सा, प़ ऩी सा, ऩी सा ग, रे सा | सा, ऩी सा ग, म ग, प़ ऩी सा ग म ग, ऩी सा म ग, रे सा | ऩी सा ग, म, प, म॑ प ग म ग, सा ग म ग, प म॑ प, ग म ग, रे सा | ऩी सा ग म प, ध प, प म॑ ग म ग, सा म ग प म॑ ध प म॑ प, ग म ग, म, प म ग, रे सा | ऩी सा ग म प नी, नी ध प, ग म प नी, ध प, ध प म॑ ग म ग, ग म नी ध प म॑ ग म ग, सा म ग प म॑ ध ग म ग, रे सा | ग म प नी सां, नी ध, प म॑ प, ग म प नी सां, रें सां, नी सां नी, ध प, ध प म॑ प म ग म ग, रे सा | ग म प नी सां, प नी सां गं, रें सां, नी सां मं गं, रें सां, नी सां नी, ध प, सां नी ध प, ध प म॑ प म॑ ग म ग, रे सा | ऩी सा ग म प नी, सां, नी सां गं, रें सां, नी सां गं मं गं, रें सां, गं रें सां, नी सां नी ध प, ग म प नी सां रें सां, नी ध प, ध म॑ प, मं ग म ग रे सा |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मुक्त ताने—ऩी सा ग ग रे सा, ऩी सा ग म ग रे सा, ऩी सा ग म प म ग रे सा, ऩी सा ग म प नी नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प नी सां गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प नी सां गं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

ऩी सा ग रे सा, ऩी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, प नी सां गं रें सां, नी सां गं मं गं रें, प नी सां गं रें सां, म प नी सां नी ध, ग म प नी ध प, सा ग म प म ग रे सा।

ऩी सा ग रे सा ग म ग, ग म प म, म प नी ध, प नी सां नी, नी सां गं रें, सां गं मं गं, नी सां गं रें, प नी सां नी, म प नी ध, ग म प म, सा ग म ग रे सा।

ऩी सा ग म प म, ग म प नी सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प म, ग म प नी सां नी, प नी सां गं रें सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म प म ग म प नी सां नी प नी सां गं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा ;

ऩी सा ग म, ग म प नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म ग म प नी, प नी सां रें सां नी ध प म ग रे सा, ऩी सा ग म ग म प नी प नी सां रें, सां गं मं पं मं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

ऩी सा ग म प मं ग म ग ध प मं ग म ग रे सा, ऩी सा ग म प मं ग म प नी ध प मं प ग म ग म ग रे सा, ऩी सा ग म प मं ग म प नी प नी सां रें नी सां नी ध प मं ग म ग रे सा।

ग ग रे सा प प म ग रे सा नी नी ध प म ग रे सा रें रें सां नी गं गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा।

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ख्याल | राग विहाग | एकताल (विलम्बित)

डरिये वा मानस सों जो गुनियन को वेगुनि जाने ।
साचि कहत ये दरस ग्यानी हीन बुधको योंही बखाने ॥

स्थायी

ध ध
गमनीनी | पमं गम |
ड ऽ री ऽ | ये ऽ ऽ ऽ |
४

ग - | म-मग ग | -म गमप- | गम ग--रे |
(ग above म-मग; रे above ग--रे)
वा ऽ | माऽऽऽ ऽ | ऽ ऽ नऽऽ ऽ | सऽ सोऽऽ ऽ |
× ० २ ०

सा नी़सारेसा | नी़सा मग |
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | जो गु निय |
३ ४

पमं गम ग गमपनी | सां गं-रेंसां | नी-धनी पधपप-मं |
नऽ ऽऽ को वेऽ ऽ ऽ | ऽ गूऽ ऽ ऽ | नीऽ ऽ ऽ जाऽऽऽऽऽ |
× ० २ ०

गमग-
ऽऽनेऽ
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

गम पनी | सांसां –सां | नीसां रेंनीसां– | नी–धनी प–गम |
सांऽ चीक | ह त ऽ ये | द् र सऽ ऽ ऽ | ग्याऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ |
२ ० ३ ४

ग गम | धनी सां | गं–रेंसां नी–धनी | (प)–गम गमपम | गधा
नी हीन | वू ऽ ध | कोऽ ऽऽ यूं ऽऽऽ | ही ऽ ऽ ऽ बऽ ऽ ऽ | खाने
× ० २ ० ३

स्थायी पर आलाप

(१) धा ऽ | सा – | नी़ –ध़ | प़ – | प़नी़ सा |
× ० २ ० ३

ध ध
ममनीनी पमंगम |
ड़ऽरी ऽ येऽ ऽ ऽ
४

(२) धा ऽ | सा – | नी़ सा | प़नी़ साग | –रे सा |
× ० २ ० ३

ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |
४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) वा ऽ | नी सा | ग – | म ग | –रे सा | ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |

X ० २ ० ३ ४

(४) वा ऽ | नीसा ग | म ग | पमं गम | ग– –रे सा |

X ० २ ० ३

ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |

४

(५) वा ऽ | नीसागम प | – नी | –ध प | गम ग |

X ० २ ० ३

ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |

४

(६) वा ऽ | गमपनी सां | – नीसां | नी– –ध प |

X ० २ ०

गमग– रेसा– – | ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(७) वा ऽ | गमपनी सां | गं– –रें सां | नी–धप मंप–मं |

X ० २ ०

गमग– रेसा– – | ड़ऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(८) वा ऽ | गमपनी सां | गंमं गं–रेंसां | नी धपमंप |
× ० २ ०

गमग– रेसा– – | डऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

———

स्थायी पर बोलतानें

(१) वा ऽ | नीनी सा | नी–धप – | नीसा ग |
× | डरि ये | वाऽऽऽ ऽ | माऽ ऽ |
० २ ०

गमग– –रेसा– | डऽरीऽ येऽऽऽ |
नससोऽ ऽऽऽऽ | ४
३

(२) वा ऽ | नीसा गम | ग–रेसा सा–मग | प– –मं गमग– |
× | डरि येऽ | वाऽऽ ऽ माऽऽ ऽ | ऽ ऽ ऽऽ नऽसऽ |
० २ ●

म–पम ग–रेसा | डऽरीऽ येऽऽऽ |
ऽ ऽ ऽऽ सोऽऽऽ | ४
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) वा ऽ सासा मग | प -- | मंप-मं गम |
× डरि येऽ | वा ऽ | माऽऽऽ ऽऽ |
० २ ०

पमग- -रेसा- | डऽरिऽ येऽऽऽ |
नससोऽ ऽऽऽऽ | ४ |
३

मं
(४) वा ऽ | गम पनी | -धप- धमंपग | मगप- गम |
× | डरि येऽ | ऽऽवाऽ माऽऽऽ | ऽऽऽऽ ऽऽ |
० २ ०

मपमपग--- रेसा-- | डऽरीऽ येऽऽऽ |
नऽसऽसोऽऽऽ ऽऽऽऽ | ४ |
३

(५) वा ऽ | गमपनी सां | नीनीरेंसां नी--धप--- |
× | डरियेऽ वा | माऽनस सोऽऽऽऽऽऽऽ |
० २

गमपनी--ध- प--मग-,म- | ग गमपमगरेसा- |
जोऽऽऽऽऽगुऽ नीऽऽऽयऽनऽ | को वेऽगुनिजाऽनेऽ |
० ३

डऽरिऽ येऽऽऽ |
४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) वा ऽ | गपमपग --रे सा | नी--धप--मं ग-म-ग-रेसा |
× | ङऽरिऽये ऽ ऽऽ वा | माऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ नऽसऽसोऽऽऽ |
० २

गमपनीसां--- नीनीरेंसां | नी--धप--- पमंगमगरेसा- |
जोऽऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ गुनि य न | कोऽऽ ऽऽऽऽऽ वेऽगुनिजाऽनेऽ |
० ३

ङऽरिऽ येऽऽऽ |
४

(७) वा ऽ | गमपनीसांगं-रें सां | नीसांगंमं गं-रेंसां |
× | ङरियेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वा | मा ऽ न स सोऽ ऽऽ |
० २

गरेंसांनीसां-नी- रेंसांनी-धपनीध |
ङरिये ऽ वा ऽ माऽ नस सोऽ ऽऽजोऽ |
०

पमंगमग-गम पमंगमगरेसा- | ङऽरीऽ येऽऽऽ |
गुनियनको वेऽ ऽऽगुनिजाऽनेऽ | ४
३

स्थायी पर तानें

(१) वा ऽ | ऩीसागगरेसाऩीसा गमगरेसा-ऩीसा |
×
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमपमंगमगरे सा-नीसागमपनी |
२

नीधपमगरेसा- नीसागमपनीसांनी |
०

धपमगरेसागंरें सांनीधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

(२) वा ऽ | नीसागगरेसागग | रेसानीसागमपप |
× ०

मगरेसापपमग रेसानीसागमपनी |
२

नीधपमगरेसानी नीधपमगरेसा- |
०

गमपनीसांगंरें सांनीधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

(३) वा ऽ | नीसागगरेसागम पपमगरेसानीसा |
× ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमपनीनीधपम गरेसागमपनीसां |

२

नीधपमगरेसा- नीसागमपनीसां |

०

रेंसांनीधपगंगंरें सांनीधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(४) वा ऽ | नीसागमपमगम पनीधपमगरेसा- |

× ०

गमपनीसांनीपनी सांरेंसांनीधपमग |

२

रेसा--गमपनी सांनीपनीसांगंरेंसां |

०

नीसांगंमंगंरेंसांनी सांनीधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(५) वा ऽ | सांनीसागरेसामग मपमगरेसासानी |

× ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सागरेसामगमप सांनीसांरेंसांनीधप |

२

मगरेसासाऩीसाग रेसामगमपसांनी |

०

सांगंमंगंरेंसांनीसां नीधपमगरेसा- | ङऽरीऽ येऽऽऽ |

३ ४

(६) वा ऽ | नी़सागमगमगरे सानी़सागमगमम |

X ०

पमपमगरेसा- | गमपनीनीधपमं |

२

पमंपगमगमग रेसा- -गमपनी |

०

सांरेंसांरेंनीसांनीसां नीधपमगरेसा- | ङऽरिऽ येऽऽऽ |

३ ४

(७) वा ऽ | नी़सागमगमपनी धपमगरेसानी़सा |

X ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमगमपनीपनी सांरेंसांनीधपधप |
२

मगरेसानीसागम गमपनीपनीसांरें |
०

नीसांगंमंगंरेंसांनी सांनीधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

(८) वा ऽ | गगरेसापपमग रेसानीनीधपमग |
× ०

रेसागंगंरेंसांनीध पमगरेसा--- |
२

गगगनीनीनीधप मगरेसागगगनी |
०

नीनीगंगंगंरेंसांनी धपधपमगरेसा | इऽरीऽ येऽऽऽ |
३ ४

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग मालकौंस

यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है, इसमें रिषभ और धैवत वर्ज है और 'ग' 'ध' 'नी' स्वर कोमल लगते हैं, जाती औड़व है, इसकी प्रकृति गंभीर है और गाने का समय रात्रि का तीसरा प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरुप

सा ग म ध नी सां | सां नी ध, म, ग सा |

मुक्त आलाप :—सा, नी ध नी सा, ग सा, ध नी ध सा | सा ग सा, ध नी सा ग नी सा, सा ग म, ग म, सा नी ध नी सा ग म, म ग, सा | सा ग म ध, ग म ध, सा म ग म ध, ध म ग सा | सा ग म, ग म ध नी, ध नी, नी ध म, ग म ध नी म ध म नी ध म, ग म ग सा | सा ग म ध, नी, सां, नी सां, ध नी ध सां, सां नी ध म, ग म ध नी, म ध म नी ध म, ग म ग सा | सा ग म ध नी सां, नी सां नी गं सां, ध नी सां गं ध नी ध सां, सां नी ध म, ग म ध म, ग म ग सा | सा ग म ध, नी ध, सां, म ध नी सां, नी गं सां, सां गं मं गं सां, नी

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गं नी सां, सां नी ध म, ग म नी ध म, ग म ध म, ग म ग सा | सा म ग ध म नी ध सां, नी गं नी सां, ध नी सां मं, गं, सां, नीं सां, सां नी ध म, नी ध म, ध म, ग म ग सा |

मुक्त तानें :—नी सा ग सा, नी सा ग म ग सा, नी सा ग म ध म ग सा, नी सा ग म ध नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नी सां नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नीं सां गं सां नी ध म ग सा, नी सा ग म ध नी सां गं मं गं सां नी ध म ग सा |

नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा, नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा ग म ध ध म ग म ध नी नी ध म ग सा, नी सा ग ग सा नी सा ग म म ग सा, ग म ध ध म ग, म ध नी नी ध म, ध नी सां सां नी ध म ध नी नी ध म ग म ध ध म ग सा ग म म ग सा |

नी सा ग म ग, नी सा ग म ध म, नी सा ग म ध नी ध, नी सा ग म ध नी सां नी, ग म ध म, सा ग म ग सा |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नी सा ग म, ग म ध नी, ध नी सां गं, गं सां नी ध, नी ध म ग, ध म ग सा ।

सा म म ग, म ध ध म, ध नी नी ध, नी सां सां नी, सां गं गं सां, नी सां सां नी, ध नी नी ध, म ध ध म, ग म म ग, सा ग ग सा ।

———

ख्याल — राग मालकौंस — एकताल-विलम्बित

कब हो कपी राघो आवेंगे ।
मेरे नैना चकोर पीति बसे,
राका शशिमुख देखन आवेंगे ॥

स्थायी

गसा | ध नीनी |
कब हो ऽक
४

सा म | (म) ग मध | -म मधनी- | धम ग-गनी | सासा
पी ऽ रा घोऽ ऽऽ ऽऽऽऽ आऽ ऽऽवेंऽ ऽ गे
× ᴖ २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

नी ध
ग मध | सा --नीसां |
मे रेऽ नै ऽऽऽऽ
३ ४

सां
सां - | सांसां -सां | सां -ध | नीध म | ग नीसां |
ना
× च को ऽ र पी ऽती ऽ व से ऽ राऽ
० २ ० ३

गंमं-गं सां |
ऽऽऽऽ का
४

नी
धनी धम | ग नीसा | सासा गमध- | -नी सांनी | सां
शशि मुख ऽ दे ऽ ख न आऽऽऽ ऽ ऽ वें ऽ गे
× ० २ ०

स्थायी पर आलाप

(१) पी ऽ | सा - | नीध -म | धनी -ध | नीसा |
× ० २ ० ३

१३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गसाध- -नी |

कवहोऽ ऽक
४

(२) पो ऽ | सा - | धनी -ध | नी सा | साग -सा |

× ० २ ० ३

कवहोऽ कऽ |

४

(३) पी ऽ | सा धनी | सा ग | -सा गम | -ग -सा |

× ० २ ० ३

कवहोऽ ऽक |

४

(४) पी ऽ | धनी साग | म - | गग म | धम गसा |

× ० २ ० ३

कवहोऽ ऽक |

४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(५) पी ऽ | सागम | ध -म | धनी -ध | -म गसा |

× ० २ ० ३

कवहोऽ ऽक |

४

(६) पी ऽ | सागमध -नी | सां -- | धनीसां- नीध |

× ० २ ०

मग सानीसा- | कवहोऽ ऽक |

३ ४

(७) पी ऽ | गमधनीसां--- गं | -सां धनीगंसां |

० २

गंनीसांध नीधसां- | नीधम- -ग-सा | कवहोऽ ऽक |

० ३ ४

(८) पी ऽ | सागमधमगमध नीसां-- | गंसां सांगंमं- |

० २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

-गं सां | सांनीधम गमगसा | कवहोऽ ऽक |
० २ ४

स्थायी पर बोलतान

(१) पी ऽ | सा धनी | सा मग,सा- | नी -ध |
× | क वऽ | हो ऽऽऽऽ | क ऽऽ |
० २ ०

ग-सानी सा | कवहोऽ ऽकपीऽ |
ऽऽपीऽ ४
३

(२) पी ऽ | साग म | गसा सा | नीसागध नीध |
× | कऽ ऽ | वऽ हो | ऽऽऽऽ ऽऽ |
० २ ०

-नी नीसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |
ऽऽ कपी ४
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) पी ऽ | सागमध -म | गम गसा | नीसाधनी ध |
×

कवहो ऽ ऽऽ कऽ पी ऽ रा ऽ ऽ ऽ घो
० २ ०

सागम- गसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |

आऽऽऽ वँ गे ४
३

(४) पी ऽ | सागमध नीध मनीधम गसा | साग-म धनी |
×

कवहोऽ ऽ ऽ क ऽपीऽ ऽ ऽ राऽ ऽऽ घो ऽ
० २ ०

नीधमग मगसा- | कवहोऽ ऽकपीऽ |

आ:ऽऽ ऽवँगेऽ ४
३

(५) पी ऽ | सागमध नीसां | नीधसांनी गंसां | नीसांधनी धम |
×

कऽऽऽ व हो कऽऽऽऽ ऽपी राऽऽऽ ऽघो
० २ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मधनीसांनी-ध- मगसा- | कबहोऽ ऽकपीऽ |

आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ वेंऽगेऽ ४

३

(६) पी ऽ | नीधमगमधनीसां नीसांसां- | सांनीगंसां मंगंसां- |

× | कऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽबहोऽ | कऽ ऽ ऽ ऽ ऽपीऽ

० २

नीसां-नीधमधनी | -धमगमध-म |

राऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ घोऽ ऽ ऽऽ ऽ आऽऽऽ

०

गसामगधमनीध सांनीसां-सां--- | कबहोऽ ऽकपीऽ |

ऽ ऽवेंऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ गे ऽ ऽ | ४

३

(७) पी ऽ | गसानीधनीसागम गसासा- |

× | कऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽबहोऽ

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सांममगमधम धनीनीधनीसांसां- |
ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽकऽपीऽ
२

नीसांगंमं-गंसां- नीधमगसा--- |
राऽऽऽऽऽघोऽ आऽवैंऽगेऽऽऽ
०

सांनीधमधनीसां- नीधमधमगसा- | कवहोऽ ऽकपीऽ |
कव होऽकऽपीऽ- राऽघोआऽवैंगेऽ
३ ४

स्थायी पर तानें

(१) पी ऽ | नीसागसानीसागम गसानीसागमधम |
×
०

गसानीसागमधनी धमगसा---- |
२

नीसागमधनीसांनी धमगसानीसागम |
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

धनीसांगंसांनीधम गसाधनीधमगसा | कवहोऽ कपीऽ |
३ ४

(२) पी ऽ | नीसागसानीसागम मगसानीसागमध |
× ०

धमगसानीसागग सागममगमधध |
२

मगसा-नीसागम धनीनीधमगसा- |
०

गमधधमधनीनी धनीधमगमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |
३ ४

(३) पी ऽ | नीसागमगमगसा सागमधमधमग |
०

गमगमगसा- - गमधनीधनीधम |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मधमधमगगम गमगसामधनीसां |

०

नीसांनीधमधमध मगगमगमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |

४

२

(४) पी ऽ | मधनीसांनीसांधनी धनीमधमधगम |

०

गसाधनीसांगंसांगं नीसांधनीधनीमध |

२

गमगमगसा-- सामगधमनीधसां |

०

नीगंनीसांधनीमध मधगमगमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |

४

२

(५) पी ऽ | सानीसागमगसा- मगमधनीधमग |

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सा-धमधनीसांनी धमगसानीधनीसां ।
२

गंमंगंसांनीधमग सा-सानीसागमग ।
०

मधनीधनीसांगंमं गंसांनीधमगसा- । कवहो ऽकपीऽ ।
३ ०

(६) पी ऽ । धनीसागमगसाग मधनीधगमधनी ।
× ०

सांनीमधनीसांगंसां नीसांगंसांधनीसांनी ।
२

मधनीधगमधम सागमगसा -- ।
०

ममगसानीधमग सागंसांनीधमगसा । कवहोऽ ऽकपीऽ
३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) पी ऽ | धनीसागमगसाम | गसानीसागमधम |

× ०

गधमगसागमध | नीधमनीधमगम |

२

धनीसांनीधसांनीध | मधनीसांगंसांनीगं |

०

सांनीसांनीधनीधनी | धमगमगमगसा | कवहोऽ ऽकपीऽ |

४ ३

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग भैरव

यह राग भैरव थाठ से उत्पन्न होता है। इसमें रिषभ तथा धैवत कोमल लगते हैं। जाति संपूर्ण है। वादी स्वर 'धैवत' और संवादी 'रिषभ' है। इस राग की प्रकृती गंभीर है। इस राग में रिषभ और धैवत आंदोलित होते हैं और वह आंदोलन अधिक रक्तिदायक होता है। आरोह में रिषभ का अल्पत्व रहता है। इस राग का गान समय प्रातः काल का पहला प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरूप।

सा रे ग म, प ध, नी सां | सां नी ध, प, म ग, रे, सा |

मुक्त आलाप :—सा, रे, रे, सा, ऩी सां ऩी ध़, सां | सा, ऩी ध़, प़, ग़ म़ ध़ ऩी, सा | सा, रे रे, सा, ग म, रे, सा, सा ग, म, ग म रे, सा | सा ग म प, म, ग म, सा ग रे म, प म, ग म प, ग प, म, ग म रे, सा | ग म ध, प, म प ग म, सा म ग प म ध, प, ध ध प म प, म, ग म प म ग रे, सा | ग म ध ध, प, म प ग म, ध, नी, ध, प, ध ध

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

प म प, म, ग ग, म, रे, सा | ग म ध, नी, सां, ध नी सां, म प ग म ध, नी सां, सां नी ध, प, म प म, ग म, ध प, ध म प ग म, रे, सा | ऩी सा ग म प, ग म ध, प, नी ध, प, ग म ध, नी सां, रें रें सां, सां, नी ध, सां गं मं रें, सां, रें रें सां नी सां, ध, नी सां, नी ध, प, ग म नी ध सां नी रें सां, नी ध, प, म प ग म, रे, सा | ग म रे, सा, ध प म प, ग म रे, सा, नी ध, प, म प ग म रे, सा, रें रें सां नी सां, नी ध प, ध ध प म प, ग म, ग म प म ग रे, सा | सा म ग प ग म रे सा, सा म ग प म ध, प ध म प, ग म रे सा, सा म ग प, म ध प नी ध सां, नी सां, ध नी, प ध, म प, ग म रे, सा |

मुक्त ताने :—सा रे ग ग रे सा, सा रे ग म प प म ग रे सा, सा रे ग म प ध ध प, म प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी नी ध प, ध प म ग, प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी सां नी ध प म ग रे सा, सा रे ग म प ध नी सां रें रें सां नी ध प म ग रे सा | सा रे ग म प ध नी सां रें गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा |

सा रे ग, रे ग म, ग म प, म प ध, प ध नी, ध नी सां, सां नी ध, नी

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ध प, ध प म, प म ग, म ग रे, ग रे सा | सा रे ग, रे ग म, रे ग म, ग म प; ग म प, म प ध, म प ध, प ध नी; प ध नी, ध नी सां; सां नी ध, नी ध प, नी ध प, ध प म; ध प म, प म ग; प म ग, म ग रे; म ग रे, ग रे सा |

सा ग ग रे सा, ग प प म ग रे सा, म नी नी ध प म ग रे सा, ध सां सां नी ध प म ग रे सा, नी रें रें सां नी ध प म ग रे सा, सां गं गं रें सां नी ध प म ग रे सा |

सा रे सा ग रे सा, रे ग रे म ग रे, ग म ग प म ग, म प म ध प म, प ध प नी ध प, ध नी ध सां नी ध, प ध प नी ध प, म प म ध प म, ग म ग प म ग, रे ग रे म ग रे, सा रे सा ग रे सा |

सा रे सा रे, रे ग रे ग, ग म ग म, म प म प, प ध प ध, ध नी ध नी, नी सां नी सां, ध नी ध नी, प ध प ध, म प म प, ग म ग म, रे ग रे ग, रे सा |

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ख्याल | राग भैरव | एकताल—विलम्बित

वालमुवा मोरे सैंया सदा रंगीले।
हुं तो तुम बिन तरस गईली, दरसन वेग बताबो,
लै हो, बलैया ॥

म	गम	-म	प
वा	ऽऽ	ऽल	मु
३		४	

प				म				प			
ध	-	प	पमप-	म	ग	म	मपगम	रे	-	सा	-म
वा	ऽ	ऽ	मोऽऽऽ	रे	ऽ	ऽ	सैंऽऽऽ	ऽ	ऽ	या	ऽस
×		०		२		०		३		४	

					सां		
ध	-ध	सां	-	नीसां--	ध	प	मप--
दा	ऽरं	गी	ऽ	ऽऽऽऽ	ले	ऽ	ऽऽऽऽ
×		०		२		०	

अंतरा

					नी
म॰म		पप	धध	धध	सांसां
हूं	तो	तुम	बिन	तर	सग
०		३		४	

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नीनी नीनी
सां - | नीसां-- सां | धध धध | सां सांसां |
ई ऽ | ऽऽऽऽ ली | द र स न | वे ग थ |
× ० २ ०

सां
रेंरेंसांनी सां | ध प |
ताऽ ऽऽ ऽ | वो ऽ |
३ ४

प मप-- म गम | मपगम रे | - सा |
ले ऽऽ ऽऽ हो ऽब | लैऽ ऽऽ ऽ | ऽ या |
× ० २ ०

स्थायी पर आलाप

(१) बा ऽ | सा - | नीध - | नी सा | रे -सा |
× ० २ ० ३
मगम - -मप- |
बाऽऽऽ ऽलमुऽ
४

(२) बा ऽ | सा - | रे सा | ग -म | गरे -सा |
× ० २ ० ३
बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(३) वा ऽ | सा गम | – मप | – गम | रे –सा–
x ० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(४) वा ऽ | सा गम | – प | ध –प | गमरे– –सा |
x ० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(५) वा ऽ | गम ध | –प मप | गम पपगम | रे –सा |
x ० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(६) वा ऽ | गमध–सां | रें –सां | नीध प | गमरे– –सा |
x ० २ ० ३

बाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

१४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) वा ऽ | गमध- सां | गंमंरें- -सां | नीसां-नी धप |
X ० २ ०

मपगम रेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

(८) वा ऽ | गमरे- -सा | धपमप गमरे- | -सा रेंसांनीसां |
X ० २ ०

धपगम रेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

स्थायी पर बोलतानें

(१) वा ऽ | सा रेरे | ग मभ | ग मरे | -रे -सा |
X | वा ऽल | मु ऽवा | मो ऽरे | ऽसै ऽया |
० २ ० ३

मगम- -मप- |
वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(२) वा ऽ | सा -सा | रे सा | गम रे | गमरे- -सा |
X | वा ऽल | मु वा | मोऽ रे | सैऽऽऽ ऽया |
० २ ० ३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(३) वा ऽ | ग मम | प ध प धपमप | गमरे- -सा |
× | वा ऽल | मु वा | ऽ मोऽऽऽ | रेऽसैऽ ऽया |
० २ ० ३

वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४

(४) वा ऽ | गमध- -ध | सां सां | नीसांध- -प |
× | | | |
वाऽऽऽ ऽल मू वा मोऽरेऽ ऽऽ
० २ ०

गम रेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
सैंऽ याऽ
३ ४

(५) वा ऽ | पमरे- -सा | नीधपम प-गम | रेसा मध-ध |
× |
वाऽऽऽ ऽल मुऽवाऽ ऽऽमोरे सैया सदाऽरं
० २ ०

सां नीसांसां- | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
गी ऽऽलेऽ | ४
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) वा ऽ | गमपधपमगम पधनीसां--सां- |
×
वाऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ल ऽ
०

-रें-सां नीसांरेंसांध--- | -ध-प गमध---ध- |
ऽमूऽवा मो ऽ ऽ ऽ रे ऽ ऽ ऽ ऽसैऽया सऽदाऽ ऽ ऽ रंऽ
२ ०

सां नीनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमूऽ |
गी ले ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ४
३

(७) वा ऽ | पपमगमपगम पमरे---सा- |
×
वाऽऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽल ऽ ऽ ऽमुऽ
०

रे सा नीनीधपमपगम | धसां-सां गंमंरें- |
वा ऽ मो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ रे सैऽया सऽदाऽ
२ ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

सां---रेंसांनीध पमधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४
ऽऽऽऽरंऽऽऽ ऽऽनीऽलेऽऽऽ
३

स्थायी पर तान

(१) वा ऽ | सारेगमरेसासारे गमपपमगरेसा |
×
०

स.रेगमपधधप मगरेसासारेगम |
२

पधनीनीधपमग रेसासारेगमपध |
०

नीसांरें रेंसांनीधनी सांनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
४
३

(२) वा ऽ | सारेगगरेसागग रेसासारेगमपप |
×
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मगरेसापपमग रेसासारेगमपध |

२

धपमगरेसानीनी धपमगरेसा- - |

०

गमपधनीसांरेंरें सांनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

३ ४

(३) वा ऽ | सारेसागरेसागम गपमगरेसा- - |

X ०

पधपनीधपमग रेसानीसांनीरेंसांनी |

२

धनीधपमगरेसा सांरेंसांगंरेंसांरेंगं |

०

रेंमंगंरेंसांरेंसांनी धनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(४) वा ऽ | गगरेसापपमग रेसानीनीनीधपम ।
× ०

गरेसा-रेंरेंसांनी धपमगरेसागंगं |
२

रेंसांनीधपमगरे सा-गमपधपध |
०

नीसांनीसांरेंगंरेंसां नीनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |
३ ४

(५) वा ऽ | सागरेसारेमगरे गपमगमधपम |
× ०

गपमगरेसा-- मनीधपधसांनीध |
२

नीरेंसांनीधनीधप मपमगरेसा-- |
०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

नीनीनीगंगंगंरेंसां नीनीधपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

२ ४

(६) वा | सामगपमधमप गमगपमगरेसा |

× ०

मनीधसांनीरेंसांरें नीसांधनीधपमप |

२

मगरेसासांगंरेंगं सांरेंनीसांधनीधसां |

०

नीसांधनीपधमप गमगपमगरेसा | वाऽऽऽ ऽलमुऽ |

३ ४

(७) वाः ऽ | सानीसागरेसामग मपमगरेसा— — |

× ०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

पमपधपमनीध नीसांनीधपमगरे ।

२

सा-सांनीसांरेंसांनी धपमगमपमग ।

०

रेसासांरेंसांरेंनीसां नीधपमगरेसा- । वाऽऽऽ ऽलमुऽ ।

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

राग हमीर

यह राग यमन थाट से निर्माण होता है। इस राग में दोनों 'मध्यम' रहते हैं। तीव्र 'मध्यम' सिर्फ आरोह ही में आता है। शुद्ध 'मध्यम' आरोह अवरोह दोनों में आता है। बाकी सारे स्वर शुद्ध रहते हैं। वादी स्वर पंचम और संवादी 'षड्ज्' है। गाने का समय रात का पहला प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरुप।

सा, गमध, नीसां | सां, नीधप, म॑प, गमरेसा |

मुक्त आलाप :—सा, सारे सा, नी ध प, ग म ध नी सा | सा, सा रे सा, ग म रे सा, ग म ध प, म॑ प, ग म रे सा | सा रे ग म प, ग म रे सा, ग म ध नी ध, प, ग म ध, प, म॑ प, ग म रे सा | सा रे ग म ध, नी, ध, प, म॑ प, ग म ध, नी सां सां, नी ध प, सां रें सां, नी ध प, ग म ध प, ग म रे सा | सा रे सा, प ग म रे सा, ध प म॑ प, ग म रे सा, नी ध प, म॑ प, ग म रे सा, रें सां, नी ध प, ग म ध, नी, ध प, म॑ प, ग म रे सा | ग म ध, नी, सां, सां रें, सां, गं मं रें सां, सां रें गं मं पं, गं मं रें, सां, रें सां नी, ध, ध, नी ध प, ग म नी, ध, प, ग म ध, प, म॑ प, ग म रे प, ग म रे सा | सा रे सा सा, प, ग म

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रे सा, प ध प प, नी ध प, म॑ प, ग म ध, नी, सां, नी ध प, ग म ध प, म॑ प, ग म रे सा | म म रे सा, प प ग म रे सा, नी ध नी सां, नी ध प, म॑ प ग म रे सा |

मुक्त तानें :—सा रे सा सा, ग म रे सा, ग म प ग म रे सा, ग म ध ध प प ग म रे सा, म॑ प ध नी सां नी ध प म॑ प ग म रे सा, म॑ प ध नी सां रें सां नी ध प म॑ प ग म रे सा, म॑ प ध नी सां रें गं मं रें सां नी ध प म॑ प ग म रे सा | सा सा रे रे सा सा, म म रे सा प प ग म रे सा, ध ध प प ग म प ग म रे सा, नी नी ध प म॑ प ध नी सां नी ध प म॑ प ग म रे सा, म॑ प ध नी सां रें सां सां ध प, म॑ प ध नी सां रें गं मं रें सां सां ध प, म॑ प ग म रे सा |

सा रे ग म रे सा, सा रे ग म, ग म ध नी, ध प म॑ प ग म रे सा | सा रे ग म, ग म ध नी, ध नी सां रें सां नी ध प, ध प ग म रे सा | सा रे ग म, ग म ध नी, ध नी सां रें सां रें गं मं रें सां, रें सां ध प, ध प म॑ प, ग म रे सा |

सा रे ग म ग म रे सा, म॑ प म॑ प ग म ग म रे सा, ध नी ध नी ध प म॑ प म॑ प ग म रे सा, सां रें सां रें नी सां नी सां नी ध प, म॑ प म॑ प ग म रे सा |

म म रे सा, नी नी ध प, मं मं रें सां नी ध प म॑ प ग म रे सा |

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

ख्याल | राग हमीर | ताल एकताल—विलम्बित

चमेली फूली चंपा ए गुलाब गुंद लावोरी मालनिया
हरवा नौशा के गरवा डारो। हीरा मोतियन को सेरा
बिराजत और सोहे सरताज ॥

स्थायी

प---धनीसां- नीसांध-	(प)- गम
चऽऽऽमेऽऽऽ ऽऽलीऽ	फूऽऽ ऽलि
३	४

प गम	ध नी	मंपधनीसां--- सांनी	ध मंप
चं ऽऽ	पा ऽ	एऽऽऽऽऽऽऽ गूऽ	ला ऽब
×	०	२	०

प गम	ध प
गूं ऽद	ला ऽ
३	४

ग मरे	गम ध	प मंप	गम सारे	सा सारे	गम प
वो ऽरि	माऽ ल	नी याऽ	हऽ रऽ	वा ऽऽ	नव शा
×	०	२	०	३	४

प गम	ध प	गम रेप	गमसारे सा
के गर	वा ऽ	ऽऽ ऽऽ	डाऽऽऽ रो
×	०	२	०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अंतरा

पप सांसां	सांसां धनीरें-
हिरा मोति	यन ऽऽऽऽ
३	४

सां नीसां--	धनी सांरें	सां नी	ध प-मप
को ऽऽऽऽ	सेऽ रावि	रा ऽ	ज तऽऽऽ
×	०	२	०

सांगं मंरें	सांरें सां
औऽ ऽर	सोऽ हे
३	४

नीध प-मंप	गम ध	प गमरेप	गमसारे सा
ऽऽ ऽऽऽऽ	ऽऽ सी	र ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ ज
×	०	२	०

स्थायी पर आलाप

(१) चं ऽऽ | सा़ - | रे सा | गम रे | सा नी़सा-- |
× ० २ ० ३

प-धनीसां-ध- प-गम |
चऽमे ऽ ऽ ऽलीऽ फूऽऽलि
४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) चं ऽऽ | सा धप | सारे - | सा गमप- |

× ० २ ०

गम रेसा | चमेली इ-

३ ४

(३) चं ऽऽ | सा गम | ध प | मंप गम | रे सा | चमेली इ-

× ० २ ० ३ ४

(४) चं ऽऽ | गम ध | नी धप | गम धप | गमरे- सा |

× ० २ ० ३

चमेली इ-
४

(५) चं ऽऽ | गम नी | धप - | पधपप गम | पग-म रेसा |

× ० २ ० ३

चमेली इ-
४

(६) चं ऽऽ | मंपधनी सां | रें सां | नीध-पं मंपगम |

× ० २ ०

रेपगम सारेसा- | चमेली इ-

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(७) चं ऽऽ | गमध- नीसां | सांरें-- सां। गंमंरेंसां रेंसांधप—
× ० २ ०

मंपगम सारेसा- | चमेली इ-
३ ४

(८) चं ऽऽ | गमरेसा पग-म | सारेसा- मंपधनीसां--- |
× ० २

सांरेंगंमंरें-सां- नीध-प | गमधपग-म- सारेसासा |
० ३

चमेली इ-
४

स्थायी पर बोलताने

(१) चं ऽ | सारे -सा | साध़-प़ सारे | सा गमप- |
× | चमे ऽलि फुऽ ऽलि चंऽ | पां पऽऽ ऽ |
० ० २ ०

गमरे- -सा | चमेली इ-
गुऽलाऽ ऽब | ४
३

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(२) चं ऽ | गम प | गम ध | प पग | मरेसारे -सा |
× | चऽ मे | ऽलि फू | लि चंपो | एऽगुला ऽब |
० २ ० ३

चमेलि इ-
४

(३) चं ऽ | गमध- गम | धनी -धप- |
× | चऽमेऽ ऽलि | फूऽ ऽऽलीऽ |
० २

पधपप---- पगमरे | गमप- मरे-सा | चमेलि इ-
चंऽऽऽऽऽऽऽ पाऽऽऽ | एऽऽऽ गुलाऽव | ४
० ३

(४) चं ऽ | गमध- नी-धप गमध- नीसां-- |
× | च.मेऽ ऽऽऽलि चंऽपाऽ ऽऽऽऽ |
० २

सांरेंसांसां---- सांध-प | पगमसा रेसा | चमेलि इ-
एऽ ऽ ऽऽऽऽऽ गुलाऽव | गुंऽधला ऽचो | ४
० ३

(५) चं ऽ | मरे-सा पं-गम | धप मंपधनीसां-सां- |
× | चऽमेलि फूऽऽलि | चंपा ऽऽऽऽऽऽ गु ऽ |
० २

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

रेंसां सांध-प | प ग म रे सारेसा- | चमेलि इ-
लाव गुंदऽला वोरिमाऽ लानियाऽ | ४
० २

(६) चं ऽ | मंपधनीसां-सां- सांसां | सांरें-सां गंमंरेंसां |
× चऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मे ऽ ऽलि | फु ऽ ऽलि चंऽपाऽ |
० २

सांरेंसांसांध-प- गमधपनीसांरेंसां |
गु ऽ ला ऽ ऽ ऽबऽ गुंऽ ऽद लाऽ ऽ ऽ |
०

सां-सां-सांसांधप धधपपममरेसा | चमेली इ-
वो ऽ रि ऽमा ऽल ऽ नीऽऽऽयां ऽ ऽ ऽ | ४
३

स्थायी पर ताने

(१) चं ऽ | सारेसासागमरेसा गमपपगमरेसा |
× ०

सानीधपपधपप सासारेरेसासा- - |
२

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

गमधधपपगम पपगमरेसागम |

०

धनीसांनीधपमंप गमपगमरेसा– | चमेली इ–

३ ४

(२) चं ऽ | गमरेसागमपप गमरेसागमधध

× ०

पपगमपपगम रेसागमधनीसांनी |

२

धपगमनीधपप गमपपगमरेसा |

०

मंपधनीसांरेंसांसां धपमंपगमरेसा | चमेली इ–

३ ४

(३) चं ऽ | सारेसासापधपप गमपपगमरेसा |

× ०

सारेसासापधपप सांरेंसांसांधपमंप |

२

गमपपगमरेसा पधपपसांरेंसांसां |

०

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

मंमंरेंसांसांरेंसांसां धपमंपगमरेसा | चमेली इ-

३ ४

(४) च ऽ | सारेसारेसासागम | गमरेसापधपध |

× ०

मंपमंपगमगम रेसाधनीधनीधप |

२

पधपपगमधनी सांरेंसांरेंनीसांनीसां |

●

नीधपगमरेसा- सांसांधपगमरेसा | चमेली इ

३ ४

(५) च ऽ | सारेगमगमधनी धनीसांनीधपमंप |

× ०

गमरेसासारेगम गमधनीधनीसांरें |

२

सांरेंगंमंरेंसांधनी सांरेंमंपधनीगम |

●

धधपपगमरेसा गमधनीधनीसां- | चमेली इ

३ ४

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

(६) चं ऽ | साम॑गपम॑धम॑प गमरेसा,सामगप |

× ०

म॑नीधनीम॑धम॑प गमरेसा,सामगप |

२

म॑नीधनीसारेंनीसां धनीम॑पगमरेसा |

०

मंमंमंरेंसांसांनीसां नीधपममरेसा- | चमेली इ

३ ४

(७) चं ऽ | सारेसा,सारेसा,मप म,मपम,गमरेसा |

× ०

सारेसा,सारेसा,मप म,मपमगमधनी |

२

ध,धनीध,पपगम धधपपगमरेसा |

०

ममगनीनीधरेंरें सांनीधपगमरेसा | चमेली इ-

३ ४

———

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi

Digitization by eGangotri and Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

अ. भा. गां. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है।

संपादक: प्रोफेसर बी. आर. देवधर,

मासिक की विशेषतायें :–

संगीत के रसिकवर्ग के लिये

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैय्यों के चरित्र

प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र

सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय के विद्वानों तक के संगीत विषयक लेख

PRESENTED

प्रसिद्ध सिनेमा संगीत-दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय गानों की (नोटेशन सहित) तर्जें

LIBRARY

No. ....

हास्यविनोद-कलाकारों के किस्से

व्यंग-चित्र इत्यादि

संगीत के विद्यार्थिओं के लिये

संगीत-शास्त्र विषयक चर्चा

तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी

तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी

परीक्षा-प्रश्नों के उत्तर

प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानी चीजें और उसके नोटेशन

पत्र-व्यवहार वगैरह

वार्षिक शुल्क :–रु. ६; वी. पी. से रु. ६||; फुटकर अंक ७५ न. पै. विदेश के लिये रु. ८|| (विदेश के लिये वी. पी. नहीं)।

पत्र-व्यवहार और शुल्क भेजने का पता :—

मैनेजर, संगीत कला विहार, डाकघर—मिरज, जिला—सांगली (महाराष्ट्र-प्रदेश)

CC0. In Public Domain. Sri Sri Anandamayee Ashram Collection, Varanasi.